आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:37 तक
उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 9 जुलाई 2025
वर्ष 35 , अंक 163 , पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क 12

आप में से कई बन सकते हैं अंतरिक्ष यात्री 14

मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च सम्मान

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

ढाबों पर लगाए क्यूआर स्टीकर, एक लेन सिर्फ कांवड़ियों के लिए

मेरठ में चार राज्यों के अधिकारियों की हुई बैठक, कांवड़ मार्ग पर हर 15 किमी पर एक आईपीएस अफसर की तैनाती

मेरठ/लखनऊ, अमृत विचार नेटवर्क

कांवड़ यात्रा को लेकर मंगलवार को मेरठ में चार राज्यों के अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों की तैयारियों का जायजा लिया। वहीं, मुजफ्फरनगर और लखनऊ में अफसरों ने ढाबों और रेस्टोरेंट में क्यूआर स्टिकर लगाए। ये स्टिकर फूड सेफ्टी कनेक्ट एप से जुड़े हैं, जिसे स्कैन करने पर ढाबे का रजिस्ट्रेशन नंबर, मालिक का नाम, पता और मेन्यू की जानकारी मिल जाएगी।

मंगलवार को मेरठ पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार व डीजीपी राजीव कृष्ण।

आपराधिक तत्वों पर होगी पुलिस की पैनी नजर

कांवड़ यात्रा में आपराधिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। यात्रा में बाहरी व्यक्ति के शामिल होने पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने प्रशासन, पुलिस, नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा व सुविधाओं के समुचित इंतजाम के निर्देश दिये हैं।

मेरठ के कमिश्नर ऑफिस में हुई बैठक में यूपी, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड के अफसर शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि 11 जुलाई से पूरे कांवड़ रूट की शराब की दुकानों को ढका जाएगा। पूरे कांवड़ रूट की ड्रोन से निगरानी होगी। ट्रैफिक पुलिस ने नया प्लान पेश किया है, जो 10 जुलाई की रात से लागू हो जाएगा। शहर में भारी वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। शहर में एक लेन में कांवड़िए और दूसरी लेन में छोटे वाहन चलेंगे। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि डीजे की आवाज 75 डेसिबल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए साथ ही ऊंचाई भी 12 फीट से ज्यादा न हो। डाक कांवड़ में रेस न हो, इसके लिए भी उन समूहों के इंचार्ज को कहा गया है। सुरक्षा के लिए हर 15 किमी पर एक आईपीएस अफसर नियुक्त रहेगा। मुख्य सचिव मनोज सिंह ने कहा कि हर साल कांवड़ियों की संख्या बढ़ रही है। पिछले साल 4 करोड़ कांवड़िए थे। इस बार भी ये संख्या बढ़ेगी।

ट्रेनों की छत पर कोई नहीं जाएगा। एक वॉट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें चारों राज्यों के अफसर जुड़ेंगे और उसी से पूरी व्यवस्था रहेगी। हर किलोमीटर पर बीट बनाई जाएगी। जिसमें सब इंस्पेक्टर और 4-6 कॉन्स्टेबल को लगाया गया है। बैठक में पीपीटी के माध्यम से कांवड यात्रा के संबंध में आने वाली चुनौतियों व उनसे निपटने के लिए की गई तैयारियो के संबंध में मुख्य सचिव व डीजीपी के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्य सचिव ने खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि होटलों, ढाबों व शिविर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच का प्रबंध किया जाय, ताकि फूड प्वाइजनिंग जैसी घटनाएं न हो। शिविरों में बाहरी व्यक्ति न घुसे इसका ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाय।

एक नजर

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई जालंधर ने मंगलवार को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा पंजाब और मध्य प्रदेश में रची गई हत्या की साजिश को नाकाम करते हुए गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो पिस्तौल बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी की पहचान कपूरथला के फगवाड़ा निवासी हिमांशु सूद के रूप में हुई है। उसके पास से दो पिस्तौल, एक .30 बोर की चीन निर्मित पीएक्स3 पिस्तौल और एक .32 बोर की पिस्तौल, के साथ दो मैगजीन और सात कारतूस बरामद हुए हैं। हिमांशु दुबई स्थित अपने हैंडलर नमित शर्मा के निर्देशों पर एक अंतर्राज्यीय गिरोह चला रहा था।

बीजापुर में बारूदी सुरंग में विस्फोट, दो जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिमापुर-मुरदण्डा मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को आवापल्ली-बासागुड़ा मार्ग पर गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब तिमापुर-मुरदण्डा गांव में था तभी नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए।

सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री बोले-जमालुद्दीन को ऐसी सजा मिलेगी जो नजीर बनेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां राष्ट्र विरोधी हैं। योगी ने साफ कहा कि इस गिरोह के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने साथ उनकी संपत्तियां भी जब्त होंगी। योगी के मुताबिक राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक नजीर बने।

योगी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जमालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। राज्य सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की कोठी पर चल रहा बुलडोजर।

- कहा, आरोपी की गतिविधियां समाज और राष्ट्र विरोधी
- आरोपी और गिरोह से जुड़े सभी लोगों की संपत्ति जब्त की जाएगी

छांगुर बाबा जैसे लोग और इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए चुनौती हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए संकल्पित है।
- भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष।

बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर

बलरामपुर। स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने छांगुर बाबा की कोठी को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। धर्मांतरण गैंग का मुख्य आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा द्वारा अर्जित की गई संपत्तियों की छानबीन में पाया गया कि उतरौला कस्बे से सटा मधपुर में बना उसका आलीशान मकान पूरी तरह से अवैध है। इस मकान को छांगुर बाबा ने अपनी करीबी नीतू रोहरा के नाम से बनवाया था। उतरौला तहसीलदार ने गत 16 व 27 मई को जमालुद्दीन को घर खाली करने की नोटिस दी थी। सोमवार को बुलडोजर कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया था।

ईडी ने बाबा पर दर्ज किया केस

लखनऊ। धर्मांतरण का गिरोह चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ईडी ने यूपी एसटीएफ की रिपोर्ट और यूपी एटीएस द्वारा छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर यह कार्रवाई की है। जल्द ईडी छांगुर बाबा और उनके सहयोगियों के करीब दो दर्जन बैंक खातों की जांच कर विदेशी फंडिंग करने वालों की तलाश करेगी। एटीएस द्वारा दर्ज मामले में जमालुद्दीन के करीबी नवीन घनश्याम रोहरा और नीतू रोहरा व अन्य के 40 से ज्यादा बैंक खातों की जानकारी मिली है।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली। वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अहमदाबाद में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बारे में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट विमानन मंत्रालय को सौंप दी है।

सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि यह रिपोर्ट प्रारंभिक जांच में मिली जानकारी पर आधारित है और मंत्रालय के साथ-साथ यह अन्य हितधारकों के साथ भी साझा की गई है। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का यह विमान 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इनमें विमान में सवार चालक दल के सदस्यों सहित 241 लोग भी शामिल थे।

विमान में सवार एक व्यक्ति सौभाग्य से सुरक्षित बच गया था। यह विमान हवाई अड्डे के निकट के मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के उपर पड़ा था जिससे कई मेडिकल छात्रों और अन्य लोगों की भी हादसे में मौत हुई थी।

जांच प्रोटोकाल के अनुसार जांच एजेन्सी को एक महीने के अंदर प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपनी होती है। इस रिपोर्ट को तैयार करने में सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन किया जा रहा है।

बिजली आपूर्ति बाधित करने वाले होंगे बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- काम नहीं करने वालों पर लागू होगा नो वर्क नो पे का नियम
- हड़ताल को देखते हुए सभी जिलों में बनाए गए कंट्रोल रूम

अमृत विचार : हड़ताल से बिजली आपूर्ति बाधित करने वाले बिजली कर्मी बर्खास्त होंगे। बिजली कर्मियों की 9 जुलाई को सांकेतिक हड़ताल को लेकर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने ये निर्देश जारी किए।

अध्यक्ष ने कहा कि जिस मुख्य अभियन्ता के क्षेत्र में आन्दोलन के कारण आपूर्ति प्रभावित होगी तो उस पर भी सख्त कारवाई होगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन से किसी को आपत्ति नहीं है पर बिजली जैसी आवश्यक व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। कोई जान-बूझकर ब्रेकडाउन करेगा तो बर्खास्त किया जाएगा। नो वर्क नो पे का नियम लागू होगा। कर्मचारी आन्दोलन को देखते हुए सभी जगह कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। जिला प्रशासन से सम्पर्क किया गया है। सभी को एडवाइजरी जारी की गई है।

ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में देशभर में 27 लाख बिजलीकर्मी 9 जुलाई को सांकेतिक हड़ताल करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ प्रदेश के एक लाख से अधिक बिजली और आउटसोर्स कर्मी शामिल होंगे।

देश भर में 25 करोड़ कर्मी आज हड़ताल पर

नई दिल्ली। केंद्रीय और क्षेत्रीय श्रमिक संगठनों से जुड़े 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी बुधवार को नए श्रम कानूनों और निजीकरण के विरोध में देश भर में हड़ताल पर जाएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल से बैंकिंग, डाक और अन्य सेवाओं में व्यवधान पैदा होने की आशंका है। आम हड़ताल से बैंकिंग, बीमा, डाक, कोयला खनन, राजमार्ग और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सेवाएं बाधित हो सकती हैं। भारतीय मजदूर संघ ने हड़ताल हिस्सा नहीं लेने की बात कही है।

पुलवामा हमले के लिए ऑनलाइन खरीदा गया था विस्फोटक पदार्थ

नई दिल्ली, एजेंसी

एफएटीएफ की रिपोर्ट

- आतंकवाद के वित्तपोषण में किया जा रहा ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग

वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि ई-कॉमर्स मंच और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। पुलवामा आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 कर्मियों की मौत हो गई थी। एफएटीएफ ने भारत में आतंकवादी हमले के लिए सामग्री की खरीद के मकसद से ई-कॉमर्स मंचों के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमले में इस्तेमाल किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का एक प्रमुख घटक - एल्युमिनियम पाउडर-ई-कॉमर्स मंच के जरिए खरीदा गया था।

एफएटीएफ ने आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों पर अपने व्यापक अद्यतन में आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिह्नित करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है कि कुछ आतंकवादी संगठनों को कई राष्ट्रों की सरकारों से वित्तीय और अन्य प्रकार का समर्थन प्राप्त होता रहा है और अब भी मिल रहा है। एफएटीएफ ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए जून में कहा था कि वित्तीय सहायता के बिना ऐसे हमले संभव नहीं थे। उसने कहा था कि वह 200 अधिकार क्षेत्रों वाले अपने वैश्विक नेटवर्क द्वारा उपलब्ध कराए गए मामलों को संकलित करते हुए आतंकवादी वित्तपोषण का व्यापक विश्लेषण करेगा। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की भारत की मांग

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर फरवरी 2019 में एक आत्मघाती बम विस्फोट किया गया था जिसके परिणामस्वरूप 40 सैनिक मारे गए थे। भारत के अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह हमला जैश-ए-मोहम्मद ने किया था। भारत कहता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है और आतंकवादियों का वित्त पोषण करता है। ऐसे में पाकिस्तान को एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में डाला जाना चाहिए।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी सड़क हादसे में घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हापुड़ में उनकी गाड़ी काफिले की पुलिस एस्कॉर्ट जीप से भिड़ी
- सिर में चोट, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जाना हाल

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। दुर्घटना हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास हुआ, जब उनकी एक्सयूवी पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से टकरा गई। गुलाब देवी को सिर व हाथ में चोट आई है। उन्हें तुरंत रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुलाब देवी (70) मंगलवार दोपहर दिल्ली से बिजनौर की ओर जा रही थीं। उनके काफिले में सबसे आगे चल रही एक निजी गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने पर पुलिस जीप को भी तेज ब्रेक लगानी पड़ी। जीप के पीछे चल रही गुलाब देवी की एक्सयूवी, पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी पिछली सीट पर बैठी थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने फोन पर हालचाल लिया। देर शाम गुलाब देवी ने फेसबुक पोस्ट में कहा है कि उनकी स्थिति स्थिर है।

मतदाता सूची में संशोधन पूरी तरह से समावेशी प्रक्रिया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों द्वारा निशाना साधने के बीच मंगलवार को कहा कि यह प्रक्रिया समावेशी है। विपक्ष ने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए चुनाव आयोग पर हमले तेज कर दिए हैं।

उनका कहना है कि इस कवायद से करोड़ों मतदाता मताधिकार से वंचित सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमत हो गया।

भारत के साथ व्यापार समझौते के करीब : ट्रंप

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने उच्च शुल्क निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ाया
- राष्ट्रपति बोले-शुल्क का विवरण देते हुए देशों को भेज रहे पत्र

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता तभी स्वीकार करेगा जब वह राष्ट्रीय हित में होगा।

कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। भारत ने अब तक हस्ताक्षरित अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र के दरवाजे नहीं खोले हैं। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को विभिन्न देशों को 'पत्र' भेजे जिसमें उन देशों के उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है।

अमेरिका को लूट रहे हैं कुछ देश

ट्रंप ने कहा कि हम विभिन्न देशों को पत्र भेजकर बता रहे हैं कि उन्हें कितना शुल्क देना होगा।' बांग्लादेश, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। ट्रंप ने कहा कि ये देश अमेरिका को लूट रहे हैं और हम पर ऐसे शुल्क लगा रहे हैं जो पहले कभी किसी ने नहीं लगाए। कुछ ऐसे देश भी हैं जो 200 प्रतिशत शुल्क लगा रहे हैं और व्यापार को असंभव बना रहे हैं।

एसडीजी इंडेक्स में 29 से 18वें स्थान पर पहुंचा यूपी

वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों में परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ने एसडीजी इंडेक्स में 29वें से 18वें स्थान पर छलांग लगाई है। वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में यूपी परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी में पहुंचा है।

मंगलवार को एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह उपलब्धि केवल स्कोर का मामला नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की पुष्टि है। योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक में वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के सापेक्ष उत्तर प्रदेश की प्रगति की समीक्षा की। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सतत विकास के हर क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018-19 में 42 अंकों के साथ परफॉर्मर श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश ने 2023-24 तक 25 अंकों की वृद्धि के साथ 67 का स्कोर हासिल कर फ्रंट रनर राज्यों की श्रेणी में प्रवेश किया है। 2018-19 में एसडीजी इंडेक्स में 29वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश आज 2023-24 में 18वें स्थान पर आ गया है।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की है पुष्टि

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी राज्य का किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी एक राज्य द्वारा किया गया यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मिशन मोड में लागू किया जाए। ग्राम पंचायतों तक हर योजना की जानकारी पहुंचे और यह सुनिश्चित किया जाए कि अंतिम लाभार्थी तक उसका प्रभाव समय पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति हर विभाग, हर ज़िले और हर पंचायत का साझा दायित्व है।

समय पर और सटीक रूप से संकलित किया जाए डेटा

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि वास्तविक प्रगति का आकलन तभी संभव होगा जब सही डेटा समय पर और सटीक रूप में संकलित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों की एसडीजी प्रोफाइल बनाएं, उसे सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डेटा सिर्फ रिकॉर्ड नहीं है, यह नीतिगत फैसलों की नींव है। गलत या अधूरा डेटा न तो सही स्थिति दर्शाता है और न ही सही योजना को दिशा दे सकता है।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद
अब दुनिया की पहली पसंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरूआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

हाउस ऑफ हिमालयाज
बेहतर गुणवत्ता

हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

ODOP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND
एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ
दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%
स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
अपने आसपास की घटना, आयोजन की सूचना और फोटो हमें भेजें। इसे अखबार में प्रकाशित किया जाएगा।
इमेल
lkocityreporter@amritvichar.com
व्हाट्सएप
8112979390

मौसम

धूप-छांव के बीच बारिश होने की संभावना है।

38.5⁰	29.6⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान

शहर में आज

- कुकरैल स्थित सूगामऊ वन क्षेत्र में पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ- 10:00 बजे।
- नवयुग कन्या महाविद्यालय में पौधरोपण अभियान के तहत पर्यावरण को लेकर विद्यार्थियों को किया जाएगा जागरुक- 10:00 बजे।
- लालबाग स्थित मुख्यालय पर उप्र स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर नगर निगम कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन-10:00 बजे।
- गोमती तट स्थित श्याम मंदिर परिसर में वार्षिक उत्सव पर श्याम अखण्ड पाठ- 11:00 बजे।
- रहमान खेड़ा स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में एक कंपनी द्वारा विकसित एप का उद्घाटन-11:00 बजे।
- चरण प्लाजा हजरतगंज में इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ बारादरी की ओर से सत्र की शुरुआत पर समारोह- 11:00 बजे।
- स्व. बीएन सिंह मूर्ति केडी सिंह स्टेडियम के पास केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर 12 सूत्री मांगों को लेकर सभा- 12:00 बजे।
- लविवि के एसपी सेन हॉल में भारतीय सांस्कृतिक सबद्ध परिषद और लविवि के संयुक्त तत्वावधान में परिषद की ओर से छात्रवृत्ति प्राप्त अंतिम वर्ष उत्तीर्ण छात्रों का उत्सव- 6:00 बजे।

एक नजर

निकाय कर्मचारी आज करेंगे सांकेतिक कार्यबंदी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर प्रदेश भर के निकाय कर्मचारी लम्बित समस्याओं का समाधान न होने के विरोध में सांकेतिक कार्यबंदी करके सरकार का ध्यानाकर्षण कराएंगे। लखनऊ में नगर निगम मुख्यालय के बाहर सुबह 10 बजे से कर्मचारी गेट मीटिंग करके नगर आयुक्त के माध्यम से दोपहर एक बजे मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन देंगे। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि 9 जुलाई को देश भर में किए जा रहे आंदोलन को निकाय कर्मचारी नैतिक समर्थन देंगे।

...और अब वाद्ययंत्र खरीद घोटाले की आंच भातखंडे विवि तक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

गड़बड़झाला

- **उद्यम को ब्याज मुक्त ऋण देने की कोशिश करें, वित्तपोषण से पहले दें प्रशिक्षण : मुख्यमंत्री**
- **जांच समिति को इस बात की जानकारी ही नही कि भातखंडे विवि ने भी खरीदे थे वाद्ययंत्र**

अमृत विचार: वाद्ययंत्र खरीद घोटाले की आंच अब भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय तक पहुंच गई है। संस्कृति निदेशालय के वित्त नियंत्रक ने भातखंडे संस्कृति विवि की कुलसचिव से वाद्ययंत्र क्रय से सम्बंधित पत्रावली तलब की है।

मजे की बात यह कि गठित जांच समिति को इस बात की जानकारी ही नहीं कि भातखंडे विवि ने भी वाद्ययंत्र खरीदे थे। बाजार से अधिक दाम पर वाद्ययंत्र खरीदे जाने के मामले में संस्कृति विभाग के सहायक निदेशक राजेश अहिरवार और उनके वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह को निलंबित किया जा चुका है।

थियेटर एंड फिल्म वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव दबीर सिद्दीकी ने निदेशक संस्कृति को पत्र लिखा था कि जब संस्कृति विभाग द्वारा वाद्ययंत्र खरीद मामले में हुई अनियमितता के लिए सहायक निदेशक और वैयक्तिक सहायक को निलंबित किया गया तो फिर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में हुई वाद्ययंत्र खरीद मामले में इतनी मेहरबानी क्यों है? जबकि दोनों खरीद में संस्कृति विभाग ने ही भुगतान किया।

इस शिकायत के बाद संस्कृति निदेशालय के वित्त नियंत्रक केके पाण्डेय ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलसचिव से वाद्ययंत्र क्रय से सम्बंधित पत्रावली तलब की है।

शिकायती पत्र में कहा गया है कि वाद्ययंत्र खरीद में शासकीय धन के अपव्यय के सम्बन्ध में गठित जांच समिति को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने भी वाद्ययंत्र खरीदे। जबकि विश्वविद्यालय के बजट का शासनादेश संस्कृति विभाग द्वारा ही किया जाता है।

उमस और धूल से आंखें हो रहीं लाल

अस्पतालों की ओपीडी में बढ़े कंजक्टिवाइटिस, सिर दर्द, चिड़चिड़ेपन व अवसाद के मरीज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में पर्चा बनवाने के लिए लगी लाइनें। अमृत विचार

अमृत विचार : तेज धूप और उमस के कारण लोग आंखों में संक्रमण (कंजक्टिवाइटिस) की चपेट में आ रहे हैं। राजधानी के प्रमुख सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में ऐसे करीब 200 मरीज रोजाना पहुंच रहें हैं। मानसिक रोगियों की संख्या भी बढ़ गई है। सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, बेचैनी, अवसाद के लक्षणों वाले मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सक इलाज के साथ बचाव के उपाय के प्रति जागरूक भी कर रहें हैं।

बलरामपुर अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि पहले कंजक्टिवाइटिस से पीड़ित मरीज एक-दो आ रहे थे। अब रोजाना करीब 50 मरीज आ रहे हैं। मरीजों को दवा देने के साथ ही बचाव के तरीके भी बताए जा रहे हैं। इसकी चपेट में स्कूली बच्चे भी हैं। डॉ. संजीव के मुताबिक आंख का लाल होना, चिपचिपा होना, पानी आना और सूजन होना इसके प्रमुख लक्षण हैं। इसके लक्षण नजर आते ही चिकित्सक की सलाह से उपचार कराना चाहिए।

हजरतगंज स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि नेत्र रोग की ओपीडी में एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस से पीड़ित 25-30 मरीज रोजाना आ रहे हैं। सामान्य दिनों की तुलना में यह संख्या काफी ज्यादा है।

लोकबंधु संयुक्त चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय वर्मा ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से आंखों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि हुई है। प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले 100-120 मरीजों में से लगभग 50 मरीज अत्यधिक गर्मी के कारण आंखों की एलर्जी की शिकायत कर रहे हैं। इसके अलावा आरएलबी, बीआरडी महानगर, ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल, रामसागर मिश्र समेत अन्य अस्पताल और सीएचसी-पीएचसी में भी मरीज पहुंच रहे हैं।

कंजक्टिवाइटिस के लक्षण

- आंखें लाल होना या गुलाबी दिखना।
- आंखों में खुजली या जलन होना।
- पानी, अधिक आंसू निकलना।
- आंखों से पानी जैसा या गाढ़ा निकलना।
- किरकिरी या चुभन महसूस होना।
- पलकों में सूजन, पपड़ी जमना।
- प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता

ऐसे करें बचाव

- जब भी बाहर जाएं चश्मा लगाए रहें।
- अपनी तौलिया और कपड़े किसी से शेयर न करें।
- अपनी आंखों को न छुएं।
- हाथों को साबुन से बार-बार धोते रहे।
- हाइजीन मेनटेन रखे।

जब संक्रमण हो जाए तो ये करें उपाय

- ठंडे पानी से दिन में दो बार आंखें धोएं।
- की बताई ड्रॉप्स ही आंखों में डालें।
- किसी भी तरह के चश्मा पहने।
- आंखों को न छुए।

पानी की कमी न होने दें

डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि गर्मी में पसीना अधिक आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। जिससे निर्जलीकरण हो सकता है। निर्जलीकरण से इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है। ये न्यूरोट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। मूड को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। नींद भी प्रभावित हो सकती है। नींद की कमी से चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

- मेडिकल स्टोर संचालकों की बताई दवाएं बिल्कुल न लें।

मानसिक रोग विभाग में भी बढ़ी मरीजों की संख्या

बलरामपुर अस्पताल के मानसिक रोग विभाग की प्रत्येक ओपीडी में 50 से 60 मरीज गर्मी से प्रभावित होकर आ रहे हैं। एक सप्ताह में 250 से अधिक मरीज देखे गए। इन मरीजों में तापमान बढ़ने से सिर दर्द, चक्कर आना,चिड़चिड़ापन, बेचैनी, अवसाद के लक्षणों में वृद्धि देखी गई। अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि गर्मी से मानसिक रोगियों के दिमाग मे अवसाद और चिंता के लक्षण में इजाफा हो सकता है। उन्होंने बताया कि गर्मी में सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे फील-गुड हार्मोन का स्तर कम हो सकता है। तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर भी बढ़ा आ रहा है। इससे मानसिक रोगियों की तबीयत गड़बड़ा सकती है।

एक्सईएन पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : विजिलेंस जांच के आधार पर सीएंडडीएस के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन)पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। अभियंता ने आय से तीन गुना अधिक खर्च किए। उनके लखनऊ, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के मयूर विहार एक्सटेंसन में मकान हैं।

विजिलेंस की लखनऊ शाखा में तैनात इंस्पेक्टर रिजवान अब्बास ने सीएंडडीएस के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। 2017 में शासन के आदेश पर जांच की गई थी। जांच रिपोर्ट जुलाई 2019 में शासन को भेजी गई थी। जांच में पाया गया कि अधिशासी अभियंता सुशील मूलरूप से गाजियाबाद के कल्लूपुरा के रहने वाले हैं। उन्होंने जांच अवधि में वैध स्रोतों से 1,18,60,139 की कमाई की, जबकि उन्होंने इस अवधि में चल-अचल संपत्तियों की खरीददारी व परिवार के भरण पोषण पर 3,38,38,722 रुपये खर्च किए। जांच में पाया गया कि अभियंता ने 2,19,78,583 रुपये आय से अधिक खर्च किए। इस संबंध में पूछताछ करने पर अभियंता न कोई जवाब और न ही कोई साक्ष्य प्रस्तुत कर सके। विजिलेंस टीम इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

पुणे और बेंगलुरु की तर्ज पर विकसित होंगी पार्किंग

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- **सीएम ग्रिड योजना के तहत रोड व पाथ-वे डेवलपमेंट देख वापस लौटे नगर आयुक्त और मुख्य अभियंता ने साझा की जानकारी**

अमृत विचार : पुणे और बेंगलुरु की तर्ज पर राजधानी में पार्किंग विकसित की जाएंगी। इन शहरों में मार्केट एरिया में ही ओपेन पार्किंग की व्यवस्था है। लोगों में जागरूकता है, एक भी ठेला इधर-उधर नहीं दिखता। सीएम ग्रिड योजना के तहत पुणे और बेंगलुरु में रोड और पाथ-वे डेवलपमेंट कार्य देखकर वापस लौटे नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को ये बातें 'अमृत विचार' से साझा कीं।

उन्होंने बताया कि इन शहरों में मॉडर्न सड़कें विकसित की जा रही हैं। यहां सड़कें कम चौड़ी लेकिन पैदल चलने वालों के लिए 12 फुट चौड़े फुटपाथ हैं। लखनऊ में फुटपाथ पर अतिक्रमण हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए बनाये गए इन फुटपाथ पर अतिक्रमण अभियान चलाकर हटाए जाएंगे। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाटर लाइन में फ्लैक्सिबल पाइप का होगा इस्तेमाल

लखनऊ में सीएम ग्रिड योजना के तहत बन रहीं सात सड़कों में वाटर लाइन डालने के लिए फ्लैक्सिबल पाइप का इस्तेमाल किया जाएगा। ये पाइप कहीं से भी मोड़ कर लगाए जा सकते हैं। नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश गौतम ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुणे और बेंगलुरु में इन फ्लैक्सिबल पाइप का प्रयोग किया गया है। इससे वाटर लाइन डालने के लिए सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके अलावा इंटरलाकिंग टाइल्स 60 एमएम थिकनेस की इस्तेमाल की जाएंगी। मुख्य अभियंता ने बताया कि इन शहरों में दूर तक सड़क पर ट्रांसफार्मर नहीं दिखते। मेन रोड पर ही ट्रेनेज भी डाला गया है। सड़क पर बोलार्ड का अधिक प्रयोग किया गया है, जिससे लोग घरों के सामने गाड़ियां खड़ी न कर सकें। सड़क पर रैम्प भी नहीं हैं।

चार और अमृत भारत ट्रेनें चलाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रेलवे बोर्ड ने लखनऊ से चार अमृत भारत ट्रेनें चलाने की तैयारी कर ली है।

ये ट्रेनें गोमतीनगर से दरभंगा, गोमतीनगर से मालदा टाउन, पटना से दिल्ली और सहरसा से अमृतसर के बीच दौड़ेगी। जल्द ही चारों ट्रेनों के संचालन की नोटिफिकेशन जारी होगी। लखनऊ से इस समय दरभंगा के लिए सप्ताह में दो दिन मंगलवार व शुक्रवार को 15558 आनंद विहार-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस दौड़ती है।

स्लीपर और जनरल बोगियों वाली यह ट्रेन 13:50 घंटे में अयोध्या के रास्ते दरभंगा की दूरी तय करती है। रेलवे बोर्ड अमृत भारत ट्रेनों की संख्या में वृद्धि करेगा।

अनंत नगर योजना एलडीए उपाध्यक्ष ने योजना का निरीक्षण कर दिया आदेश

332 भूखंडों के लिए 11 से कराएं पंजीयन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

निरीक्षण के बाद अनंत नगर योजना की जानकारी करते उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार।

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण सावन में अनंत नगर योजना का नया अध्याय शुरू करने जा रहा है। प्राधिकरण आदर्श खंड सेक्टर-6 में 332 भूखंडों का पंजीकरण 11 जुलाई से खोलेगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को योजना का निरीक्षण करके यह आदेश जारी कर दिया।

उपाध्यक्ष ने बताया कि मोहान रोड पर 785 एकड़ में विकसित की जा रही अनंत नगर योजना में लगभग डेढ़ लाख लोगों के आशियाने का सपना साकार होगा। योजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत ग्रिड पैटर्न पर किया जा रहा है।

प्रथम चरण में 334 भूखंडों के लिए 4 अप्रैल से 5 मई के बीच ऑनलाइन पंजीकरण खोला गया था। इसमें 13,031 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराकर प्रतिभाग किया था। 10 जून से 13 जून तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लॉटरी के माध्यम से भूखंड आवंटित किए थे।

इसी तरह अब द्वितीय चरण में आदर्श खंड के शेष 332 भूखंडों के लिए 11 जुलाई से 10 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। द्वितीय चरण में 450 वर्गमीटर के 19, 288 वर्गमीटर के 105, 200 वर्गमीटर के 50, 162 वर्गमीटर के 37 और 112.5 वर्गमीटर क्षेत्रफल के 121 भूखंड के लिए पंजीकरण खोला जा रहा है। आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

चौड़ी होगी कनेक्टिंग रोड

वर्तमान में यूपीसीडा व किसान पथ से योजना को जोड़ने वाली कनेक्टिंग रोड 7 से 10 मीटर ही चौड़ी है, जो कनेक्टिंग रोड का चौड़ीकरण कराकर 24 मीटर रोड विकसित की जाएगी, जिससे भविष्य में आबादी अध्यासित होने पर यातायात में किसी तरह की समस्या नहीं होगी।

ऐसे करें आवेदन

- https://registration.ldalucknow.in
- लॉगइन करके पंजीकरण पुस्तिका खरीदनी होगी
- भूखंड की अनुमानित धनराशि का 5 फीसदी पंजीकरण शुल्क जमा करें

एक नजर

विद्यार्थियों ने किया विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मंगलवार को उप्र. विधानभवन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्ता और उनकी पारदर्शी कार्यशैली पर प्रकाश डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे संविधान के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। छात्र-छात्राओं ने भी विधानसभा कार्यवाही के संचालन, प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक निर्माण की प्रक्रिया तथा विभिन्न समितियों के दायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और कई प्रश्न पूछे।

बीएसए, बीईओ व प्रबंधक समेत 18 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिक्षक नियुक्ति फर्जीवाड़े में शासन के आदेश पर विजिलेंस वाराणसी शाखा की टीम ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2015-16 और 2016-17 सत्र में वाराणसी के विद्यालयों में हुई नियुक्तियों की जांच में सामने आया भ्रष्टाचार

अमृत विचार : पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुई नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया था। इसकी जानकारी होने पर शासन ने वाराणसी के चिह्नित सात पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्ति के जांच का आदेश जारी किये थे। विजिलेंस की वाराणसी शाखा की जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच रिपोर्ट में इस धांधली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रामटहल और विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व कई शिक्षकों की भूमिका पाई गई। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, साजिश रचने, धोखाधड़ी समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विजिलेंस की वाराणसी शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनीता सिंह ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि वाराणसी के सात पूर्व माध्यमिक व जूनियर हाईस्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुए प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, लिपिक पदों पर विधि विरुद्ध नियुक्ति की गई। इसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सात विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाध्यापकों, सहायक शिक्षकों व लिपिकों के खिलाफ जांच की गई। जांच में सामने आया कि बड़े पैमाने पर धांधली की गई है। इसमें चयनित अभ्यर्थियों के स्थान पर अपने करीबी व रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गई है। इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी रामटहल समेत 18 लोग दोषी पाये गये हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई। शासन के आदेश मिलने के बाद वाराणसी विजिलेंस शाखा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

इन विद्यालयों में हुई थीं फर्जी नियुक्तियां

- श्री विश्वकर्मा पूर्व मा. विद्यालय, रौनाखुर्द बेला वाराणसी
- पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन, पाण्डेयपुर वाराणसी
- श्री जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज, बड़ागांव, वाराणसी
- ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाईस्कूल, नई बस्ती पाण्डेयपुर, वाराणसी
- श्री दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, असवारी कुआर बाजार, वाराणसी

इन्हें बनाया गया आरोपी

विजिलेंस की जांच में तत्कालीन बीएसए हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी चिरईगांव अरविंद कुमार यादव, दशाश्वमेध जोन बृजेश कुमार राय, रामटहल, सुबाष गुप्ता, जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज बड़ागांव के प्रधानाचार्य सत्य कुमार त्रिपाठी, प्रबंध समिति के नामित सदस्य ओम प्रकाश चौबे, ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाई स्कूल नई बस्ती पांडेयपुर के प्रधानाध्यापक संजय कुमार जायसवाल, प्रबंधक गणेश यादव, प्रबंध समिति के नामित सदस्य संजय यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर के प्रबंध समिति के नामित सदस्य प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव, दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय असवारी कुआर बाजार के प्रबंधक सभाजीत सिंह, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रौना खुर्द, वाराणसी की सहायक अध्यापिका चित्रा बोस, मंजू कुमार यादव, मीला यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर वाराणसी की प्रधानाध्यापिका शीतला, सहायक अध्यापक राकेश, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय रौनाखुर्द बेला वाराणसी के प्रबंधक काशीनाथ विश्वकर्मा को मामले में आरोपी पाया गया। इन सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

कानपुर के सीएमओ के निलंबन पर कोर्ट की रोक

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), कानपुर डॉ. हरिदत्त नेमी के निलंबन पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने डॉ. नेमी को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के साथ विवाद के बाद निलंबित कर दिया था। न्यायालय ने डॉ. नेमी को अंतरिम राहत देते हुए, राज्य सरकार को चार सप्ताह में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ ने डॉ. नेमी द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याची ने 19 जून 2025 के निलंबन आदेश को उक्त याचिका में चुनौती दी है। याची के अधिवक्ता डॉ. एलपी मिश्रा की दलील थी कि याची को बिना कोई जांच शुरू किए निलंबित कर दिया गया।

होमगार्ड व शिक्षक भर्ती में भी महिलाओं को मिले वरीयता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष पेश हुए डब्ल्यूईई सूचकांक में कई जिले फिसड्डी, दी चेतावनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर
- श्रावस्ती व महोबा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती की तर्ज पर होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को वरीयता देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को डब्ल्यूईई सूचकांक पेश हुआ। इसमें कई जिलों ने जहां प्रगति की, वहीं कई जिले फिसड्डी भी रहे। जिसका संज्ञान लेते हुए योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती, महोबा जैसे जिलों में विशेष अभियान चलाने की हिदायत दी। वहीं, इस सूचकांक में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एक बैठक में महिला आर्थिक सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईई इंडेक्स) की प्रस्तुति की गई। यह सूचकांक योजना विभाग द्वारा उदयती फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि राज्य की योजनाओं और कार्यक्रमों से महिलाओं को कितना लाभ मिल रहा है, इसका सटीक मूल्यांकन किया जा सके और सुधार के लिए दिशा तय की जा सके।

इस सूचकांक में पांच प्रमुख विषयों, उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा और कौशल, आजीविका तथा सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी सुविधाओं के आधार पर प्रदेश के सभी 75 जिलों का मूल्यांकन किया गया है। यह सूचकांक यह बताता है कि किस जिले में महिलाओं को योजनाओं का लाभ मिला और कहां अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सूचकांक मुख्यमंत्री नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाए और सभी संबंधित विभाग इसे नीति निर्माण और निगरानी के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में अपनाएं। प्रत्येक विभाग को निर्देशित किया गया कि वे इस सूचकांक के आधार पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्य योजनाएं बनाएं। जिलों को भी सूचकांक के अनुसार अपनी रणनीति तय करनी होगी ताकि स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रभाव अधिक हो सके।

प्रस्तुति में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं में कुछ जिलों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ जिलों में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। उदाहरण के लिए, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी जैसे जिलों में योजनाओं का लाभ महिलाओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा है, जबकि श्रावस्ती, संभल, महोबा, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता महसूस की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में अभी तक महिलाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है, वहां विशेष प्रयत्न किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि होमगार्ड एवं शिक्षकों की नई भर्तियों में पुलिस भर्ती की तर्ज पर महिलाओं को वरीयता दी जाए। स्वास्थ्य और सेवाक्षेत्र से जुड़ी शिक्षा में महिलाओं को आगे लाने के लिए पैरामेडिकल संस्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सूचकांक केवल रिपोर्ट नहीं इसे कार्य का आधार बनाएं

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे इस सूचकांक को केवल रिपोर्ट मानकर न छोड़ें, बल्कि इसे कार्य का आधार बनाएं और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं यदि योजनाओं की मूल शक्ति बनेंगी, तभी समाज और राज्य की समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सकेगी।

लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

प्रदेश के 18 मंडलों में आज लगाए जाएंगे 37 करोड़ पौधे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक रचेंगे इतिहास
- अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार : राज्य के 18 मंडलों में 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक बुधवार को 37 करोड़ पौधे लगाकर एक नया इतिहास रचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे। जबकि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इससे पहले मंगलवार को नोडल अधिकारियों ने इस महाअभियान की व्यवस्था परखी और वन विभाग के अधिकारियों संग इसे अंतिम रूप भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर प्रदेश में 9 जुलाई बुधवार को एक दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण महाभियान-2025 की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस अभियान के लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी मंत्री जिलों में रहकर पौधरोपण करेंगे।

इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जिलों में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम लगाएंगे। इसके अलावा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री भी विभिन्न जिलों में जाकर पौधरोपण कराएंगे।

नोडल अफसरों की तैनाती

अमृत विचार : पौधरोपण महाभियान को सफल बनाने के लिए शासन से नामित नोडल अधिकारियों की सभी 75 जिलों में मंगलवार से ही तैनाती कर दी गई। इस क्रम में पेयजल मिशन ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर को वाराणसी, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज को प्रयागराज, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद को जौनपुर, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. पिंकी जोवेल को मीरजापुर और सिंचाई विभाग के सचिव जीएस नवीन को आजमगढ़ को नोडल अफसर बनाया गया है। सचिव बेसिक शिक्षा सारिका मोहन को बाराबंकी, सचिव खेल सुहास एलवाई को गोरखपुर, स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा को गोंडा, प्रमुख सचिव सिंचाई व जल संसाधन अनिल गर्ग को अयोध्या, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को लखनऊ, आवास आयुक्त बलकार सिंह को मेरठ, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात को गाजियाबाद तथा प्रमुख सचिव पर्यटन-संस्कृति मुकेश मेश्राम को नोएडा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

यूपी में नागपुर जैसा केंद्र बना रहा आरएसएस

सपा प्रमुख ने जिलों से आए कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आरएसएस उत्तर प्रदेश में नागपुर जैसा केन्द्र बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में झूठ और नफरत फैलाती है। झूठ फैलाकर विरोधियों को बदनाम करती है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को अखिलेश यादव ने कहा कि हर योजना और काम में भ्रष्टाचार और लूट है। यह सरकार भ्रष्टाचार के जरिए पैसा कमाने के लिए बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाती है और अपने लोगों से लूट कराती है। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन इसका जीता जागता उदाहरण है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अपने गुल्लक की धनराशि सौंपते बच्चे।

बच्चों ने सपा प्रमुख को सौंपी गुल्लक की धनराशि

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मंगलवार को गोरखपुर से आयी कक्षा तीन की 8 वर्षीय बालिका रश्मिका यादव और कक्षा 6 के 11वर्षीय बालक राजेश यादव विक्की ने अपने गुल्लकों की पूरी धनराशि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की। अखिलेश यादव ने इन बच्चों की भावनाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व अखिलेश ने सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव का स्मारक बनाने के लिए जनता से सहयोग की अपील की थी।

आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग कर रहे अखिलेश : स्वतंत्र देव

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। स्वतंत्र देव के मुताबिक, सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई।

कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे हो बिजली आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री ने नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

अमृत विचार : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्गों, पांडालों व शिविरों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास 24 घंटे बिजली आपूर्ति की सुनिश्चित की जाए। रात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे रात्रि में यात्रा करते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। ऊर्जा मंत्री मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में नगर विकास व ऊर्जा विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए इन स्थानों पर विद्युत पोल, स्टेवायर व ट्रांसफार्मर में करंट उतरने की समय से जांच कर ली जाए। बीते वर्षों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं से सीख लेते हुए लोगों को सजग व जागरूक करें। सड़क को पार कर रही लाइन के नीचे सुरक्षा तार लगाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइट को ठीक कराया जाए और संपूर्ण मार्ग को गड्ढामुक्त भी किया जाए। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाये गये पांडालों व शिविरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, मोबाइल ट्वायलेट की व्यवस्था, डस्टबिन और नियमित साफ-सफाई व कूड़ा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। कांवड़ मार्गों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था रहे। नियमित रूप से सफाई के लिए कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में सभी निकाय संचारी रोग, मच्छर जनित बीमारियों, डेंगू, चिकनगुनिया के रोकथाम के लिए जरूरी दवाओं का छिड़काव करें, कहीं पर भी जलभराव की शिकायत न हो। बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा नरेंद्र भूषण, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक पंकज कुमार, अपर निदेशक नगरीय निकाय ऋचु सुहास समेत ऊर्जा व नगर विकास के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारी की समीक्षा करते नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश में शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर आकर्षण बढ़ रहा है। बीते पांच वर्षों में अभ्यर्थियों की संख्या में चार गुना बढ़ोतरी हुई है। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना को नई दिशा दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां 19,937 अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 84,418 हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में यह योजना अब राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के रूप में ऑनलाइन पोर्टल से संचालित की जा रही है। इससे ज्यादा युवाओं को उद्योग और सेवा क्षेत्र से जोड़ने में आसानी हो रही है। मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रत्येक शिशिक्षु को प्रतिमाह एक हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। इसके अलावा, भारत सरकार भी उद्योग या अधिष्ठान की ओर से दी जा रही मासिक राशि का 25 प्रतिशत (अधिकतम 1500 रुपये) की प्रतिपूर्ति कर रही है। कुल मिलाकर एक शिशिक्षु को प्रतिमाह न्यूनतम सात हजार रुपये तक की सहायता मिल रही है।

नई बिजली दरों को लेकर आज होगी कानपुर में सुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विद्युत नियामक आयोग प्रदेश में नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर 9 जुलाई को कानुपर में जनसुनवाई करेगा। जनसुनवाई में केस्को के अधिकारियों के साथ ही उपभोक्ता प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की ओर से जनसुनवाई में बिजली दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर सख्त विरोध की तैयारी है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड सरप्लस निकल रहा है। इसके एवज में पहले ही 45 प्रतिशत बिजली दरों में कमी का प्रस्ताव आयोग में दाखिल है। उन्होंने कहा कि पहले बिजली दरों में कमी पर बात होगी। दरों में बढ़ोतरी की तो कोई गुंजाइश ही नहीं है।

परिवहन निगम के चालकों व परिचालकों को मिला बोनस

अमृत विचार, लखनऊ : महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10 हजार रुपये बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपये (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मियों को उनके खातों में भेजी गई। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। मंत्री ने बताया कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने तत्परता से जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

राजकोषीय बचत से अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य होगा तेज

प्रति वर्ष हर जिले में 75-100 अन्नपूर्णा भवनों का होगा निर्माण, दुकान के साथ-साथ सीएससी का भी संचालन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राजकोषीय बचत से अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य तेज होगा। प्रति वर्ष प्रत्येक जिले में 75-100 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जाएगा। भवनों में दुकान के साथ-साथ सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) का भी संचालन होगा। यहां लाभार्थियों के लिए प्रतीक्षा हॉल की व्यवस्था कराई जाएगी।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी, सशक्त और जनोन्मुखी बनाने के लिए राज्य सरकार की ओर से 'अन्नपूर्णा भवन योजना' अब गांव-गांव और शहर-शहर में रंग ला रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाओं और शहरी इलाकों में नगर निकायों की मदद से बनाए जा रहे यह मॉडल उचित दर दुकानें न केवल सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतार रही हैं, बल्कि राशन कार्डधारकों को बेहतर सुविधा, पारदर्शी वितरण और सम्मानजनक वातावरण भी दे रही हैं। अब तक 3,534 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है और लगभग 2,000 भवनों का कार्य निर्माणाधीन है। वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रत्येक जिले में मॉडल के रूप में 75 अन्नपूर्णा भवन बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने व राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के लिए मॉडल उचित दर दुकानों-अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण में गति लाने के लिए राजकोषीय बचत से भी अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अब मनरेगा के अतिरिक्त राज्य वित्त आयोग, सांसद निधि, विधायक निधि, पूर्वांचल विकास निधि, बुंदेलखंड विकास निधि अथवा अन्य किसी राज्य या केंद्र सरकार की योजना, जिसमें इनका निर्माण अनुमन्य है, अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा सकेगा। जहां इन योजनाओं के माध्यम से धनराशि की उपलब्धता नहीं हो सकेगी, वहां खाद्य एवं रसद विभाग की बचत से धनराशि की व्यवस्था की जाएगी।

गुणवत्ता पर विशेष निगरानी

अधिकारियों ने बताया कि भवन निर्माण की जिम्मेदारी स्थानीय कार्यदायी संस्थाओं को दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को और शहरी क्षेत्रों में विकास प्राधिकरण को दी गई है। निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार का सेन्टेज चार्ज अनुमन्य नहीं है। इससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हो गई है।

जनसुविधा के हिसाब से भूमि का चयन

अधिकारियों के अनुसार अन्नपूर्णा भवन के लिए भूमि चयन में सरकारी, पंचायत, सहकारी संस्थाओं या दान में प्राप्त भूमि को प्राथमिकता दी जा रही है। चयन की प्रक्रिया में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जिसमें तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक अभियंता और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शामिल हैं।

राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट करता अमेरिका के मोंटाना राज्य से आया छात्र प्रतिनिधिमंडल।

अमेरिका से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल ने की राज्यपाल से मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ : अमेरिका के मोंटाना राज्य से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल 'मोंटाना वर्ल्ड अफेयर्स काउंसिल' और 'कौंसुलेट जनरल ऑफ इंडिया सिएटल' के संयुक्त तत्वावधान में सांस्कृतिक व शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए भारत यात्रा पर आया है।

इसमें सात हाईस्कूल छात्र व तीन अधिवेक्षक (चैपरोंस) शामिल हैं। इन्होंने मोंटाना स्टेट यूनिवर्सिटी व यूनिवर्सिटी ऑफ मोंटाना मिसूला में आयोजित इकोनोक्वेस्ट-2025 और अकादमिक वर्ल्डक्वेस्ट-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। राज्यपाल से हुई मुलाकात में प्रतिनिधिमंडल ने भारत की सुदृढ़ व समृद्ध शिक्षा व्यवस्था की सराहना की।

एक नजर

श्याम मंदिर का वार्षिक उत्सव आज

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती तट स्थित श्याम मंदिर के वार्षिक उत्सव पर 9 जुलाई को कानपुर के कृष्ण कुमार तुलस्यान ज्योत पाठ वाचन करेंगे, जिसमें 400 से अधिक श्याम भक्त सामूहिक रूप से शामिल होकर पाठ करेंगे। श्याम परिवार के महामंत्री रूपेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह श्याम अखंड ज्योत पाठ से होगी जो शाम तक चलेगी। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम पर मंदिर के अंदर का दरबार शीशे से बनाया जा रहा है। जिसमें श्याम बाबा के आलौकित दर्शन होंगे। श्याम बाबा को भक्त भक्ति भाव से 56 भोग, फल व मेवा का भोग लगाएंगे।

गुरु पूर्णिमा कल, होंगे विभिन्न आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : गुरुपूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन शिष्य गुरुओं की पूजा-अर्चना करते हैं। इस बार गुरु पूर्णिमा गुरुवार को होने से महत्व और बढ़ गया है। गुरु पूर्णिमा को चंद्रमा धनु राशि में रहेंगे। इस दिन इंद्र योग और वैधृति योग का शुभ संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को वेद व्यास के जन्म दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। आषाढ़ पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 10 जुलाई प्रातः 1:40 बजे और समापन 11 जुलाई प्रातः 2:08 बजे होगा। वेद व्यास के पिता ऋषि पराशर और माता सत्यवती थी। इस दिन वेद व्यास, शंकराचार्य, ब्रह्मा जी की विशेष पूजा की जाती है।

रक्षामंत्री के जन्मदिन पर कल चलेगा स्वच्छता अभियान

अमृत विचार,लखनऊ : रक्षामंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के जन्मदिवस 10 जुलाई के उपलक्ष्य में नगर निगम विशेष स्वच्छता अभियान चलाएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल ने समस्त पार्षदों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से सुबह 6 से 8 बजे तक अभियान में भाग लेने की अपील की है। प्रमुख मार्गों, गलियों, नालियों, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, कूड़ा निस्तारण और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

भारत गौरव ट्रेन से करें दक्षिण भारत की सैर

अमृत विचार, लखनऊ : आईआरसीटीसी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से दक्षिण भारत की सैर कराएगा। सैर के लिए यह टूर पैकेज 11 रात और 12 दिन के लिए रहेगा, जो कि 29 अगस्त से शुरू होकर 09 सितंबर को समाप्त होगा। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा के अनुसार योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से उक्त पैकेज टूर के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन तिरुपति बालाजी मंदिर, रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी दर्शन, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग यात्रा के लिए किया जाएगा।

पानी के लिए परेशान महानगर वार्ड के लोगों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- पार्क में बोरिंग का काम रुकने से बढ़ी नाराजगी
- पार्षद ने नगर निगम व जलकल प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

अमृत विचार : महानगर वार्ड के दर्शनगंज, मेहंदी टोला, विष्णुपुरी कॉलोनी, विष्णुपुरी विस्तार, चर्च रोड, दयाल फोर्ट, बाबा की संगत और चर्च एवेन्यू आदि क्षेत्रों में जल संकट गहरा गया है। इन क्षेत्रों के नागरिक बीते 5 वर्षों से जलकल विभाग की लापरवाही से गंदा पानी पीने को मजबूर हैं।

इलाके की बोरिंग पूरी तरह फेल हो चुकी है। समस्या को लेकर क्षेत्रीय निवासियों ने जलकल और नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करके विरोध व्यक्त किया।

स्थानीय पार्षद हरिश्चंद्र लोधी ने बताया कि सार्वजनिक पार्क में नई बोरिंग की जा रही थी लेकिन एक स्थानीय व्यक्ति ने उस भूमि पर स्वामित्व का दावा करते हुए कार्य रुकवाने का प्रयास किया गया। इस बोरिंग से क्षेत्र के लगभग 20,000 लोगों को पेयजल मिलने की आशा है, लेकिन कानूनी उलझनों और व्यक्तिगत हितों के कारण हजारों परिवार इस सुविधा से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन, नगर निगम, जलकल विभाग और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर विवादित स्थल का वैकल्पिक समाधान निकालने और क्षेत्रवासियों को शीघ्र स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

महानगर वार्ड में पानी के लिए पार्षद के साथ प्रदर्शन करते क्षेत्रीय निवासी। अमृत विचार

पार्षद ने टेंडर की निविदा में लगाया अनियमितता का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : महात्मा गांधी-विक्रमादित्य वार्ड के पार्षद अमित चौधरी ने पीएमसी टेंडर की निविदा में अनियमितता का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित पत्र भेजकर प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। पार्षद ने बताया कि नगर निगम ने सफाई में भ्रष्टाचार रोकने के लिए दो प्राइवेट कम्पनियों एलएसए और एलएसजी को शहर की सफाई की जिम्मेदारी दी थी। नगर निगम के अधिकारियों द्वारा इनके ऊपर थर्ड पार्टी जांच के लिए मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (पीएमसी) के लिए टेंडर निकाला जा रहा है। इसके लिए नगर निगम प्रतिमाह 40 लाख रुपये देगा। थर्ड पार्टी जांच के नाम पर जनता के पैसों की बर्बादी की जा रही है।

धरा को हरा-भरा करने के लिए आज लगेंगे लाखों पौधे

नोडल अधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा, दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजधानी की धरा को हरा-भरा करने के लिए बुधवार को वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। जिले के नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विभागों के लक्ष्य और उनकी तैयारी की प्रगति जानी। डीएफओ ने पूरी कार्ययोजना बताई, जबकि विभागों ने अपने-अपने लक्ष्य और स्थलों का ब्योरा दिया। मंगलवार देर शाम तक वन विभाग की नर्सरियों से पौधों का उठान किया जाता रहा।

ग्राम्य विकास विभाग 1566 स्थलों पर 12.39 लाख पौधे लगाएगा। विभाग ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं, समूह की महिलाओं व मनरेगा श्रमिकों की सहभागिता से अभियान सफल करेगा। 14 ग्राम वन, मियावाकी पद्धति के 14 स्थल, अमृत सरोवर, ग्राम पंचायत आदि 1323 स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा। इसके अलावा 243 जमीन ग्रामीणों की हैं जहां भूमि स्वामी विभाग से पौधे लेकर लगाएंगे। उपायुक्त रोजगार श्रम सुशील कुमार सिंह ने बताया कि लोगों की सहभागिता से एक ही दिन में लक्ष्य पूरा करेंगे। ग्रामीणों को जागरूक करके पौधे वितरित किए हैं। अमृत सरोवर में ट्री गार्ड व अन्य स्थलों पर फ्रेंसिंग व सुरक्षा खाई बनाकर पौधों की सुरक्षा की जाएगी।

मॉक ड्रिल के अवसर पर कुलपति व मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी।

2100 पौधे लगाकर बीबीएयू में रिकार्ड बनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में 2100 पौधे लगाकर विश्व रिकार्ड कायम करने की तैयारी है। मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में मॉक ड्रिल की गई। इसमें कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल और मुख्यमंत्री के सलाहकार सेवानिवृत्त आईएएस अवनीश अवस्थी उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि हम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने जा रहे हैं और यह संकल्प अत्यंत सराहनीय है। मॉक ड्रिल में 10-12 विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, बीबीएयू के शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, वन विभाग एवं विभिन्न संस्थानों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, प्रॉक्टर प्रो. एम. पी. सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष भी उपस्थिति रहे। उधर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में भी वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने मंगलवार को संबद्ध संस्थानों के निदेशकों को आनलाइन बैठक में दिशा निर्देश दिए। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी महाविद्यालय में 200 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। अभियान की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने सागौन, आम, नीम, शीशम, इमली, अमरूद आदि के 100 पौधे लगाए। प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि 9 जुलाई को पौधों का भंडारा लगा कर अभियान का समापन किया जाएगा। भंडारे में छात्राओं एवं कालेज में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग के विद्यार्थियों को एक-एक पौधा वितरित किया जाएगा। वह पौधा लगाते हुए सेल्फी भेजेंगे।पर्यावरण को हरा-भरा बनाने की शपथ दिलाई जाएगी। माली कन्हैयालाल के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में नीरज सोनकर, आशीष पाठक, राकेश गुप्ता, गौरांशी पांडे, राजबहादुर, कल्पना मिश्रा,हीरा सिंह, विनय त्रिपाठी, सुरेश वाल्मीकि, होरीलाल, नवल किशोर एवं ओमप्रकाश ने भाग लिया।

अन्य विभाग भी ग्राम पंचायतों पर पौधरोपण करेंगे। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी विशाख जी, मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, नगर आयुक्त गौरव कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को भेजा सात सूत्री ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: आल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन ने कोटेदारों की सात सूत्री समस्याओं का ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा है। इसमें समस्याओं का समाधान न होने पर अगस्त के प्रथम तीन दिन का वितरण रोकने की चेतावनी दी गई है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने बताया कि वर्तमान में जनता से फोन से फीडबैक लिया जा रहा है, जिसमें कोटेदारों के विरोधियों के पास फोन जाने पर उल्टा सीधा जवाब दिया जाता है। कोटेदारों को लाभांश 50 रुपये क्विंटल और बोनी पर 70 रुपये क्विंटल मिलता है, जबकि हरियाणा, गोवा और दिल्ली में 200 रुपये क्विंटल दिया जा रहा है। गुजरात में 20000 रुपये न्यूनतम गारंटी दी जा रही है।

सड़क पर बहता मिला सीवर का पानी विधायक ने फोन कर लगाई फटकार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : सीतापुर रोड स्थित प्रियदर्शिनी कालोनी के सेक्टर डी में सड़क पर बह रहे सीवर की शिकायत मिलने पर विधायक डा. नीरज बोरा मौके पर पहुंचे और जिम्मेदार अधिकारियों को मोबाइल पर खरी खोटी सुनाई।

नाराज विधायक ने कहा कि लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। औचक निरीक्षण की सूचना पर आनन फानन पहुंचे कर्मियों को उन्होंने कालोनी की नालियों की साफ-सफाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जलभराव, सीवर चोक आदि की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाना चाहिए। नालियों और सीवर सफाई, कूड़ा उठान में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण में प्रियदर्शिनी कालोनी सेक्टर डी कल्याण समिति के महामंत्री प्रयास सहगल, पार्षद अवधेश त्रिपाठी, मण्डल अध्यक्ष चन्द्रशेखर गुप्ता, जलकल अभियन्ता आशुतोष कुमार, सुएज के परियोजना प्रबंधक धर्मेन्द्र भारती, संजीव शाही आदि उपस्थित रहे।

प्रियदर्शिनी कालोनी में निरीक्षण करते विधायक डॉ. नीरज बोरा। अमृत विचार

संतोष अध्यक्ष और शिव बने वरिष्ठ महामंत्री

कैटरिंग एवं डेकोरेशन व्यापार मण्डल की लखनऊ इकाई का गठन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में सर्वोदय नगर स्थित गेस्ट हाउस में राजधानी के टेन्ट, कैटरिंग एवं डेकोरेशन क्षेत्र के व्यापारियों की बैठक हुई। इसमें संगठन की लखनऊ नगर इकाई का सर्वसम्मति से गठन किया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि संगठन टेंट कैटरिंग एवं डेकोरेशन व्यापारियों की समस्याओं का प्रमुखता से समाधान कराएगा। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक होने वाले कार्यक्रमों में टेंट एवं कैटरिंग व्यवसायियों की उपयोगिता रहती है। लखनऊ इकाई में राघवेन्द्र चौधरी को चेयरमैन, जितेन्द्र चौरसिया को चेयरमैन, संतोष गुप्ता को अध्यक्ष, शिव बहादुर सिंह को वरिष्ठ महामंत्री, प्रताप सिंह, नासिर इकबाल, पिन्टू गोपाल, दीपिका अग्रवाल को महामंत्री, आशीष अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, संजीव सिंह, अजय श्रीवास्तव, मन्ना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय कुमार, जितेन्द्र कुमार, वीरु साहू, वीरेंद्र साहू, अविनाश राठौर को उपाध्यक्ष, किशोर जयसवाल, कुमारी दिव्या गुप्ता, आयुष पाण्डेय, अनुराग साहू, सलीम खान, अंकुश मिश्रा को संगठन मंत्री, सिद्धार्थ सिंह, नौशाद अख्तर, बच्चे कुमार मुन्ना पंडित को मंत्री और तालिब नौशा को प्रचार मंत्री बनाया गया है। बैठक में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह और ट्रांसगोमती अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ कैटरिंग एवं डेकोरेशन व्यापार मंडल लखनऊ इकाई के पदाधिकारी। अमृत विचार

प्रदेश अध्यक्ष वीर पाल सिंह भदौरिया का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

वीर पाल बने अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज के प्रदेश अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज की मंगलवार को हुई बैठक में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन मुख्यालय प्रभारी वीर पाल सिंह भदौरिया को प्रदेश अध्यक्ष अवध बनाया गया। भदौरिया ने कहा कि अवध प्रदेश में किसी भी जिले में जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष तहसील अध्यक्ष नहीं रहने से संगठन शून्य हो गया था। मैं तीन महीने में संगठन को हर जिलों में मजबूत बनाने का संकल्प लेता हूं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अवध अमरेन्द्र सिंह परमार को राष्ट्रीय संगठन में नयी जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर आयोजित प्रेसवार्ता में वीर पाल सिंह भदौरिया ने कहा कि अवध प्रदेश में किसी भी जिले में जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष तहसील, अध्यक्ष नहीं रहने से संगठन शून्य हो गया है। वह तीन महीने में संगठन को हर जिलों में मजबूत बनाएंगे।

कर्बला के शहीदों के गम में कहीं यौमे अब्बास तो कहीं यौमे जैनब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत के तीसरे दिन उनका तीजा मनाया गया। इमाम के तीजे पर लोगों ने अपने घरों पर नज्र दी। इमामबाड़ा गुफरानमआब में यौम-ए-अब्बास मनाया गया। मौलाना कल्बे जवाद ने यौम-ए-अब्बास की मजलिस को खिताब किया।

टिकैत राय तालाब स्थित रौजा-ए-जैनबिया में इदारा-ए-सानिये जहरा ने यौम-ए-जैनब का आयोजन किया। इमाम के तीजे पर यहां काफिला बनी असद का मंजर पेश किया गया। बाद में यहां अंजुमनों ने नौहाख्वानी व सीनाजनी की। कश्मीरी मोहल्ला स्थित इमामबाड़ा सरकारे हुसैनी में आग पर मातम किया गया। आग पर मातम से पहले मौलाना शहाब हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। एलएच खान मैदान स्थित मस्जिद मासूमिया में हुई मजलिस को मौलाना तकी रजा ने ख़िताब किया। मजलिस के बाद 18 ताबूतों की जियारत कराई गई। हजरत लि असगर का झूला और जुलजनाह की जियारत भी अजादारों ने की। अंजुमन अलमदारे हैदरी की ओर से हुसैनाबाद स्थित रईस मंजिल के लंगरखाना में हुई मजलिस को मौलाना अकील अब्बास मारूफी ने खिताब किया। मजलिस के बाद गहवारा-ए-अली असगर, अलम, ताबूत और जुलजनाह की जियारत कराई गई।

छोटे इमामबाड़े में मजलिसें आज से

कर्बला के शहीदों की याद में 9 जुलाई से छोटे इमामबाड़े में 5 दिवसीय मजलिसों का आयोजन किया जाएगा। इन मजलिसों को मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी, मौलाना शाहिद जमाल, मौलाना जावेद अब्बास मुस्तफ़ावी, गुलाम रजा जाफरी और मौलाना मोहम्मद मिया आब्दी कुम्मी खिताब करेंगे। यह मजलिसें रोजाना रात 9 बजे से होंगी।

एफएसडीए ने 132 बोतल एक्सपायर्ड फैंटा कराईं नष्ट

अमृत विचार, लखनऊ : सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान आमजन व श्रद्धालुओं को शुद्ध खान-पान उपलब्ध कराने के लिए एफएसडीए टीम ने मंगलवार को अयोध्या-लखनऊ रोड, मोहनलालगंज से अयोध्या रोड, राजाजीपुरम और कुर्सी रोड के भिटौली खुर्द और तेलीबाग स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की। गुलजार कॉलोनी चिनहट स्थित ब्लॉसम कूल कॉर्नर पर मिलीं 132 बोतल एक्सपायर्ड फैंटा मौके पर नष्ट कराई। आनंद विहार कॉलोनी चिनहट स्थित बप्पा श्री रेस्टोरेंट में कई अनियमितताएं मिलीं। यहां 8 पैकेट गजक, 3 पैकेट नूडल्स, 3 बोतल रेड चिली सॉस, 5 किलो कॉन्टिनेंटल सॉस, 6 पैकेट मठरी और 8 पैकेट मेयोनीज एक्सपायर्ड पाए गए। इन सभी खाद्य सामग्रियों को मौके पर नष्ट कर दिया गया।

The Ano-Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula) एवं गुदाद्वार में होने वाली अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ

www.anorectalclinic.com | 7388913338, 8005423919

आयोजन | साहित्यिक संस्था काव्य कला संगम ने जयंती पर किया कार्यक्रम

पांच रचनाकारों को मिला आचार्य रामदेव लाल विभोर सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: साहित्यिक संस्था काव्य कला संगम ने आचार्य रामदेव लाल विभोर की 89वीं जयंती मंगलवार को उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें विभोर स्मारिका का लोकार्पण और पांच वरिष्ठ रचनाकारों को आचार्य रामदेव लाल विभोर स्मृति सम्मान से सम्मानित भी किया गया।

जयंती समारोह की अध्यक्षता कर रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि विभोर ने प्रासंगिक विपुल साहित्य की सर्जना की और लक्षण ग्रंथ भी लिखे। वह आचार्य कवि की कोटि में आने वाले मनीषी हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरक और मार्ग दर्शक है। मुख्य अतिथि डॉ. राम कठिन सिंह ने कहा कि अप्रतिम साहित्यिक प्रतिभा के धनी रामदेव लाल विभोर एक उच्च कोटि के कवि तो थे। उनका छन्दबद्ध कविता के महत्व को समझाने के लिए छन्द-विधान पर शोधपूर्ण कार्य अद्वितीय है।

विशिष्ट अतिथि साहित्य भूषण मधुकर अष्ठाना ने एक मुक्तक प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिये तो ऐसे कि फूलों के साथ नाम रहा, हमारे दिल में बसे आप खुशबुओं की तरह, रहे तो वक़्त के सीने पे दस्तखत कर के दिखाई दूर से देते हैं गुम्बदों की तरह। हिन्दी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे ने कहा कि रामदेव लाल विभोर का जीवन और उनका रचनाकर्म निश्चित रूप से विभोर करने वाला है। उनकी महत्वपूर्ण कृतियां विशेषकर नीम की छांव, छन्द-विधान एवं ग़ज़ल ज्ञान साहित्य जगत की धरोहर हैं।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. गोपालकृष्ण शर्मा मृदुल ने समारोह में उपस्थित साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि विभोर जी में कवि और आचार्य का दुर्लभ मणि-कांचन संयोग था। मुंबई से आमंत्रित मुरलीधर पाण्डेय, बाराबंकी के रामकिशोर तिवारी, उमेश चन्द्र दुबे, अवधेश गुप्त नमन और डॉ. सुष्मा विप्लव सौम्या को सम्मानित किया गया। समारोह में रामदेव लाल विभोर के पुत्र संस्था के महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, बृजेश कुमार श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव और विकास कुमार श्रीवास्तव सपरिवार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन आवारा नवीन और नवीन शुक्ल नवीन ने किया।

विभोर पत्रिका का लोकार्पण करते मुख्य अतिथि डॉ राम कठिन सिंह, डॉ .अमिता दुबे व अन्य।

एक नजर

दामाद व दोस्त संग पी शराब फिर लगाया गैंगरेप का आरोप

अमृत विचार, निगोहां : सिलेंडर में गैस भरवाने निकली महिला चोटिल हालत में निगोहां थाने पहुंची। पुलिस से बताया कि रिश्ते के दामाद और परिचित किशोर ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया है। बयान में विरोधाभास व मुंह से दुर्गंध आने पर पुलिस को कुछ शक हुआ। पुलिस ने तहरीर देकर जांच की तो मामला गलत निकला। सख्ती से पूछताछ की तो सामने आया कि पहले उसने दोनों आरोपियों संग शराब पी। फिर मारपीट होने पर थाने में सामूहिक दुष्कर्म का रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंच गई। पुलिस ने तीनों पर मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली। एसओ अनुज तिवारी ने बताया कि महिला के रिश्ते में दामाद व किशोर पर शांतिभंग में कार्रवाई की गई है।

अलीगंज में पांच साल से फरार ठग गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसीपी अलीगंज धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि त्रिवेणीनगर निवासी सौरभ सिंह ने 9 मार्च 2021 को अलीगंज थाने में कोर्ट के आदेश पर जितेंद्र, संतोष व श्रवण कुमार के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर करीब 29 लाख रुपये की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपियों ने नौकरी और रायबरेली के लालगंज में मार्डन रेल कोच फैक्ट्री का टेंडर दिलाने के नाम पर उनके साथ और बस्ती निवासी श्रवण कुमार त्रिपाठी से रुपये ऐंठने के बाद जाली नियुक्ति पत्र थमा दिया था। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को पूर्व में जेल भेजा था, जबकि चौथा आरोपी श्रवण कुमार त्रिपाठी निवासी कप्तानगंज बस्ती फरार चल रहा था। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी गोमतीनगर स्थित विशेषखंड इलाके में मौजूद हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी श्रवण को दबोच लिया।

सड़क हादसों में जीजा-साले समेत चार की मौत

फन मॉल के सामने कार ने मैनेजर को रौंदा, मलिहाबाद के माल में अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की गई जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कृष्णानगर स्थित पकरी पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साले की मौत हो गयी। वहीं, गोमतीनगर में सड़क पार कर रहे फन मॉल में कंप्यूटर सेक्शन में तैनात मैनेजर को कार ने रौंद दिया। घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उधर, माल में अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गयी।

मूल रूप से हरदोई के कछौना निवासी शिव प्रसाद (58) आशियाना स्थित नहरिया के पास रहकर सब्जी की दुकान लगाते हैं। जबकि उनका साला राजेश (40) पारा के शुभ सिटी में रहकर राजगीर मिस्त्री का काम करते थे। साले प्रमोद ने बताया कि सोमवार रात 11 बजे जीजा राजेश बिना हेल्मेट बाइक से शिव प्रसाद को छोड़ने आशियाना जा रहे थे। कृष्णानगर स्थित पकरी पुल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां जीजा राजेश को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया । जबकि शिव प्रसाद की इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर मौत हो गई। शिव प्रसाद के परिवार में पत्नी कमला व तीन बेटे और एक बेटी है। वहीं, राजेश के परिवार में पत्नी मनोजा और चार बच्चे हैं। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

वहीं, इंदिरानगर सेक्टर-9 निवासी बृज किशोर त्रिपाठी (50) फन मॉल के कंप्यूटर सेक्शन में मैनेजर थे। भाई गौरव ने बताया कि बृज किशोर सोमवार रात 11:00 बजे मॉल से निकल कर सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान बेकाबू कार की टक्कर से बृज किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। परिवार में पत्नी नीतू व दो बेटियां हैं। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मृतक के पिता योगेश त्रिपाठी दरोगा पद से रिटायर्ड हैं।

उधर, माल स्थित रुदान खेड़ा पुलिया के पास सोमवार देर रात बाग से घर वापस जा रहे माल कस्बा के चिकवन टोला निवासी रामप्रसाद (55) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रामप्रसाद को पुलिस ने सीएचसी माल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि मृतक के परिवार में पत्नी गुड़िया और चार बच्चे गुलशन, अमन, कोमल व सृष्टि (14) हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घोड़े से टकराकर पलटी बाइक डॉक्टर की मौत, बेटा घायल

संवाददाता, मलिहाबाद

- ढाबे पर खाना खाकर लौटते समय हुआ हादसा
- हादसे में घोड़े की भी हो गई मौत

नवल

अमृत विचार: रहीमाबाद स्थित ढाबे पर सोमवार देर रात खाना खाकर लौट रहे बाइक सवार डॉक्टर व बेटा सड़क पर अचानक आए घोड़े से टकरा गए। रफ्तार अधिक होने के चलते बाइक पलट गई। हादसे में डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि बेटा घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा। वहां उसकी भी हालत नाजुक बनी हुई है। टक्कर से घोड़े की भी मौत हो गई।

तेरवा निवासी डॉ. नवल किशोर (52) लोधई में अपना क्लीनिक चलाते थे। नवल ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी नंदनी गौतम से चार बेटी व एक बेटा है। वहीं, दूसरी पत्नी ममता से बेटा करन है। बेटा करन रहीमाबाद के सर्वोदय बाल विद्या मंदिर में कक्षा-8 का छात्र है। सोमवार रात नवल किशोर 14 साल के बेटे करन के साथ मोटरसाइकिल से गढ़ी जिंदौर स्थित ढाबे पर खाना खाने गए थे। देर रात करीब 12 बजे पिता-पुत्र खाना खाकर लौट रहे थे। नवल बिना हेल्मेट लगाए बाइक चला रहे थे। हरदोई रोड पर गढ़ी जिंदौर के पास बाइक के सामने अचानक एक घोड़ा आ गया। जब तक वह ब्रेक मारते अनियंत्रित बाइक घोड़े से टकराकर पलट गई।

नवल और बेटा करन उछलकर सड़क पर बाइक समेत गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए। राहगीरों की सूचना पर इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद कुमार द्विवेदी मौके पर पहुंचे। घायल पिता-पुत्र को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने नवल किशोर को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बेटे करन की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर भेज दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटनास्थल पर हेल्मेट नहीं मिला है। अगर नवल ने हेल्मेट लगाया होता तो शायद जान बच सकती थी।

पिकअप चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर के माती में सोमवार को पिकअप की टक्कर से मजदूर जयचंद रावत (40) की मौत के मामले में मंगलवार को परिजन ने अस्पताल रोड पर आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। नाराज परिजन ने जाम लगाकर नारेबाजी की। पुलिस कर्मियों के आश्वासन पर परिजन शांत हुए। प्रदर्शन के चलते करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर आवागमन बाधित रहा। माती गांव निवासी मजदूर जयचंद रावत (40) सोमवार को साथियों के साथ बाइक से समोसा लेने जा रहे थे। माती स्थित आशीष हार्डवेयर के पास बेकाबू पिकअप जयचंद को कुचलते हुए निकल गयी थी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। एक दिन बाद भी आरोपी पिकअप चालक का कुछ पता न चल पाने से नाराज परिजन ने ग्रामीणों के साथ मिलकर मंगलवार सुबह 10 बजे माती में अस्पताल जाने वाली सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरु कर दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। इंस्पेक्टर बिजनौर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ट्रेजरी बाबू बन भेजा लिंक, रिटायर्ड दरोगा के खाते से उड़ाए 4.61 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पेंशन का झांसा देकर फंसाया, पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज
- हजरतगंज में सिपाही के खाते से निकले 65 हजार

अमृत विचार: ट्रेजरी कार्यालय का बाबू बनकर साइबर जालसाज ने रिटायर्ड दरोगा के खाते से 4.61 लाख रुपये उड़ा लिए। वहीं, पुलिस मुख्यालय में तैनात सिपाही के खाते से जालसाज ने 65 हजार रुपये गायब कर दिए। पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस दोनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

साउथ सिटी के रत्नाकर खंड निवासी ज्ञानेंद्र कुमार शुक्ल बलरामपुर जिले से 31 मई को उपनिरीक्षक पद से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया कि 5 जुलाई को एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने खुद को ट्रेजरी से अखिलेश श्रीवास्तव बताया। कहा कि आपकी पेंशन ट्रेजरी से बननी है। एक लिंक भेजा है। उसे डाउनलोड कर जानकारी भरकर भेज दीजिए, ताकि पेंशन बन सके। जाल में फंसे ज्ञानेंद्र ने लिंक ओपन कर जानकारी भरकर भेज दी। जिसके बाद जालसाज ने उनके खाते से 4.61 लाख रुपये पार कर दिए। बैंक और साइबर सेल में सूचना देने के बाद पीड़ित ने पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

वहीं, पुलिस लाइन में रहने वाला सिपाही अजय कुमार पीएचक्यू में तैनात है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई की दोपहर फेसबुक मैसेंजर पर पंकज भाई के नाम से मैसेज आया। लिखा था कि मैं मलेशिया में हूं। अपना एकाउंट नंबर दो, उसपर छह लाख भेज रहा हूं। वापस लौटूंगा तो ले लूंगा। परिचित होने के नाते अजय ने एकाउंट नंबर भेज दिया। फिर कहा कि पासपोर्ट ब्लॉक हो गया है। एक नंबर भेजा है, अनब्लॉक कराने के लिए एजेंट से बात कर लो। पीड़ित ने दिए गए नंबर पर संपर्क तो जालसाज ने अनब्लॉक कराने का झांसा देकर चार बार में 65 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

मत्स्य व्यापारी से 2.50 लाख ठगे

अमृत विचार, आशियाना : सेक्टर-आई के रहने वाले शेषनाथ सिंह एक निजी तालाब में मछली पालन का कारोबार करते हैं। उन्होंने 2023 में अपने कारोबार से जुड़ा एक फेसबुक पेज भी बनाया था। जिसमें वे व्यापार से जुड़ी जानकारियां साझा करते रहते थे। कुछ दिनों पहले कोलकाता के नदेरी के रहने वाले बिकास और बंगाली ने उनसे संपर्क किया। उसके बाद मछली के बच्चे भेजने के नाम पर अपनी फर्म पर 2.50 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। डिलीवरी न मिलने पर पीड़ित शेषनाथ सिंह ने संपर्क किया तो आरोपियों ने टालमटोल की। शक होने पर पीड़ित शेषनाथ सिंह ने छानबीन की तो ठगी का पता चला। पीड़ित ने एसीपी साइबर क्राइम से की। निर्देश पर आशियाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

परीक्षार्थियों का सामान उड़ाने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

संवाददाता, आलमबाग

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी।

- मोबाइल, जेवर, डेबिट कार्ड, करीब एक हजार रुपये व घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद

अमृत विचार: परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की स्कूटी व बाइक की डिग्गी से जेवर, नकदी, मोबाइल व अन्य कीमती सामान चुराने वाले गिरोह के सरगना समेत तीन आरोपियों को कृष्णानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल, जेवर, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, करीब एक हजार रुपये व घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सैयद सैफ निवासी टिकैतराय तालाब कॉलोनी बाजारखाला, मयंक सोनकर निवासी राजा होटल वाली गली अमीनाबाद और राजाजीपुरम के एलडीए कॉलोनी निवासी रूपेश यादव है। डीसीपी ने बताया कि सोमवार को अमेठी के मुसाफिरखाना निवासी मो. वैश ने कृष्णानगर कोतवाली में चोरी धोखाधड़ी व चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि वह बीते शुक्रवार को कृष्णानगर के भोलाखेड़ा स्थित पवन ऑनलाइन सोल्यूशन परीक्षा केंद्र आए थे। केंद्र से बाहर निकलने पर उन्हें अपनी स्कूटी में रखा मोबाइल और दो एटीएम कार्ड गायब मिला। इसके कुछ देर बाद उनके कार्ड से 1.30 लाख रुपये खाते से निकल गए।

इसी तरह सुशांत गोल्फ सिटी निवासी परीक्षार्थी प्रियंका शुक्ला ने भी 11 जून को स्कूटी से जेवर व अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये तीनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि आरोपी सैयद गिरोह का सरगना है। उस पर लखनऊ, बाराबंकी व प्रयागराज में करीब दस मामले दर्ज हैं। आरोपी मयंक मोबाइल रिपेयरिंग और रुपेश एक निजी कंपनी में नौकरी करता है।

स्कूटी चिन्हित कर मास्टर की से खोलते थे डिग्गी

आरोपी सैयद सैफ ने पूछताछ में कबूला कि वह परीक्षा केंद्रों के बाहर पहले से खड़े होकर स्कूटी चिह्नित करते है। परीक्षार्थी के केंद्र में जाते ही वे मास्टर-की से स्कूटी डिग्गी खोलकर उसमें रखा सामान चोरी कर लेते थे। आरोपी ने बताया कि मो. वैश की स्कूटी से मिले डेबिट कार्ड से रकम निकाल कर साथी मयंक के आरबीएल बैंक क्रेडिट कार्ड का भुगतान किया था। जबकि कुछ रकम की खरीदारी की थी।

शेयर ट्रेडिंग में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर ठगे 1.26 करोड़

अमृत विचार, लखनऊ: सुशांत गोल्फ सिटी के सेलेब्रिटी ग्रींस निवासी कारोबारी कुलदीप राज गुप्ता ने बताया कि 24 जून को दो कॉल आयी। फोनकर्ता ने उज्जैन व राजकोट निवासी बताकर शेयर ट्रेडिंग की सलाह दी। आश्वासन दिया कि मुनाफे पर 20 प्रतिशत कमीशन देना होगा। बातों में फंसाकर जालसाज ने आधार कार्ड, पैन कार्ड की कॉपी लेकर 24 जून से 2 जुलाई के बीच 10 बार में 73,65,009 रुपये ट्रांसफर कर लिए। एप एकाउंट में मुनाफा देख पीड़ित ने रुपये मांगे तो टालमटोल कर धमकाया।

वहीं, बीकेटी के चंद्रिका विहार कॉलोनी फेज-3 निवासी रंजू कुशवाहा ने बताया कि 20 मई को पति मनोज कुमार को व्हाट्सएप पर वीआईपी ए7 इंडियन स्टॉक मार्केट फ्रंटियर ग्रुप पर जोड़ा गया। जिसके बाद उनकी ग्रुप पर अनवी, अरफी सिंह और जय कुमार वर्मा से बात होने लगी। फिर लिंक भेजकर अमंसा ग्रुप सर्विस डिपार्टमेंट एप डाउनलोड करायी गयी। उसके बाद शेयर और आईपीओ के नाम पर कई बार में 52.45 लाख रुपये जमा करा लिए। पीड़ित ने बताया कि आईपीओ व शेयर बेचने पर अमंसा एप एकाउंट में मुनाफा एक करोड़ दिखने लगा तो उन्होंने रुपये निकालने का प्रयास किया। इसपर उनसे 20 प्रतिशत टैक्स मांगा। रंजू ने बताया कि 6 लाख टैक्स जमा करने के बाद उनके खाते को ब्लॉक कर ग्रुप से हटा दिया गया। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता रंजू ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सार-संक्षेप

लैपटॉप व मोबाइल चोरी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में एक घर में घुसे चोर ने मोबाइल व लैपटॉप पार कर दिया। घटना के समय मकान मालिक सो रहा था। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मथुरा के दुर्गा विहार कालोनी निवासी सौरव सिंह गोकुल विहार कालोनी स्थित विहान हॉस्टल में रहते है। सौरव के मुताबिक 30 जून की सुबह उनका मोबाइल व लैपटॉप चोरी हो गया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

कार को बचाने में पेट्रोल से भरा टैंकर पलटा

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ पर कार को बचाने में पेट्रोल से भरा टैंकर रेलिंग तोड़ते हुए नाले में पलट गया। हादसा दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास सोमवार को हुआ। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। टैंकर को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकालना पड़ा। टैंकर चालक बाराबंकी निवासी कुलदीप ने बताया कि वह टैंकर लेकर अयोध्या जा रहा था। शहीद पथ पर एक कार ओवर टेक करने आगे आ गई जिसे बचाने के चक्कर मे टैंकर बेकाबू होकर पलट गया।

मामा की डांट से क्षुब्ध किशोरी ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : सी-ब्लॉक निवासी मामा सलामत हुसैन ने बताया कि मूल रूप से बाराबंकी के फतेहपुर मोहम्मदपुर खाला निवासी आसमा गांव के किसी युवक से बात करती थी। इस कारण किसान पिता मोहम्मद अयूब ने बेटी को 15 दिन पहले साले सलामत के घर भेज दिया था। सलामत ने कहा कि सोमवार सुबह भांजी आसमा मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। यह देख उन्होंने भांजी को डांट दिया और उससे मोबाइल छीन लिया था। उन्होंने आसमा के भाई वसीम को कॉल कर उसे घर से ले जाने की बात कही थी। इस बात से आसमा परेशान हो गयी थी। सलामत के काम पर जाने के कुछ देर जब मामी आंगन में पहुंची तो आसमा जीने में लगी सरिया से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। मामी ने घटना की जानकारी पति सलामत को दी और पड़ोसियों की मदद से आसमा को लोहिया अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हत्या के मामले में सजा काटकर आई वृद्धा ने की आत्महत्या

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के अमोल कल्ली पश्चिम में मंगलवार सुबह 5 बजे हत्या के मामले में सजा काटकर आयी 70 वर्षीय वृद्धा का शव पेड़ से लटका मिला। इलाके में झोपड़पट्टी में माइका पति रामा के साथ रहती थी। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि माइका सोमवार रात लगभग 11 बजे खाना खा कर घर से निकली थी। पति रामा झोपड़ी में था। मंगलवार सुबह 5 बजे घर से कुछ दूरी स्थित एक बरगद के पेड़ से रस्सी के सहारे माइका का शव लटका मिला। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल की। पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया माइका और उसका पति रामा एक अन्य के साथ गांव के ही रहने वाले एक शख्स की हत्या के मामले में 12 वर्ष से अधिक सजा काटकर कुछ वर्षों पहले ही जेल से बाहर आए थे। मृतका के तीन बेटे थे। जिसमें दो बेटों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि पति से कहासुनी के बाद माइका ने ऐसा कदम उठाया।

पूर्व पार्षद के कार्यालय में चोरी, 15 लाख रुपये व रिवॉल्वर गायब

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर के चांदन इलाके में रहने वाले पूर्व पार्षद अनवर अली का क्षेत्र में ही कार्यालय है। सोमवार देर रात कार्यालय की खिड़की में लगा विंडो एसी हटा कर चोर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद आलमारी में रखी लाइसेंसी रिवॉल्वर और 15 लाख पर हाथ साफ कर फरार हो गए। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने एसी जमीन पर रखा देखा तो अनवर अली को सूचना दी। डॉयल-112 पर खबर मिलते ही इंदिरानगर पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं, काकोरी के घुरघुरी तालाब निवासी शीला 7 जुलाई को घर के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर अपने पैतृक गांव उन्नाव के पाया खेड़ा गई थी। मंगलवार को वापस लौटी तो ताला टूटा मिला। भीतर गयी तो सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था अलमारी का लॉकर तोड़कर चोर दो सोने की चेन, सोने की झुमकी, सोने का मंगलसूत्र, लाकेट, एक जोड़ी पायल और करीब डेढ़ लाख रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आम बीनने गए युवक को नकाबपोश बदमाशों ने मारी गोली

आकाश यादव

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के मौदा गांव में मंगलवार शाम बाग में आम बीनने गए युवक को बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दी। मौदा गांव निवासी आकाश यादव उर्फ आर्यन (30) ने गांव के ही कल्लू राजपूत की आम बाग की फसल दो साल के लिए 1.20 लाख रुपये में खरीदा था। मंगलवार शाम आकाश बाग में आम बीनने के लिए गया था। पार्टनर बुजुर्ग दीवान ने बताया कि करीब पांच बजे बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। जब तक वे लोग कुछ समझ पाते, पीछे बैठे बदमाश ने आकाश उर्फ आर्यन पर फायर कर दिया। बाएं कंधे पर गोली लगने से आकाश जमीन पर गिर गया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। ग्रामीणों में चर्चा है कि आकाश ने फसल खरीदने के लिए दुबग्गा मंडी के आढ़ती अमरनाथ से एक लाख बीस हजार रुपये 2024 में इस शर्त पर लिए थे कि फसल टूटने के बाद अमरनाथ की ही आढ़त पर आम लेकर जाएंगे। छानबीन में पता चला कि आकाश ने कई लोगों से करीब 15 लाख रुपये कर्ज ले रखा है। लिहाजा रुपयों के लेनदेन व रंजिश के बिंदु पर जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर सतीश कुमार राठौर ने बताया कि शाम सात बजे लोकबंधु अस्पताल से सूचना मिलने के बाद वे मौके पर गए थे। मामले में अभी तक कोई तहरीर परिजन ने नहीं दी है।

किसान का अपहरण कर फिरौती मांगने वाला एक और गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि आरोपी बलराम को रहीमाबाद कैथूलिया मोड से पकड़ा गया। आरोपी माल के ग्राम रामपुर बांझी का रहने वाला है। इंस्पेक्टर ने बताया कि उन्नाव निवासी सुरेंद्र यादव की ससुराल गहदो में है। ससुराल से ही कार सवार साढू उमेश ने साथियों राकेश, रामगोपाल, वीरपाल और बलराम ने सुरेंद्र यादव ने अगवा कर लिया था। अपहृत के भाई संतोष कुमार ने अपहण कर फिरौती मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुरेंद्र के दोस्त नेकपाल के फोन पर अपहर्ताओं ने फिरौती मांगी थी। पुलिस आरोपी साढू उमेश को पूर्व में जेल भेज चुकी है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, तीन बाइकें बरामद : आइस्क्रीम विक्रेता बनकर बाइकें उड़ाने वाले दो वाहन चोरों को अलीगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की तीन बाइकें बरामद की हैं। एसीपी अलीगंज धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि पक्का पुल की तरफ से जा रहे बाइक सवार दो युवकों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम आशु राजपूत और सुमित उर्फ सत्या निवासी ग्राम सिसेंडी मोहनलालगंज बताया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो और बाइकें बरामद की।

अस्पताल से छुट्टी मिलते ही दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 जून को पीड़िता के पिता ने दर्ज कराई थी गाजीपुर थाने में रिपोर्ट

अमृत विचार: सर्वोदयनगर इलाके में किशोरी को घर बुलाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी देवकरन सिंह को गाजीपुर पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी मूल रूप से कौडिया का रहने वाला है।

पीड़िता के पिता ने 19 जून को देवकरन के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि 18 जून की देर रात खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए थे। 19 जून की तड़के 4:30 बजे परिजन उठे तो 13 वर्षीय बेटी घर से गायब थी। खोजबीन करते हुए परिजन सर्वोदयनगर में दोस्त देवकरन के घर पहुंचे थे। पिता के दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला था। परिजन पड़ोस में छिपकर निगरानी करने लगे थे।

कुछ देर बाद घर से आरोपी का भाई व उसका दोस्त बाहर आए थे। बेटी के बारे में पूछने पर पीड़ित पिता को उन लोगों ने कोई जानकारी न होने की बात कही थी। पिता जबरन घर में घुस गए थे। किशोरी के पिता को देखकर आरोपी वहां से भागने लगा थ। गिरने से उसके पैर टूट गए थे। सुबह 8:30 किशोरी घर पहुंची तो उसने देवकरन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय ने बताया कि आरोपी देवकरन का इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा था। मंगलवार को छुट्टी मिलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

नशीला पेय पिलाकर किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर करता रहा ब्लैकमेल

अमृत विचार, गोसाईंगंज : लूलू मॉल में काम करने वाली युवती को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर वहीं के कैश सुपरवाइजर मो. फरहाज उर्फ फराज ने दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का मोबाइल पर अश्लील वीडियो बना लिया। उसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर यौन शोषण करता रहा। ब्लैकमेल कर रुपये और जेवर भी वसूल लिए। बात न मानने पर आरोपी ने उसे पीटा और जलती सिगरेट हाथ पर दागी। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मूल रूप से सुल्तानपुर निवासी 25 वर्षीय युवती लूलू मॉल में नौकरी करती है। मॉल में ही मो. फरहाज उर्फ फराज कैश सुपरवाइजर है। पीड़िता ने बताया कि कुछ माह फरहाज उसे बहाने से अपने घर पर ले गया। वहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। बेहोश होने पर युवती के साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया। होश में आने पर कपड़े अस्त-व्यस्त होने पर पीड़िता ने विरोध किया तो पीटा और सिगरेट से जला दिया। यही नहीं मोबाइल पर वीडियो दिखाकर चुप रहने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी फरहाज ने ब्लैकमेल करते हुए वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार होटल व घर पर बुलाकर यौन शोषण किया। साथ ही कई बार में रुपये और जेवर भी लिए। बदनामी के चलते पीड़िता शांत रही। आरोपी की हरकत बढ़ती देख पीड़िता हिम्मत जुटाकर सोमवार को सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंची। पीड़िता ने आपबीती बताते हुए तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज की। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी फरहाज को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी मूल रूप से अयोध्या के घोसियाना पहाड़गंज रामनगर का रहने वाला है।

छांगुर बाबा धर्मांतरण गिरोह

एनसीआर, उत्तराखंड और नेपाल सीमा पर जमी एसटीएफ की टीमें

एसटीएफ ने सोहराब के करीबियों पर कसा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सीरियल किलर भाइयों में सबसे छोटा सोहराब पैरोल पर जेल से बाहर आया था। इसी दौरान वह पत्नी से मिला। फिर फरार हो गया। करीब आठ दिन से दिल्ली पुलिस, एसटीएफ और यूपी के कई जिलों की पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

एसटीएफ ने सोमवार देर रात को सोहराब के आधा दर्जन करीबी लोगों से पूछताछ की। यह सभी पैरोल पर छूटने के बाद उसके संपर्क में थे। साथ ही एसटीएफ की टीम एनसीआर, उत्तराखंड और नेपाल सीमा पर निगरानी तेज कर दी है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। लेकिन उसकी लोकेशन हाथ नहीं लगी है।

कैंट इलाके में रहने वाले सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब की लखनऊ समेत अन्य कई शहरों में दहशत है। करीब आठ वर्षों से तीनों भाई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। 28 जनू को सबसे छोटे भाई सोहराब को पैरोल मिली थी। परोल के दौरान वह पत्नी सन्नो से मिला था। वह मुरादाबाद, नैनीताल और नेपाल गया था। सूत्रों के मुताबिक परोल एक जुलाई को खत्म हो गई थी। इसके बाद वह तिहाड़ जेल वापस नहीं गया। उसके फरार होने की सूचना तिहाड़ जेल प्रशासन ने दिल्ली पुलिस को दी। दिल्ली पुलिस सोहराब की तलाश में जुट गई। दिल्ली पुलिस ने यूपी एसटीएफ और कई अन्य जिलों की पुलिस को सोहराब के फरार होने के संबंध में अलर्ट भेजा। यूपी एसटीएफ सोहराब की तलाश में जुटी हुई है। पैरोल के दौरान सोहराब ने कुछ व्यापारियों को शेल्टर मनी देने के लिए कॉल भी की थी। उन्हें धमकाया भी था कि समय पर रुपये पहुंचा दिया करें। इस दौरान सोहराब से संपर्क करने वाले उसके आधा दर्जन करीबियों से एसटीएफ ने पूछताछ भी की है। उसके छुपने के ठिकानों के बारे में पूछताछ की है। एसटीएफ की कई टीमें एनसीआर और उत्तरांचल इलाके में डेरा डाले हुए हैं। उसकी लोकेशन लगातार ट्रेस करने में लगी है।

नसरीन ने साढ़े चार माह खर्च किये 13.58 करोड़

राज्य ब्यूरो, अमृत विचार : छांगुर बाबा के धर्मांतरण गिरोह के सदस्यों की जांच एटीएस ने गहराई से शुरू कर दी है। उनके आय-व्यय का भी ब्योरा जुटाया जा रहा है। एटीएस के हाथ छांगुर बाबा और उसके करीबी नसरीन के 14 बैंक खातों के बारे में जानकारी मिली है। जांच में सामने आया कि नसरीन के खाते में साढ़े चार माह के अंदर 13.90 करोड़ रुपये और उसने 13.58 करोड़ रुपये खर्च किया। एटीएस की जांच में सामने आया कि छांगुर बाबा के एक खाते में 16.22 करोड़, दूसरे खाते में 18.66 करोड़ की विदेशी फंडिंग की पुष्टि हुई। इसके अलावा एडीएफसी के दो बैंक खातों में 20 करोड़, एसबीआई के खाते में विदेश से 9 लाख और अन्य स्थान से 10 लाख रुपये आये। एटीएस की टीम छांगुर बाबा के पास से मिले 40 बैंक खातों में अभी सिर्फ 14 का ही हिसाब-किताब जांच पायी है। अन्य खातों की भी जांच टीम कर रही है।

अहमद खान संभालता था बाबा का कारोबार

राज्य ब्यूरो, अमृत विचार : धर्मांतरण मामले में गिरोह के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा व उसकी महिला सहयोगी नसरीन के गिरफ्तार होने के बाद एटीएस ने जांच तेज कर दी है। जांच में सामने आया कि छांगुर बाबा का सारा अवैध कारोबार मो. अहमद खान संभालता है। वह एक शातिर अपराधी है। आतंकी गतिविधियों में संलिप्त है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज है। एटीएस व एसटीएफ की टीमें उसकी तलाश में बलरामपुर व लखनऊ में दबिश दे रही हैं। वह लगातार ठिकाना बदल रहा है। सूत्रों के मुताबिक उसने आसपास के शहरों से लेकर कई राज्यों में ठिकाना बनाया है। एटीएस के अधिकारी के मुताबिक मो. अहमद खान पर कई जिलों में मामले दर्ज हैं। वह छांगुर बाबा के आर्थिक साम्राज्य को संभालता है। साथ ही धर्मांतरण में रुपये का लेनदेन भी यही करवाता है। अहमद खान मूलत: बलरामपुर जिले का रहने वाला है। कई आपराधिक मामलों में वांछित है और फिलहाल फरार है। सूत्रों के अनुसार, अहमद खान फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति कब्जाने और धोखाधड़ी जैसे मामलों में भूमाफिया गतिविधियों में भी लिप्त है, जिसका सीधा प्रयोग अवैध धर्मांतरण में किया जाता है। पुलिस के मुताबिक मो. अहमद खान पुणे, महाराष्ट्र के पिंपरी इलाक में करीब 100 करोड़ से अधिक की संपत्तियों का मालिक है। वहां वह आतंकी संगठनों का कैंप स्थापित कर रखा है। यहां पर धर्मांतरण के लिए उकसाने और मुस्लिम कट्टरपंथियों के विचारधारा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

एक नजर

परिषदीय स्कूलों को कंपोजिट स्कूल ग्रांट जारी

अमृत विचार, लखनऊ: वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के सभी परिषदीय स्कूलों को 'कंपोजिट स्कूल ग्रांट' के तहत 246 करोड़ 51 लाख 75 हजार रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने मंगलवार को सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस रकम के सही उपयोग के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों की दीवारों पर खर्च का ब्यौरा पेंट कराना अनिवार्य है ताकि पारदर्शिता बनी रहे और समुदाय की भागीदारी बढ़े।

एफडीपी के दूसरे दिन मीडिया में एआई के उपयोग पर हुई चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ: श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज द्वारा आयोजित 7 दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मीडिया शिक्षा में एआई के उपयोग विषय पर चर्चा हुई। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुराग पांडेय ने एआई ड्रिवन करिकुलम डिजाइन इन मीडिया स्टडीज विषय पर अपने व्याख्यान में मीडिया शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग से पाठ्यक्रम डिजाइन में क्रांतिकारी बदलावों पर प्रकाश डाला। मीडिया शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए सत्र अत्यंत उपयोगी रहा, क्योंकि यह उन्हें एआई के माध्यम से शिक्षा को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करता है।

भाषा विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के शिक्षण भवन में दोपहर 3 बजे से 4 बजे के मध्य आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा में बी.फार्मा, डी.फार्मा, बीलिब, एमसीए, बीबीए, एमबीए, बीटेक तथा एमटेक जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए कुल 694 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को पूर्व में ही समय और दिशानिर्देश उपलब्ध करा दिए गए थे, जिससे परीक्षा के संचालन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आई। उन्होंने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं भी दीं।

लविवि में 17 से 23 तक परास्नातक प्रवेश परीक्षा

दो विषयों में आवेदन करने वाले 10 तक करें मेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 17 से 23 जुलाई तक प्रस्तावित है। परीक्षा दो पालियों में सुबह 10:30 से दोपहर 12 बजे तक और अपराह्न 3 से 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि यदि किसी अभ्यर्थी ने एक से अधिक विषयों में आवेदन किया है और उन विषयों की प्रवेश परीक्षा एक ही तिथि एवं समय पर निर्धारित है, तो ऐसे अभ्यर्थी 10 जुलाई तक ईमेल pgluadmissions25@gmail.com के माध्यम से विश्वविद्यालय को सूचित करें। प्रवेश पत्र और अन्य दिशानिर्देश शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, गृह विज्ञान, सीसीजेए, आचार्य, संस्कृत, ज्योतिर्विज्ञान, अरबी संस्कृति, उर्दू, भाषाविज्ञान, अरबी, पश्चिमी इतिहास, फारसी, बायोस्टैटिस्टिक्स, महिला अध्ययन, कार्यकारी एमबीए, समेकित इतिहास, जननीति और शासन, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा अध्ययन, जनसंख्या अध्ययन, योग, फ्रेंच, पर्यावरण विज्ञान, दर्शनशास्त्र, आलिम आदि में परास्नातक प्रवेश की तिथि अलग से घोषित की जाएगी। अभ्यर्थी परीक्षा की तिथि, समय व विषय का भलीभांति अवलोकन करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बच सके।

14 जुलाई से आरंभ होंगी विधि की कक्षाएं

विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के सेमेस्टर तीन और पांच, विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के सेमेस्टर तीन, पांच, सात और नौ व एलएल.एम. सेमेस्टर तीन की नियमित कक्षाएं 14 जुलाई 2025 से आरंभ होंगी। जिन छात्र-छात्राओं की नियमित कक्षाओं में उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होगी उन्हें बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमानुसार परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जाएगा।

7.5 क्रेडिट पर होगा चतुर्थ वर्षीय स्नातक में प्रवेश

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म जारी कर दिए हैं। वे अभ्यर्थी जिन्होंने सेमेस्टर I से VI तक कुल 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए अर्जित किया है, वे चतुर्थ वर्ष (सेमेस्टर 7) में अपने मेजर 1 विषय में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है। आवेदन लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के एडमिशन पेज पर किया जा सकता है।

इन विषयों की होगी परीक्षा

17 को प्रथम पाली में मानव शास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर साइंस, बी.पी.एड., पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन) जबकि दूसरी पाली में एप्लाइड जियोलॉजी, बी.लिब.आई.एससी., शिक्षा, बायोकैमिस्ट्री, एम.लिब.आई.एससी. और पब्लिक हेल्थ की परीक्षा होगी। 18 को प्रथम पाली में अंग्रेजी, माइक्रोबायोलाजी और गणित और दूसरी पाली में फोरेंसिक विज्ञान, एमपीएड, राजनीति शास्त्र की परीक्षा होगी। 19 को प्रथम पाली में वनस्पति विज्ञान, अर्थशास्त्र, रसायन शास्त्र और सांख्यिकी की परीक्षा होगी। जबकि दूसरी पाली में मध्यकालीन और मध्यकालीन भारतीय इतिहास की प्रवेश परीक्षा होगी। 20 को प्रथम पाली में एलएलबी प्रवेश परीक्षा दूसरी पाली में एमबीए एमटीटीएम की प्रवेश परीक्षा होगी। 21 को प्रथम पाली में भूगर्भ विज्ञान और एलएलएम की परीक्षा होगी जबकि दूसरी पाली में हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, समाजशास्त्र और जीवविज्ञान की परीक्षा होगी। 22 को प्रथम पाली में लोकप्रशासन और हिंदी जबकि दूसरी पाली में भौतिक विज्ञान की परीक्षा आयोजित की गई है। 23 को प्रथम पाली में एमएड, एमएफए, एमबीए, अप्लाइड अर्थशास्त्र, पत्रकारिता और मॉस कम्युनिकेशन और दूसरी पाली में समाज कार्य और एमकॉम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई है।

आज होगी बीसीए और बीएससी की परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र 2025-26 के अंतर्गत आज प्रथम पाली में बीसीए और दूसरी पाली में बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा होगी। बीसीए की प्रवेश परीक्षा में 3665 अभ्यर्थी शामिल होंगे जबकि बीएससी गणित में 2983 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र में उल्लिखित सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लेना चाहिए।

Achievers Law College Of Lucknow
NARVADESHWAR LAW COLLEGE
Approvedby BCI & Lucknow University
15 PCS-J, 1 IPS, 22 GOLD, 1 Chancellor
ADMISSION OPEN
LL.B. 3YRS & 5YRS
BA, B.Com, BBA. MBA & D.PHARM. GNM(AYD)
Hostel & Placement Facility Available
Special Guidance For PCS-J Exam
Malhaur Road Chinhat, Gomti Nagar, Lko
www.narvadeshwar.org
9918132882, 945045458

स्क्रूटनी में 19.6 प्रतिशत परीक्षार्थियों के अंकों में परिवर्तन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हाई स्कूल और इंटर के 31194 परीक्षार्थियों ने किया था आवेदन

अमृत विचार: यूपी बोर्ड ने स्क्रूटनी का परिणाम जारी कर दिया। आवेदन करने वाले परीक्षार्थियों में से 19.06 प्रतिशत के अंकों में परिवर्तन हुआ है। इस वर्ष हाईस्कूल में 5495 और इंटर में 25699 कुल 31194 परीक्षार्थियों ने स्क्रूटनी के लिए आवेदन किया था। इनमें से हाईस्कूल के 815 और इंटर के 5131 कुल 5946 (19.06 प्रतिशत) परीक्षार्थियों के अंकों में वृद्धि, कमी या परिवर्तन हुआ है। इतनी बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के अंकों में बदलाव से साफ है कि कॉपी जांचने वाले शिक्षकों ने किस कदर लापरवाही बरती है। वहीं प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय से जुड़े 23 जिलों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 2090 छात्र-छात्राओं के अंकों में स्क्रूटनी में परिवर्तन हुआ है। क्षेत्रीय सचिव कमलेश कुमार ने बताया कि हाईस्कूल में 2316 परीक्षार्थियों ने स्क्रूटनी के लिए आवेदन किया था जिनमें से 374 के अंकों में वृद्धि, कमी या परिवर्तन हुआ है। वहीं इंटरमीडिएट में 10001 परीक्षार्थियों ने स्क्रूटनी के लिए आवेदन किया था जिनमें से 1717 के अंकों में वृद्धि, कमी या परिवर्तन हुआ है।

आरटीआई के तहत भी देखी कॉपियां: प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के 254 छात्र-छात्राओं ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत अपनी कॉपियां देखी हैं। इंटर में 175 और हाईस्कूल में 79 परीक्षार्थियों ने दस रुपये फीस जमा करते हुए अपनी कॉपी देखी है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शिक्षकों ने मंगलवार को प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों के विलय के विरोध में बेसिक शिक्षा भवन में प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में परिषदीय स्कूलों के शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षकों ने कहा कि स्कूलों के विलय होने से बच्चों को शिक्षा से वंचित होना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष और लखनऊ के जिला अध्यक्ष सुधांशु मोहन ने बताया कि स्कूलों के विलय के विरोध सहित कुल 10 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षकों ने कहा कि जब जनसंख्या देखकर जिलों में डीएम और एसपी की तैनाती नहीं होती तो स्कूलों में बच्चों की संख्या देखकर कैसे शिक्षकों की तैनाती हो सकती है।

धरने में मौजूद शिक्षक। अमृत विचार

- बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर 10 सूत्री मांगों को लेकर दिया धरना
- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने दिया समर्थन

संघ के जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विलय लागू करने के पीछे एनईपी का तर्क दिया जा रहा। हम पूछना चाहते हैं कि क्या देश में सभी जगह एनईपी लागू हो गया है, जो बेसिक के स्कूलों में लागू किया जा रहा है। जब अभी यह सब जगह लागू नहीं हुआ तो बेसिक स्कूलों में क्यों लागू किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुधांशु मोहन ने कहा कि जब विद्यालयों को संविलयन किया गया तब हेडमास्टर के पद खत्म किए गए। अब सहायक अध्यापकों के पद भी कम हो जाएंगे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **सिंगल पैकेट पद्धति** से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **01.08.2025** को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नही किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या	**08102025** दिनांक **07.07.2025**	
कार्य का नाम	1. लखनऊ मण्डल में वरि0 मण्डल अभियंता–तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में 37 संख्या मानवयुक्त समपार फाटकों पर प्रीफैब्रीकेटड शौचालयों का प्रावधान।	
	2. वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन पुरानी वाशिंग लाइन सं0 2 तथा 4 में क्षतिग्रस्त बेड ब्लाक्स के सुधार/उन्नयन का कार्य तथा वाराणसी यार्ड में समपार सं0 5 पर नयी वाशिंग लाइन में पाइप लाइन का प्रावधान।	
	3. वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन अधीन वरि0 खण्ड अभियंता–कार्य/वाराणसी के खण्ड में पुलों की वार्षिक मरम्मत तथा रखरखाव का कार्य।	
	4. वरि0 मण्डल इंजीनियर–तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता–कार्य/वाराणसी के खण्ड में स्टेशन व अन्य सर्विस भवनों पर सफेदी व रंगाई पुताई तथा वार्षिक मरम्मत का कार्य।	
	5. वरि0 मण्डल इंजीनियर–तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता–कार्य/वाराणसी के खण्ड में वाराणसी–दीनदयाल उपाध्याय, वाराणसी–बीरापट्टी तथा वाराणसी–लोहता खण्ड में समपारों की सड़क सतह, कालोनी की सड़क सतह की मरम्मत तथा रखरखाव का कार्य तथा कालोनियों तथा अन्य भवनों की पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य।	
अनुमानित लागत	(1) रु.78,76,080.36 (2) रु.1,59,05,609.44 (3) रु.49,79,925.98 (4) रु.3,49,85,797.41 (5) रु.2,49,09,119.83	
धरोहर राशि	(1) रु.1,57,500.00 (2) रु.2,29,500.00 (3) रु.99,600.00 (4) रु.3,24,900.00 (5) रु.2,74,600.00	
कार्य की समापन अवधि	क्रम सं0 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छह (06) माह।
	क्रम सं0 02 से 05 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह (12) माह।
निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं0 01 से 05 के लिए	18.07.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं0 01 से 05 के लिए	01.08.2025 15:00 बजे
वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोट :
1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे संबंधित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नही किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रो को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. **74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose Dated : 07.04.2015**

2050/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

समस्याएं हल करने में हो विज्ञान का प्रयोग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भाषा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. पीएमएस चौहान और सिमैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. करुणा शंकर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं।

प्रो. पी.एम.एस. चौहान ने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक अनुसंधान को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने, प्रश्न उठाने और नए समाधान खोजने की एक प्रक्रिया है जिसे हमें अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। प्रो. करुणा शंकर ने सतत शोध और नवाचार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि निरंतर जिज्ञासु बने रहना ही नवाचार की असली कुंजी है। इस अवसर पर देशभर से विषय विशेषज्ञों ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया। डॉ. श्वेता शर्मा, सहायक आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए बहुविषयक शोध और जनजागरूकता अनिवार्य है। डॉ. रश्मि दुबे, सहायक आचार्य, रसायन विभाग, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर ने रसायन विज्ञान की व्यापक सामाजिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इसे दैनिक जीवन से जोड़ने की आवश्यकता बताई। डॉ. बिनोदिनी कटियार, एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाकर युवा शोधार्थी अनुसंधान की नई दिशा तय कर सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभय कृष्णा व डॉ. डीबी सिंह तथा सहसमन्वयक डॉ. तस्लीम जमाल और डॉ. साइमा अलीम रहे।

संगोष्ठी को संबोधित करते कुलपति डॉ. अजय तनेजा व उपस्थित वैज्ञानिक।

- बोले वक्ता, विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़

चूहों, खरगोश और अन्य जीवों पर वैज्ञानिक प्रयोग करेगा बीबीएयू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- फार्मास्युटिकल रिसर्च में बीबीएयू एनिमल हाउस की राष्ट्रीय मान्यता मिली
- पशुओं पर प्रयोग, अनुसंधान और दवाओं का विकास भी करेगा विश्वविद्यालय

अमृत विचार: बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) को फार्मास्युटिकल शोध की दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। बीबीएयू में अब प्रयोगशाला पशुओं पर शोध और प्रयोग को मान्यता हासिल हो गई है। विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार से एनिमल हाउस के लिए राष्ट्रीय मान्यता मिली है। इसी के साथ औपचारिक रूप से अपनी संस्थानिक पशु नैतिकता समिति का भी गठन कर लिया गया है। जो फार्मास्युटिकल रिसर्च में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अधीन पशुओं पर प्रयोगों की निगरानी और नियंत्रण समिति से अपने एनिमल हाउस के लिए पंजीकरण प्राप्त हो गया है। यह उपलब्धि आईएईसी के अध्यक्ष व फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष प्रो. पीएस रजनीकांत, डॉ. विकास मिश्रा, सदस्य सचिव और समिति के अन्य सदस्यों प्रो. आभा मिश्रा और प्रो. वी. एलांगोवन के प्रयासों से हासिल हुई है। पंजीकरण के साथ, बीबीएयू को अब प्रयोगशाला पशुओं मुख्य रुप चूहों पर राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देशों के अनुरूप वैज्ञानिक प्रयोग करने की अनुमति मिल गई है।

इस पंजीकरण के बाद न केवल फार्मास्युटिकल साइंसेज में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा बल्कि जीवन विज्ञान के अन्य क्षेत्रों को भी लाभान्वित करेगा। शोधकर्ता प्रीक्लिनिकल स्टडीज, दवा विकास परीक्षण और विभिन्न जैव चिकित्सकीय प्रयोग कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, यह उपलब्धि विशेष रूप से प्रीक्लिनिकल ट्रायल्स के क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग को भी आकर्षित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

खुनखुन जी कॉलेज को मिले सांसद निधि से 30 लाख

अमृत विचार, लखनऊ: खुनखुन जी महिला महाविद्यालय को सांसद निधि से 30 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं जिसका उपयोग महाविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाने पर किया जाएगा। राज्य सभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा की ओर से महाविद्यालय को सांसद निधि से 30 लाख रुपए आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए उपलब्ध कराएं गए हैं। उल्लेखनीय है कि गत दिनों इंडियन ऑयल की ओर से सीएसआर फंड के तहत महाविद्यालय में निर्माण कार्य कराया गया है। महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. अंशु केडिया ने बताया कि प्रयास है कि महाविद्यालय को दूसरे एक संस्थान से भी सहयोग मिल जाए जिससे छात्राओं के लिए बेहतर सुविधाओं को मुहैया कराया जा सके। इन दिनों खुनखुन जी महाविद्यालय में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। जहां पर छात्राएं प्रवेश लेकर कम शिक्षण शुल्क में स्नातक की पढ़ाई कर सकती है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैं **मुश्तर अली पुत्र बदले उर्फ रियायत अली, निवासी– मो. मीर सराय करबा व थाना पिहानी जिला हरदोई**, मेरा पुत्र मोहम्मद रजा अली उर्फ मुन्ना का चाल चलन खराब हो गया है जो मेरी बात नहीं मानता है। मै अपने पुत्र मोहम्मद रजा अली के कार्य व्यवहार व आचरण से तंग आकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज की तिथि से उसके द्वारा किये गये किसी प्रकार के लेन देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है। अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरा इंडियन बैंक शाखा मल्दा गणेशपुर में एक खाता संख्या 50317660161 है, जिसमें मेरा नाम अजीजुर्रहमान है, जबकि आधार कार्ड में अजीजुर्रहमान सिद्दीकी है, यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। **अजीजुर्रहमान सिद्दीकी पुत्र आशिक अली, निवासी– धवाई, तुलसीपुर, बलरामपुर।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2020अनुक्रमांक2726391 एवं इंटरमीडिएट अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2226952295 वास्तव में खो गया है। **मिथलेश कुमार वर्मा पुत्र श्री मथुरा वर्मा, निवासी– ग्राम सिकही कटघरा कला पोस्ट कटघरा कला थाना रानीपुर जिला बहराइच, पिन कोड** 271870

सूचना

सूचित किया जा रहा है मेरा सेंट मैरी स्कूल का हाईस्कूल का अंकपत्र अलीगंज में कहीं खो गया है, जिसका अनुक्रमांक नं. TV60185947 और विशिष्ट आईडी नं. 7977238 और वर्ष 2023 है। ये जानकारी सार्वजनिक सूचनार्थ प्रेषित है। **हसन खान, पुत्र– आरिफ खान, 543–के/93, हबीबपुर, लखनऊ।**

NOTICE

I am Jitendra Kumar Gupta son of Shri Govind Parshad Gupta resident of 5304 S/11 Rajajipuram, E - Block Lucknow 226017. My name is wrongly spelled JEETENDER KM GUPTA in my son Kaavy Gupta school's document. My correct and full name is JITENDRA KUMAR GUPTA.JEETENDER KM GUPTA and JITENDRA KUMAR GUPTA both are the names of the same person.

आईटीआई में प्रवेश की अंतिम तिथि 11 तक बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ: राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 11 जुलाई तक कर दिया है। पहले यह तिथि 8 जुलाई निर्धारित थी। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव एवं अधिशासी निदेशक, राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) अभिषेक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण सत्र–2025 हेतु प्रथम चरण चयन परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को प्रवेश लेने के लिए पूर्व में 8 जुलाई तक का समय निर्धारित था। अब यह अवधि पुनरीक्षित करते हुए 11 जुलाई 2025 की रात्रि 12 बजे तक बढ़ा दी गई है। प्रथम चरण चयन परिणाम के अंतर्गत चयनित ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वे अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र, अंकपत्र, उनकी एक–एक स्वप्रमाणित प्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ चयनित संस्थान के प्रधानाचार्य से संपर्क कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। संबंधित संस्थानों में उपलब्ध चयन सूची से अभ्यर्थी अपना नाम सुनिश्चित करने के उपरांत प्रवेश प्राप्त करें।

फारेंसिक में कॅरियर की बड़ी संभावनाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस में देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से आए 38 छात्र-छात्राओं को फारेंसिक साइंस का प्रशिक्षण दिया गया। एनसीआर दिल्ली, उत्तराखंड, चेन्नई, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए हुए छात्र-छात्राओं का समर इंटर्नशिप कोर्स सकुशल संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक लाजिस्टिक राज कुमार ने कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर उन्हें संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी एवं अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने प्रतीक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि राजकुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेज से आए हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में नये कानून में फारेंसिक विषय को प्राथमिकता दी गयी है जो कॅरियर के लिए बृहद संभावनायें खोलतीं हैं। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने कहा कि फारेंसिक विषय कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो न्यायिक व्यवस्था को साक्ष्यों के आधार पर मजबूती प्रदान करता है। अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपने जीवन में एक बात याद रखियेगा कि संकल्प का कोई बिकल्प नहीं होता है। अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजिब मुखर्जी, अतुल यादव, संतोष तिवारी प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह, गिरिजेश राय, डॉ. अरुण खत्री, डॉ. सपना शर्मा, डॉ. प्रेरणा, डॉ. प्रीती, डॉ. नेहा, डॉ. निताशा, डॉ. नेहा माथुर, डॉ. श्रुति दास, डॉ. अजीत कुमार व डॉ. अंजुली थायबर सहित अन्य उपस्थित रहे।

फारेंसिक साइंस इंटर्नशिप प्रशिक्षण के अवसर पर मुख्य अतिथि को सम्मानित करते पदाधिकारी।

सूचना

मैने अपना नाम QAMRUZZAMAN से बदलकर QAMRUZZAMA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SAMIULLAH, ADD-108 VAZIDPUR, JALALPUR DIST - AMBEDKAR NAGAR - 224149 (U.P)**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिये ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:–

क्रम सं.-1, निविदा सं.: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-161, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के टीएसएस में IEC 61000-4-30 क्लास ए के अनुरूप विद्युत गुणवत्ता मीटर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, रीडिंग, विश्लेषण और 01 वर्ष का ओ एंड एम का कार्य। ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समय: 04-08-2025 व 15:00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि व समय: 04-08-2025 व 15:30 बजे, अनुमानित लागत: ₹ 94,41,044.30, बयाना राशि: ₹ 1,88,800/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि: 06 माह।

नोट: (1) इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। **(2)** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–79 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता जोन-4, गोमतीनगर, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक– 127/ई0ई0–4/एल0जे0एस0 दिनाँक– 08/07/2025

अल्प कालीन निविदा–सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनाँक 17/07/2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–4 कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते है। सील्ड निविदायें दिनाँक 17/07/2025 को अधिशासी अभियन्ता, जोन–4 के कार्यालय में अपरान्ह 3:30 बजे तक सील्ड टेण्डर बाक्स से प्राप्त की जायेगीं। प्राप्त सभी निविदायें दिनाँक 17/07/2025 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे अधिशासी अभियन्ता, जोन–4 के कार्यालय में खोली जायेंगी। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समययानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	RCC and Plaster work at Kalyan Madap Fhool Wala park Camp Office, New Haidrabad, LKo	8400.00	Rs. 450	07 दिवस
2	Painting Work at Computer Camp Office, Kalyan Madap Fhool Wala park Camp Office, New Haidrabad, LKo	4800.00	Rs. 250	07 दिवस
3	Brick work of foundation and wall at OHT Campus, Kalyan Madap Fhool Wala park Camp Office, New Haidrabad, LKo	8400.00	Rs. 450	07 दिवस

अधिशासी अभियन्ता, जोन–4
जलकल विभाग, नगर निगम,
लखनऊ

अमृत विचार
www.amritvichar.com

भावमिच्छति सर्वस्य नाभावे कुरुते मन: ।
सत्यवादी मृदुर्दान्तो य: स उत्तमपूरुष: ॥

जो पुरुष सबका भला चाहता है, किसी को कष्ट में नहीं देखना चाहता, जो सदा सच बोलता है, जो मन का कोमल है और जितेंद्रिय भी, उसे उत्तम पुरुष कहा जाता है।

संपादकीय

डिजिटल इंडिया पहल

किसी सरकारी अभियान की प्रभावशीलता का प्रमाण सार्वजनिक जीवन को बदलने की उसकी क्षमता में निहित है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हर भारतीय का जीवन आसान बनाना है, ने देश भर में मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया है। मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार लगभग हर गांव तक हो गया है। अभियान ने एक दशक पूरा कर लिया है। डिजिटल इंडिया न केवल प्रौद्योगिकी को लोगों के करीब लाया है, बल्कि इसने लोगों को अवसर भी प्रदान किए हैं। यह डिजिटल परिदृश्य पर विशाल कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। साथ ही यह समय अभियान की बाधाओं का जायजा लेने का भी है। डिजिटल इंडिया ने एक दशक में शासन को ज्यादा पारदर्शी बनाया है, और विकास व नवाचार के लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल माध्यम से भुगतान करने के आंकड़े का रिकॉर्ड, इंटरनेट के तेज़ी से विस्तार और एआई व सेमीकंडक्टर में अग्रणी पहलों के साथ, भारत ने एक ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम बनाया है जो समावेशी, स्केलेबल और भविष्योन्मुखी है। अप्रैल 2025 में 24.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,867.7 करोड़ से अधिक यूपीआई लेन-देन किए गए। यूपीआई अब सात से अधिक देशों में उपयोग किया जा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है।

इंटरनेट की पहुंच भी बढ़ी है, जो 2014 में 250 मिलियन से बढ़कर दो साल पहले 970 मिलियन से अधिक हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरण - टेलीमेडिसिन-डिजिटल माध्यमों से सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस का विस्तार, अन्य परिवर्तनों के अलावा, भारत के डिजिटल वितरण तंत्र के मूल में बने हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता के मामले में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक ग्रामीण-शहरी विभाजन है। बढ़ती डिजिटल छाप ने साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों जैसी चुनौतियों को भी जन्म दिया है। एक अनुमान के अनुसार, भारत वैश्विक साइबर हमलों में दूसरा सबसे अधिक लक्षित देश था, जहां पिछले साल 95 भारतीय संस्थाओं को डेटा चोरी के हमलों का सामना करना पड़ा। ऐसे खतरों के बारे में लोगों की कम जागरूकता चुनौती को और बढ़ा देती है। चिंता का दूसरा क्षेत्र डेटा गोपनीयता है। फिर भी देश विकसित भारत के विजन के तहत आगे बढ़ रहा है। अगला दशक न केवल तीव्र विकास वाला होगा, बल्कि बड़े परिवर्तन वाला भी साबित होने वाला है और प्रौद्योगिकी एक मज़बूत, स्मार्ट और अधिक आत्मनिर्भर भारत की आधार बनेगी।

शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए।

पिछले एक दशक में 25 हजार करोड़ बस इस बात के लिए खर्च किए गए कि देश के प्रगति के प्रतिमान कहलाने वाले शहर बरसात में दरिया न बन जाएं। लेकिन हालत बदले नहीं। मौसम की बरसात के शुरुआत में ही दरिया बन गए और जो समाज कुछ दिनों पहले तक नालों में पानी की एक एक बंद के त्राहि त्राहि कर रहा था, अपने गली-मुहल्लों में गर्दन तक पानी में डूब गया। कोई भी नाम लें, दिल्ली या खुर्जा, पलवल या चंडीगढ़, नागपूर या भोपाल, कानपुर या पटना, बंगलूरू या हैदराबाद या चेन्नई, जो चौड़ी सड़कें या फ्लाई ओवर यातायात को फर्राटे से निकालने के लिए बने हैं वहां मीलों तक वाहनों का जाम हो जाता है। यह रोग अब महानगरों में ही नहीं जिला स्तर के नगरों में भी आम है। चूंकि बरसात के दिन कम हो रहे हैं, सो लोग इसे अस्थाई दिक्कत मान कर बिसरा देते। लेकिन जान लें कि अब हमारा देश भी शहरीकरण की ओर अग्रसर है उसके चलते जल्द ही जलभराव गंभीर समस्या का रूप ले लेगा।

पिछले साल बजट सत्र के आखिरी दिनों में यह बात संसद में स्वीकार की गई थी कि केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। दुखद है कि देश वे 100 शहर जिन्हें स्मार्ट सिटी घोषित कर दिया गया, पहले से अधिक डूब रहे हैं। सरकार कहती है जुलाई 2024 तक, 100 शहरों ने स्मार्ट सिटी मिशन के हिस्से के रूप में 1,44,237 करोड़ रुपये की राशि की 7,188 परियोजनाएं (कुल प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत) पूरी कर ली हैं। 19,926 करोड़ रुपये की राशि की शेष 830 परियोजनाएं भी पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपए के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए। इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए

603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपए खर्च हुए। इनमें सूरत में 200 करोड़ रुपए, लखनऊ में 197 करोड़ रुपए, चेन्नई में 117 करोड़ रुपए, फरीदाबाद में 38 करोड़ रुपए, कोच्चि में 30 करोड़ रुपए, जबलपुर में 58 करोड़ रुपए, चंडीगढ़ में 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। खाने की जरूरत नहीं कि ये सभी शहर बरसात में जलभराव के कारण ठप्प हुए।

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक ना तो नालियां बनीं या सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना का एक शोध बताता कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती है। शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है।

शहरों में बाढ़ का सबसे बड़ा कारण तो यहां के प्राकृतिक नदी-नालों, तालाब-जोहड़ों और उन तक पानी लाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई ना होना है। लेकिन इससे बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े का भंडार व उसके निबटान की माकूल व्यवस्था ना होना। जाहिर है कि बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है। महानगरों में भूमिगत सीवर जल भराव का सबसे बड़ा कारण हैं। जब हम भूमिगत सीवर के लायक संस्कार नहीं सीख पा रहे हैं तो फिर खुले नालों से अपना काम क्यों नहीं चला पा रहे हैं?

एक बात और बंगलूरू या हैदराबाद या दिल्ली में जिन इलाकों में पानी भरता है यदि वहां की कुछ दशक पुरानी जमीनी संरचना का रिकार्ड उठा कर देखें तो पाएंगे कि वहां पर कभी कोई तालाब, जोहड़ या प्राकृतिक नाला था। अब पानी के प्राकृतिक बहाव के स्थान पर सड़क या कालोनी रोपी गई है तो पानी भी तो धरती पर अपने हक की जमीन चाहता है? ना मिलने पर वह अपने पुराने स्थानों की ओर रूख करता है। मुंबई में मीठी नदी के उथले होने और सीवर की 50 साल पुरानी सीवर व्यवस्था के जर्जर होने के कारण बाढ़ के हालात बनना सरकारें स्वीकार करती रही है। बंगलूरू में पारंपरिक तालाबों के मूल स्वरूप में अवांछित छेड़छाड़ को बाढ़ का कारक माना जाता है। शहरों में बाढ़ रोकने के लिए सबसे पहला काम तो वहां के पारंपरिक जल स्रोतों में पानी की आवक और निकासी के पुराने रास्तों में बन गए स्थाई निर्माणों को हटाने का करना होगा । यदि किसी पहाड़ी से पानी नीचे बह कर आ रहा है तो उसका संकलन किसी तालाब में ही होगा। विडंबना है कि ऐसे जोहड़-तालाब कंक्रीट की नदियों में खो गए हैं। परिणामतः थोड़ी ही बारिश में पानी कहीं बहने को बहकने लगता है।

शहरीकरण व वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय जलवायु परिवर्तन की त्रासदी पर भी गौर करना होगा। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है और इसकी की दुखद परिणति है-मौसमों का चरम। गरमी में भयंकर गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी पानी बरस जाना।

महानगरों में बाढ़ का मतलब है परिवहन और लोगों का आवागमन ठप होना। इस जाम के ईंधन की बर्बादी, प्रदूशण स्तर में वृद्धि और मानवीय स्वभाव में उग्रता जैसे कई दीर्घगामी दुष्परिणाम होते हैं। इसका स्थाई निदान तलाशने के विपरीत जब कहीं शहरों में बाढ़ आती है तो सरकार का पहला और अंतिम कदम राहत कार्य लगाना होता है, जोकि तात्कालिक सहानुभूतिदायक तो होता है, लेकिन बाढ़ के कारणों पर स्थाई रूप से रोक लगाने में अक्षम होता है। जल भराव और बाढ़ मानवजन्य समस्याएं हैं और इसका निदान दूरगामी योजनाओं से संभव है, यह बात शहरी नियोजनकर्ताओं को भलींभांति जान लेना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भविष्य की योजनाएं बनाना चाहिए।

शहर को डूबने से बचाना है तो कूड़ा कम करने, पॉलीथिन पर पाबंदी, सीवरों की ईमानदारी से नियमित सफाई जरूरी है। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानि कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। जलभराव वाली जगहों भूजल रिचार्ज के प्रयास हों। प्राकृतिक जलाशयों, नदियों को उनके मूल स्वरूप में रखने तथा उसके जलग्रहण क्षेत्र को किसी भी किस्म में निर्माण ना हों।

प्रसंगवश

सड़क हादसों पर गंभीर चर्चा जरूरी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात को स्वीकार किया है कि देश में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स के कार्यक्रम में उन्होंने ब्लाइंड स्पॉट में सुधार पर जोर देते हुए कहा कि डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। इसके अलावा खराब इंजीनियरिंग पर ध्यान देने की जरूरत है, जिस पर अमूमन ध्यान नहीं दिया जाता या बहुत कम दिया जाता है। गडकरी की यह बात इस ओर इशारा है कि हमें सड़क हादसों पर दुर्घटना के बाद भी बात करने की जरूरत है, जो कि होती नहीं है। हमें इस पर विस्तार से चर्चा करनी होगी।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

असल में जब भी कोई सड़क हादसा होता है, तो हम कितने मरे और कितने घायल की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। तेज गति और गलत तरीके से वाहन चलाने को सड़क हादसे का जिम्मेदार बताकर बाकी सभी कामों की इतिश्री कर ली जाती है। कभी भी सड़क हादसे के त्वरित कारणों के अलावा विस्तार से चर्चा नहीं होती?

सड़क हादसों पर जहां एक ओर मीडिया की रिपोर्टिंग सीमित है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली भी हादसे के बाद वाहन का चालान काटने और दुर्घटना होने पर उसे सीज करने तक ही काम करती है। हादसे की विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच तक किसी का ध्यान नहीं जाता। हमारे देश में बिचौलियों को पैसे देकर ड्राइविंग लाइसेंस बन जाता है, जबकि विदेशों में लाइसेंस के लिए बहुत कठोर टेस्ट देना पड़ता है। जापान में कार खरीदने से पहले पार्किंग की जगह होने का सर्टिफिकेट देना जरूरी है, लेकिन भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल बड़ी संख्या में होने वाले सड़क हादसों के प्रमुख कारण खराब सड़कें और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता की कमी है। इसके अलावा, सही समय पर घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचा पाना भी मौत के आंकड़े में बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सरकारी प्रयासों के धरातल पर परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता के प्रयासों में तेजी लाने की दरकार है। हालांकि विशेषज्ञों की सलाह पर बहुत गंभीरता से काम किया गया हो, ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। अगर उनकी सलाह पर काम होता, तो सड़क हादसों में निश्चित तौर पर कमी आती। लोगों की लापरवाही पर तो फिर भी चर्चा हो जाती है, लेकिन सड़कों की खराब डीपीआर और खराब इंजीनियरिंग पर तो कभी चर्चा ही नहीं होती। इस पर गंभीरता से बातचीत करना समय की दरकार है।

सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन न होना और आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलना। वहीं नशे की आदत इतनी बढ़ चुकी है कि कई बार गाड़ियों की भीड़ के कारण नहीं, बल्कि चालक की होश में ना होने की स्थिति के कारण हादसा हो जाता है। कुछ गाड़ी चलाने वालों में अधीरता इतनी होती है कि वे दूसरों से पहले निकलने की जल्दी में टक्कर मारते हुए निकल जाते हैं। कहीं-कहीं पर रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाते हैं, लेकिन उनके बनाने का कोई मानक नहीं होता है। कई बार जहां पर आवश्यकता होती है, वहां पर नहीं बनते और अनावश्यक जगहों पर मानक हीन स्पीड ब्रेकर बना दिए जाते हैं, इसलिए ऐसे स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं। इन सभी वजहों पर चर्चा होना आवश्यक है, लेकिन उम्मीदों के अनुरूप होती नहीं है।

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए उन पर विस्तार से बात करने की जरूरत है। उनके कारणों का हमें गंभीरता से पता लगाना होगा। हादसे में एक व्यक्ति का खत्म होना केवल उस आदमी का जाना नहीं होता, बल्कि एक परिवार का बिखर जाना होता है। हमें इन बिखरे परिवारों को संभालने के लिए और उन तक हर संभव सरकारी और निजी सहायता पहुंचाने के लिए प्रयास करना होगा। यह तभी संभव है, जब सड़क हादसा होने के बाद भी विस्तार से चर्चा की जाए और हमें ऐसा करना ही होगा।

विमानन क्षेत्र में समीक्षा-सुधार की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं। बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। अहमदाबाद जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि अब केवल ब्रांड पर भरोसा करने का समय नहीं रहा।

हाल ही के वर्षों में बोइंग विमानों से जुड़ी कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। अकेले 2018 से 2025 के बीच बोइंग विमानों की दुर्घटनाओं में लगभग 9000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से कई मामलों में तकनीकी खामियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिका, इंडोनेशिया, इथियोपिया सहित कई देशों में बोइंग 737 मैक्स विमान दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। इन हादसों में सैकड़ों लोगों की जान गई और इन विमानों को कई देशों में अस्थाई रूप से उड़ानों से हटा दिया गया। 2024-2025 में भी बोइंग के विमानों में दरवाजे उखड़ने, फ्यूल लीक, एयर प्रेशर फेल होने जैसी घटनाएं सामने आईं।

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है। बार-बार की दुर्घटनाएं दर्शाती हैं कि या तो मैन्युफैक्चरिंग में चूक है या गुणवत्ता नियंत्रण में लापरवाही। बोइंग जैसी

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

कंपनी से यह अपेक्षित नहीं है। संघीय विमानन प्रशासन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विमानन निगरानी संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है कि उन्होंने ऐसे विमानों को उड़ान की अनुमति कैसे दी? बोइंग पर यह भी आरोप लगे हैं कि उसने प्रतिस्पर्धा में एयरबस से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा के मानकों की अनदेखी की।

कंपनी के विमानों की छवि हाल के वर्षों में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग विश्व की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में से एक है, लेकिन हाल ही में आधुनिक तकनीक और वैश्विक हवाई यात्रा में क्रांति लाने वाले बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्न खड़े किए हैं, बल्कि विमानन उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न किया है। आज जब हवाई यात्रा आम नागरिक की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है, ऐसे में बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाएं केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह जातीं, बल्कि यह जन-जीवन, वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और यात्रियों के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत प्रासंगिक विषय बन जाता है।

भारत जैसे देश में अहमदाबाद की घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है। यदि ऐसे विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में नियमित रूप से उड़ान भरते हैं, तो यात्रियों की जान के साथ बड़ा जोखिम हो सकता है। भारत सरकार, नागरिक विमानन महानिदेशालय और एयरलाइंस को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। बोइंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड की पहचान केवल उसके विमानों की संख्या या तकनीकी नवाचार से नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की मजबूती से तय होती है। यदि सुरक्षा को मुनाफे की दौड़ में पीछे छोड़ा गया, तो यह पूरे विमानन उद्योग को हिला सकता है। संघीय विमानन प्रशासन, नागरिक विमानन महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सिर्फ सर्टिफिकेशन तक सीमित न रखकर, रियल-टाइम गुणवत्ता ऑडिट्स लागू करने की जरूरत है, ताकि संभावित त्रुटियों का पता पहले से लगाया जा सके।

भारत जैसे देश जो बोइंग के विमानों का व्यापक उपयोग करते हैं, उन्हें भी आंख मूंदकर कंपनियों पर भरोसा करने की बजाय स्थानीय टेस्टिंग, एयरवर्दिनेस रिपोर्ट और इन्वेस्टिगेशन सिस्टम को मजबूत करना होगा। अहमदाबाद जैसे मामलों को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की तत्काल जांच कराए और एयरलाइंस को यह निर्देश दे कि किसी भी तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए। बोइंग को चाहिए कि वह पारदर्शी रूप से अपने उत्पादों में खामी स्वीकार करे, यात्रियों की सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर रिकॉल और सुधार की रणनीति बनाए और यह विश्वास बहाल करे कि उसका हर विमान उड़ान के लिए 100 फीसदी सुरक्षित है।

सोशल फोरम

कैसे बने रिश्ता

जो आज अच्छा लग रहा, वह कल बुरा भी लगेगा। यह इंसानी फ़ितरत है। मुझसे कोई कहता है कि मैं आपका शागिर्द हूं। तो एक सवाल मेरी आंखों में तैरता है, कब तक, तुम्हें जो मुझमें आज अच्छा लग रहा, वह कल नही लगेगा, तब...

जब कोई बहुत ज़िद करता है कि नहीं हम तो शागिर्द हैं आपके, तब मेरा अगला सवाल होता है कि क्या मुझसे मिलने के बाद तुम्हें बुराई बुरी और अच्छाई अच्छी लगने लगी है। क्योंकि यह शऊर ही अगर तुममे न आया, तो काहे के हम उस्ताद और कैसे तुम शागिर्द ।

हफीज किदवई
लेखक

हालांकि शागिर्द से तो मैं यही कहता हूं कि हर वक्त हालत ए इश्क़ में रहो। इल्म हासिल करने की दौड़ में मत रहो। इल्म ऐसे पैदा करो, जैसे किसी फूल में खुशबू। कोई उस्ताद तुम्हें महका नहीं सकता, महकने का रास्ता बता सकता है। मगर महकना तो तुम्हें है।

सूफ़ियों में तरबियत निबंध लिखकर नहीं दी जाती। ज़िन्दगी के फ़लसफ़े, ज़िन्दगी जीकर समझाए जाते हैं। हम तो उस उस्ताद को बेहतरीन मानते हैं, जो अपने शागिर्द को ग़म का ज़ायक़ा दिला दे। ग़म हमारी रूह की चमक की गवाही है, जबकि खुशी हमारे जिस्म का हिस्सा है।

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता। शागिर्द को इश्क़ करना ज़रूरी है तो उस्ताद का आशिक़ होना मगर मतलब की दुनिया में मतलब के उस्ताद भी रोज़ बनते हैं और शागिर्द भी....

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता।

-फेसबुक वॉल से

शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता से ही होगा अंधविश्वासों का खात्मा

आज विज्ञान और तकनीक का युग है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का प्रयोग किया जा रहा है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में भी भारतीय समाज में कहीं न कहीं अंधविश्वास की जड़ें कम गहरी नहीं हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अंधविश्वास की इन जड़ों को समूल नष्ट किया जाए। वास्तव में अंधविश्वास, अज्ञानता, डर, या तर्कहीन विश्वासों पर आधारित एक विश्वास या प्रथा है। यह अक्सर अलौकिक शक्तियों, भाग्य, या कुछ कार्यों या वस्तुओं के शुभ या अशुभ प्रभावों में विश्वास से जुड़ा होता है। अंधविश्वास किसी तर्क या प्रमाण पर आधारित नहीं होते हैं, बल्कि ये अक्सर मान्यताओं, परंपराओं, या व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये अक्सर परंपराओं और रीति-रिवाजों से जुड़े होते हैं, जिनका पालन बिना किसी तर्क या प्रमाण के किया जाता है।

हाल ही में अंधविश्वास के चक्कर में बिहार में परिवार के पांच लोगों की हत्या की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आईं थीं। अंधविश्वास के कारण हैवानों ने पति-पत्नी और बच्चों को मार डाला। इसी प्रकार से आजमगढ़ में पुत्र की चाहत में एक महिला अंधिविश्वास की भेंट चढ़ गई। परिजनों का आरोप है कि तांत्रिक ने झांड़फूंक के नाम पर नाले का गंदा पानी पिलाया जिससे उसकी मौत

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं।

हुई। इतना ही नहीं, मध्यप्रदेश के एक गांव में देवस्थान के चबूतरे पर नरबलि देने का मामला भी सामने आया है। इसी प्रकार से कुछ समय पहले महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अंधविश्वास की वजह से मासूम बच्चे के साथ दरिंदगी की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। जानकारी के अनुसार यहां एक महिला ने 10 दिन की नवजात बच्ची को पेट दर्द से राहत दिलाने के नाम पर उसे गर्म लोहे की छड़ से दाग दिया। दरअसल अंधविश्वास 'आत्मज्ञान' के अभाव में पनपता है, व्यक्ति को ज्ञान का अभाव होता है।

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि आस्था, ईश्वर की तरह ही असीम है, अनादि है, अनंत है। शिक्षा की कमी, परंपरा और सामाजिक दबाव अंधविश्वास के प्रमुख कारण हैं। वास्तव में आज वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत है। अज्ञात, बीमारी, या मृत्यु का भय अंधविश्वास को जन्म दे सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वासी प्रथाओं और उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना आज के समय में बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। सच तो यह है कि हमें हमेशा सत्य की खोज करनी चाहिए और अंधविश्वासों पर कभी भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। यह ठीक है कि आज शिक्षा व तकनीक दोनों क्षेत्रों में प्रगति के कारण हमारे समाज के लोग अंधविश्वास की छाया से निकलने लगे हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना बाकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वास आज भी एक जटिल समस्या है जिसके कई कारण और निवारण हैं। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता बढ़ाकर, हम अंधविश्वासों को दूर करने और एक अधिक तर्कसंगत और वैज्ञानिक समाज बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हमारे देश में आज अंधविश्वास की रोकथाम के लिए दंडात्मक प्रावधान हैं, लेकिन बावजूद इसके बहुत से पाखंडी लोग, तांत्रिक इस दिशा में सक्रिय हैं। पाखंड व अंधविश्वास का सहारा लेकर ऐसे लोग अपने चूल्हे के नीचे आंच सरकाते हैं और लोगों को बरगलाते हैं। अंधविश्वास समाज को अंदर ही अंदर से खोखला व बर्बाद कर देता है, इसलिए इस पर रोक बहुत आवश्यक है। याद रखिए कि अंधविश्वास हमारी संस्कृति की धरोहर नहीं हैं, जैसा कि अक्सर ऐसा समझा जाता है। अंधविश्वास की असली जड़ भूत-प्रेत का डर, जादू-टोने होने का डर, प्रेम-विवाह, व्यापार-नौकरी में असफलता का डर और दुर्भाग्य घटित होने का डर है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं होता है। तांत्रिक उपायों से न तो सफलता मिलती है, न ही कोई बीमारी ठीक होती है, न ही पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है, न ही कोई काम बनते हैं,यह कटु सत्य है। परेशानियां और दुःख कभी भी टोनो-टोटको से ठीक नहीं होते। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में शिक्षित कहे जाने वाले लोग भी तांत्रिकों, पाखंडियों के चक्कर में आखिर क्यों आने लगे हैं, यह समझ से परे की बात है। अंधविश्वास को खत्म करने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, और जागरूकता फैलाना ज़रूरी है। याद रखिए कि वैज्ञानिक सोच लोगों को घटनाओं को तर्कसंगत रूप से देखने और उनके पीछे के कारणों को समझने में मदद करती है। इसके अलावा कानून को भी सख्त बनाने की आवश्यकता है। तभी हम वास्तव में हम अपने समाज और देश से अंधविश्वासों का खात्मा कर पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

प्रसव के बाद महिला की मौत प्रकरण की जांच शुरू

- एडी मंडल ने अस्पताल पहुंच कर जांचे संबंधित प्रपत्र
- नर्सिंग होम पंजीकरण के दस्तावेज किए तलब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चौपटिया के हयात नर्सिंग होम में सिजेरियन प्रसव के बाद महिला की दूसरे अस्पताल में हुई मौत प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच शुरू कर दी गई है। मंगलवार को एडी मंडल टीम के साथ अस्पताल पहुंचकर इलाज से संबंधित दस्तावेज देखे। इलाज से संबंधित सवाल पर अस्पताल संचालक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। संचालक से विभाग ने नर्सिंग होम पंजीकरण के दस्तावेज तलब किए हैं। वहीं, विभाग के अफसरों की पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं हो सकी है।

राजाबाजार निवासी अजीम की पत्नी निदा (32) का सिजेरियन प्रसव 4 जुलाई की रात हयात नर्सिंग होम में हुआ था। जुड़वा नवजात को जन्म के बाद निदा की हालत बिगड़ गई थी। नर्सिंग होम से मरीज को हरदोई रोड स्थित चरक अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां वेंटिलेटर पर निदा की मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिवारीजनों ने रविवार शाम हयात नर्सिंग होम पहुंचकर ऑपरेशन में लापरवाही और वसूली का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित परिवारीजनों को किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया था।

घटना का संज्ञान लेकर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता टीम के साथ हयात नर्सिंग पहुंचे। वहां उन्होंने मरीज के इलाज का रिकॉर्ड मांगा। कई सवाल संचालक से किए, लेकिन वह सही जवाब नहीं दे सके। करीब पौन घंटे बाद इलाज संबंधी दस्तावेज फोटोकॉपी दिया। डॉ. गुप्ता ने फाइल में अलग-अलग राइटिंग में इलाज का विवरण लिखे होने पर जानकारी मांगी तो संचालक चुप्पी साध गए। रात में नर्स, डॉक्टर की ड्यूटी का ब्योरा मांगा है। साथ ही अस्पताल के पंजीकरण के दस्तावेज भी मांगे हैं।

सिजेरियन प्रसव के बाद महिला की मौत, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

परिजन ने ऑपरेशन में लापरवाही का लगाया आरोप

अमृत विचार : चौपटिया के हयात नर्सिंग होम में सिजेरियन प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ गई। गंभीर हालत में महिला की मौत हो गई। नाराज परिजन रविवार शाम हयात अस्पताल पहुंचकर ऑपरेशन में लापरवाही और वसूली

अमृत विचार में मंगलवार को प्रकाशित खबर।

बिचौलिए के माध्यम से मरीज शिफ्ट कराने की आशंका

जांच के दौरान यह भी सामने आ है कि महिला का इलाज वीरांगना अवंतीबाई महिला अस्पताल (डफरिन) में चल रहा था। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक महिला इलाज के लिए हयात नर्सिंग होम कैसे पहुंच गई। यह सवाल मृतक के पीड़ित परिवारीजनों से बातचीत में ही पता चल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फाइल पर दर्ज नंबर पर जानकारी की कोशिश की, लेकिन अभी पीड़ित परिवारीजनों से बातचीत नहीं हो सकी है। ऐसे में टीम ने उस क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मचारियों को परिवार से संपर्क करके बातचीत का जिम्मा भी सौंपा है। टीम ने मरीज को शिफ्ट कराने की आशंका जताई है। अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया घटना की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

मरी माता मंदिर पर सेतु का 88 प्रतिशत निर्माण पूरा, डीएम ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

सुल्तानपुर रोड के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते जिलाधिकारी।

अमृत विचार : शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी विशाख जी ने मंगलवार को मरी माता मंदिर स्थित निर्माणाधीन फ्लाई ओवर और अर्जुनगंज मार्ग पर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक अमित वर्मा ने जिलाधिकारी को बताया कि लखनऊ-सुल्तानपुर मार्ग पर मरी माता मंदिर मंदिर स्थित सकरे लघु सेतु और पहुंच मार्ग का कार्य 15.93 करोड़ की लागत से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग 88 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। दिसम्बर 2025 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। जिलाधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा के

- दिसम्बर तक कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने लखनऊ-सुल्तानपुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर डॉ सचिन वर्मा, परियोजना अधिकारी सेतु निगम इकाई 2 अमित वर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सतेंद्र नाथ, जिला प्रोबेशन अधिकारी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

कैंसर संस्थान के डॉ. प्रमोद को अमेरिका में मिली फेलोशिप

अमृत विचार, लखनऊ : कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के वरिष्ठ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता को अमेरिका के प्रतिष्ठित मियामी कैंसर इंस्टीट्यूट, फ्लोरिडा में अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप का अवसर मिला। इस फेलोशिप को उन्होंने एक बेहद समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए भारत में कैंसर मरीजों की सेवा के लिए नई ऊर्जा देने वाला बताया। डॉ. प्रमोद ने इस इस फेलोशिप के लिए एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एआरओआई) और इसके नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। फेलोशिप के दौरान डॉ. प्रमोद को मियामी कैंसर संस्थान की कार्य संस्कृति, मरीजों की देखभाल की उच्च स्तरीय प्रणाली और अत्याधुनिक रेडिएशन तकनीकों को समझने और देखने का अवसर मिला। यह केंद्र विश्व के उन गिने-चुने संस्थानों में से एक है, जहां एक ही छत के नीचे रेडियोथेरेपी की सभी प्रमुख आधुनिक तकनीकें उपलब्ध हैं।

मेजर जनरल ने सीईई केंद्रों का किया दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : छावनी स्थित मुख्यालय भर्ती जोन के क्षेत्रीय भर्ती अधिकारी मेजर जनरल मनोज तिवारी ने निदेशक भर्ती कार्यालय लखनऊ द्वारा 7 जुलाई को आयोजित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) के केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान निदेशक भर्ती कार्यालय लखनऊ कर्नल अजय पटियाल भी उनके साथ मौजूद रहे। अग्निवीर भर्ती के लिए यह परीक्षा 30 जून से 10 जुलाई 2025 तक पूरे देश में चल रही है। निरीक्षण के दौरान मेजर जनरल मनोज तिवारी ने अभ्यर्थियों से बातचीत की। इसका उद्देश्य ऑनलाइन परीक्षा प्लेटफॉर्म के साथ उनके अनुभवों के बारे में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करना था।

एकेटीयू के कुलपति ने की राज्यपाल से मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 'ए ग्रेड' प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय व नैक की तैयारी के लिए विश्वविद्यालय की गठित टीम के सदस्यों ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किये। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

गोमती नगर विस्तार के चार सेक्टर नगर निगम को हैंडओवर

सुविधाओं के सुधार के लिए एलडीए ने दिए 40.79 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 3 हजार मीटर पाइप लाइन व 2500 मीटर सीवर लाइन का होगा विस्तार

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गोमती नगर विस्तार योजना के सेक्टर-1, 4, 5 व 6 को नगर निगम को हैंडओवर कर दिया है। अब इन सेक्टरों में पेयजल व सीवरेज का जिम्मा नगर निगम संभालेगा। इन कार्यों के लिए एलडीए ने नगर निगम को 40.79 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए हैं। योजना में 3 हजार मीटर पाइप लाइन व 2500 मीटर सीवर लाइन का विस्तार समेत अन्य नगर निगम कराएगा। इससे गोमती नगर विस्तार की बड़ी आबादी को राहत मिलेगी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि इन चारों सेक्टर में पेयजल व सीवरेज कार्य अबतक प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा था। इन सुविधाओं को नगर निगम को हैंडओवर करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। एलडीए व जलकल विभाग की संयुक्त टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया था। इसमें कमियां, मरम्मत, जीर्णोद्धार व निर्माण आदि के कार्य चिह्नित किए गए थे। इन सभी कार्यों को पूर्ण कराने के लिए जलकल विभाग ने 40.79 करोड़ रुपये का एस्टीमेट प्रस्तुत किया था। इस एस्टीमेट को स्वीकृत कर पूर्ण धनराशि विभाग को उपलब्ध करा दी है।

पांच नए जोनल पंपिंग स्टेशन बनेंगे

उपाध्यक्ष ने बताया कि नगर निगम 5 नए जोनल पंपिंग स्टेशन बनवाएगा। इसमें चार नए नलकूप लगेंगे व 26 नलकूप दुरुस्त कराए जाएंगे। इसके अलावा क्षतिग्रस्त हो चुके एक ओवरहेड टैंक का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। अन्य ओवर हेडटैंक की कमियां ठीक कराई जाएंगी। सुपर सक्शन मशीन के माध्यम से लगभग 12 किमी लंबी सीवर लाइन की सफाई व डिसिल्टिंग का कार्य कराया जाएगा। लगभग 350 मेनहोल की मरम्मत भी कराई जाएगी।

सरोजिनी नगर में महिला मिली कोरोना पॉजिटिव

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में 24 घंटे में सरोजिनी नगर की एक महिला कोरोना पॉजिटिव आई है। लक्षण होने पर परिजनों ने निजी लैब से जांच कराई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। सीएमओ कार्यालय की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, कोविड की एक 33 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव पाई गई। महिला त्रिमूर्ति नगर, सरोजिनी नगर की रहने वाली है। उसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज किया जा रहा है। वर्तमान में कुल पॉजिटिव रोगियों की संख्या 85 और एक्टिव केसों की संख्या 8 है।

रैपिड रेल परियोजना की निगरानी समिति गठित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रमुख सचिव आवास होंगे 13 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष

अमृत विचार : लखनऊ से कानपुर के बीच रैपिड रेल चलाने की परियोजना पटरी पर आ गई है। परियोजना की नियमित निगरानी के लिए प्रमुख सचिव आवास की अध्यक्षता में 13 अधिकारियों की एक समिति बना दी गई है। इसमें तीनों जिलों के अधिकारियों को शामिल किया गया है। समिति परियोजना की प्रगति की निगरानी करेगी।

प्रदेश की राजधानी लखनऊ से औद्योगिक शहर कानपुर को रैपिड रेल से जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए अमौसी से कानपुर के नयागंज तक रैपिड रेल चलाई जाएगी। इसके लिए उन्नाव होते हुए 67 किलोमीटर लंबे नमो कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। रैपिड रेल से दोनों शहरों के मेट्रो स्टेशन जोड़े जाएंगे। रैपिड रेल का संचालन होने से लखनऊ से कानपुर का सफर सिर्फ 40 मिनट में तय हो जाएगा। परियोजना की नियमित निगरानी के लिए प्रमुख सचिव (आवास) की अध्यक्षता में 13 अधिकारियों की समिति बनाई गई है। इस समिति का अध्यक्ष प्रमुख सचिव आवास को बनाया गया है। आवास सचिव डॉ. बलकार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। जल्दी ही निगरानी कमेटी की बैठक होगी। शासन ने स्पष्ट कहा है कि समिति को नियमित मॉनीटरिंग कर अपनी रिपोर्ट शासन को भी भेजनी होगी।

समिति में ये अधिकारी बनाए गए सदस्य

निगरानी समिति में लखनऊ और कानपुर के कमिश्नर, कानपुर, लखनऊ व उन्नाव के जिलाधिकारी, एलडीए, केडीए और उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष, यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक, प्रदेश के मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, आवास बंधु निदेशक सदस्य बनाए गए हैं।

सरकार को बजट जाने से फंसा वेतन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एनएचएम कर्मियों के वेतन भुगतान सहित अन्य बजट की राशि फंसी

अमृत विचार : भारत सरकार ने इस बार एनएचएम को बजट भेजने के बजाय सीधे राज्य सरकार के कोषागार में भेज दिया है। इससे एनएचएम कर्मियों का वेतन का भुगतान सहित अन्य बजट जारी नहीं हो सका। अब राज्य सरकार की ओर से प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के पूरे प्रदेश में एक लाख से अधिक कर्मचारी (विभिन्न संवर्ग) के हैं। इनमें डॉक्टरों की संख्या पांच हजार से अधिक है। हर माह पांच तारीख से पहले ही वेतन खातों में पहुंच जाता था। इस बार जून माह का वेतन अभी तक खातों में नहीं पहुंचा है। साथ ही सैकड़ों अस्पतालों को मिलने वाला कायाकल्प और विभिन्न प्रकार के बजट की राशि आवंटित नहीं हो सकी है। सूत्रों का कहना है एनएचएम ने भारत सरकार की गाइडलाइन पर सही से काम नहीं किया। इस वजह से भारत सरकार की ओर से इस साल जनवरी से बजट ही नहीं जारी किया गया था। बमुश्किल अब बजट जारी किया गया, लेकिन वह बजट राज्य सरकार के कोषागार में भेज दिया गया। जबकि बजट सीधे एनएचएम को जाना था। अब कोषागार से बजट निकलवाने के लिए एनएचएम अफसर प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता और महामंत्री योगेश उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों, डॉक्टरों का वेतन न जारी होने पर एनएचएम मिशन निदेशक समेत अन्य को पत्र भेजा गया है। जल्द वेतन जारी करने की मांग की गई है।

जीआरपी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: जीआरपी लाइन में उत्तर प्रदेश रेलवे पुलिस में नवागत समस्त रैंक के पुलिसकर्मियों के तीन दिवसीय कैप्सूल प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हो गया।

इसमें नवागत पुलिसकर्मियों को उत्तर प्रदेश के व्यस्ततम रेलवे नेटवर्क की संरचना, रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था, रेल यात्रियों एवं उनके सामान की सुरक्षा, रेलवे क्षेत्र में घटित होने वाले अपराधों की प्रवृत्ति, एवं जीआरी की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी., पुलिस अधीक्षक रेलवे रोहित मिश्रा तथा पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सेकेंड हरिकेश सिंह उपस्थित रहे।

अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी.।

धर्मपाल के घर शोक व्यक्त करने पहुंचे नीरज और आनंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की माता भगवती देवी के निधन पर मंगलवार शाम को भाजपा नेता नीरज सिंह और लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने लखनऊ महानगर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ उनके पैतृक आवास गांव हुरनंगला, बिजनौर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। धर्मपाल सिंह और परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। भगवती सिंह का निधन 95 वर्ष की आयु में 5 जुलाई की रात को उनके पैतृक आवास पर हुआ था।

धर्मपाल सिंह के पैतृक आवास पर पहुंचे भाजपा नेता नीरज सिंह व आनंद द्विवेदी।

नदी किनारे भूमि सुधार कर कराएंगे खेती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भूमि संरक्षण विभाग ने 400 हेक्टेयर भूमि की चिह्नित

अमृत विचार : जिले में भूमि संरक्षण विभाग बीहड़, बंजर के साथ नदी व नालों की कटान से प्रभावित भूमि सुधार कर कृषि का क्षेत्रफल बढ़ाएगा। विभाग ने वर्ष 2025-26 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के तहत किसानों की 400 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की है। सुधार करके इस भूमि पर फसलें कराई जाएंगी।

सबसे ज्यादा भूमि गोसाईगंज के अंतर्गत गोमती नदी किनारे 125 हेक्टेयर व माल में नाला किनारे 70 हेक्टेयर तक चिह्नित की गई है। यहां बारिश के दौरान कटान के कारण किसान खेती नहीं कर पाते हैं और जलभराव रहता है। जल निकासी का कोई इंतजाम नहीं है। शेष जमीन मलिहाबाद व मोहनलालगंज में चिह्नित की है जो बीहड़, बंजर व ऊबड़-खाबड़ है। भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार ने बताया कि तकनीकी टीम द्वारा कार्ययोजना तैयार कर ली है। जल्द जिला स्तरीय बैठक में प्रस्तुत करेंगे और स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर देंगे।

आठ परियोजनाएं, एक करोड़ बजट

भूमि संरक्षण विभाग ने 400 हेक्टेयर जमीन चिह्नित करके आठ परियोजनाओं में बांटा है। प्राप्त बजट के अनुसार एक करोड़ रुपये का इस्टीमेट तैयार किया है। इससे तकनीकी टीम नदी व नाले की कटान रोकने के लिए बंधा बनाएगी। जलभराव साले स्थान पर जलनिकासी करके जमीन समतल की जाएगी। इसी तरह बंजर व बीहड़ जमीन पर समतलीकरण करके सुधारी जाएगी। किसानों को उनकी भूमि पर खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रोत्साहित करते हुए खाद, बीज व अन्य लागत के लिए प्रति हेक्टेयर सात हजार रुपये दिए जाएंगे।

11 तक बारिश का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ में दोपहर बाद पीजीआई और सरोजनी नगर इलाकों में तेज बारिश हुई। हालांकि शहर के दूसरे हिस्सों में बारिश नहीं होने से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग का अनुमान है कि 11 जुलाई तक बारिश होती रहेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.6 अधिक था। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में 11 जुलाई तक रोज 1-2 बार हल्की बारिश होती रहेगी। इसके बाद मौसम का मिजाज बदलेगा इस बीच धूप-छांव की स्थिति के साथ बारिश की संभावना है।

प्रेस—विज्ञप्ति

तालाबों के पट्टे की नीलामी सूचना

कार्यालय उपजिलाधिकारी तहसील—डलमऊ, जनपद—रायबरेली।

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित तालाबों को मत्स्य पालन हेतु दस वर्षीय आवन्टन/नीलामी के लिये दिनांक 22.07.2025 एवं दिनांक 23.07.2025 को तहसील सभागार डलमऊ में शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में इच्छुक व्यक्ति आवन्टन/नीलामी आवेदन पत्र प्रस्तुत कर भाग ले सकते हैं। आवन्टन की समस्त कार्यवाही उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 61 व उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 57 व 58 में दी गई व्यवस्था के अनुसार सम्पादित की जायेगी। शिविर में आवेदन पत्र के साथ आरक्षित श्रेणी के प्रार्थी को जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। सभी वर्गों के आवेदकों को निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा एक ही तालाब के लिये एक ही श्रेणी के एक से अधिक प्रार्थना पत्र प्राप्त होने की दशा में नीलामी की कार्यवाही की जायेगी। 0.202हे0(0.5 एकड़) से 2.000हे0(5 एकड़) क्षेत्रफल वालें तालाबों का लगान न्यूनतम 2,500/—रूपये व अधिकतम 5,000/—रूपये प्रति हे0 वार्षिक होगा। 2.000 हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों की नीलामी/आवन्टन पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति को रूपये 10,000/— प्रति हे0 (न्यूनतम) वार्षिक की दर पर आवन्टन किया जायेगा। एक से अधिक समितियों के आवेदन पत्र प्राप्त होने पर नीलामी नियमानुसार की जायेगी। नीलामी की बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति को जमानत धनराशि बोली बोलने से पूर्व जमा करना होगा तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलामी ग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि का 1/4 धनराशि तत्काल जमा करना होगा तथा 3/4 धनराशि 15 दिन के अन्दर जमा करना होगा तथा शेष वर्षो की धनराशि लगान के रूप में प्रतिवर्ष 30 जून से पूर्व अदा करना होगा। नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार अन्तिम रूप से उपजिलाधिकारी डलमऊ में निहित है।

नीलामी स्थलः— तहसील सभागार, तहसील डलमऊ दिनांक 22.07.2025 एवं दिनांक 23.07.2025 को प्रातः 10:00बजे से सांय 04:00 बजे तक।

नीलामी अधिकारीः— नायब तहसीलदार डलमऊ।

क्र0	ग्राम का नाम	तालाब, पोखर, जल प्रणालियों का विवरण		राजस्व संहिता की धारा 61 के अन्तर्गत 2.000हे0 से कम क्षेत्रफल वालो तालाबों की लगान 5000/रूपये तथा 2.0 हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का लगान 10,000/—रूपये प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष की दर से आरक्षित है	बोली बोलने के लिये जमानत धनराशि (आरक्षित बोली का 10 प्रतिशत)	नीलामी का दिनांक	नीलामी का स्थान व समय
		गाटा सं0	क्षे0				
1	2	3	4	5	6	7	8
1	आम्बा	574ख	0.4230	2115	220	22.07.2025	तहसील सभागार डलमऊ प्रातः10बजे से सायं 04:00बजे तक।
2	बलीपुर	536ख	0.2590	1295	130	22.07.2025	
3	पिलखा	508मि	0.9650	4825	490	22.07.2025	
4	चकहाजीपुर	2	0.4090	2045	210	22.07.2025	
5	लोदीपुर उतरावां	1947ख	1.2020	6010	600	22.07.2025	
6	लोदीपुर उतरावां	2051ख	0.9270	4635	470	22.07.2025	
7	लोदीपुर उतरावां	2561मि	0.6580	3290	330	22.07.2025	
8	हींगामऊ	1	0.4130	2065	210	22.07.2025	
9	उबरनी	29मि	0.4820	2410	250	22.07.2025	
10	सन्तपुर	98	0.4380	2190	220	22.07.2025	
11	सन्तपुर	559	2.5290	25290	2530	22.07.2025	
12	गंगापुर बरस	188	0.8130	4065	410	22.07.2025	
13	गंगापुर बरस	207	1.0180	5090	510	22.07.2025	
14	पखरौली	1979	0.7590	3795	380	22.07.2025	
15	पखरौली	1549ग	0.8810	4405	440	22.07.2025	
16	पखरौली	1047	0.4300	2150	220	22.07.2025	
17	पखरौली	1972	0.7590	3795	380	22.07.2025	
18	पखरौली	281	18.2800	182800	18280	22.07.2025	
19	पखरौली	150	0.5060	2530	260	22.07.2025	
20	पखरौली	72	0.5970	2985	300	22.07.2025	
21	पखरौली	65	0.6380	3190	320	22.07.2025	
22	पखरौली	35	1.2650	6325	640	22.07.2025	
23	कोरौलीदमा	623	0.5360	2680	270	22.07.2025	
24	जहांगीराबाद	281	0.6250	3125	320	22.07.2025	
25	जहांगीराबाद	26	0.9990	4995	500	22.07.2025	
26	जहांगीराबाद	564ख	0.6450	3225	330	22.07.2025	
27	जहांगीराबाद	564ग	0.7640	3820	390	22.07.2025	
28	पखरामऊ	56	0.3160	1580	160	22.07.2025	
29	कन्धरपुर	116	0.5100	2550	260	22.07.2025	
30	बिझलामऊ	117ख	0.2530	1265	130	22.07.2025	
31	रायपुर टप्पा हवेली	130	0.3410	1705	180	22.07.2025	
32	खलीलपुर	643घ	0.3470	1735	180	22.07.2025	
33	भगवानपुर छतम्बा	168	0.5110	2555	260	22.07.2025	
34	नरेन्द्रपुर	109	0.3160	1580	160	22.07.2025	
35	सेमौरी	188	0.7170	3585	360	22.07.2025	
36	खरगपुर कुमिर्याना	41	0.8310	4155	420	22.07.2025	
37	भनवे	559	0.2400	1200	120	22.07.2025	
38	रामपुर गहिरखेत	32	1.2650	6325	640	22.07.2025	
39	भरसना	173मि	1.9100	9550	960	22.07.2025	
40	अम्बारा मथई	510	0.5440	2720	280	23.07.2025	तहसील सभागार डलमऊ प्रातः10बजे से सायं 04:00बजे तक।
41	जमुनीपुर चरूहार	197	0.3590	1795	180	23.07.2025	
42	गोविन्दपुर माधव	515मि	0.4050	2025	210	23.07.2025	
43	गोविन्दपुर माधव	522मि	0.7650	3825	390	23.07.2025	
44	झरहा	473	0.2590	1295	130	23.07.2025	
45	रामनगर	215	0.5030	2515	260	23.07.2025	
46	मेलखा साहब	686	0.2590	1295	130	23.07.2025	
47	मेलखा साहब	2मि	4.8460			23.07.2025	
		2घ	1.9720			23.07.2025	
		2किता	6.8180	68180	6820	23.07.2025	
48	टिकरिया	459	6.2280	62280	6230	23.07.2025	
49	चूली	686	3.0870	30870	3090	23.07.2025	
50	चूली	739मि	3.9940	39940	4000	23.07.2025	
51	चूली	703	2.8150	28150	2820	23.07.2025	
52	चूली	771	0.9610	4805	480	23.07.2025	
53	चूली	772	1.2270	6135	620	23.07.2025	
54	इस्माइलमऊ	501मि	2.7870	27870	2790	23.07.2025	
55	थुलरई	1मि	3.7980			23.07.2025	
	थुलरई	1द	9.4490			23.07.2025	
		2किता	13.2470	132470	13250	23.07.2025	
56	थुलरई	1318मि	8.1570	81570	8160	23.07.2025	
		58किता	98.192	830670	83280	23.07.2025	

नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता व शर्तें

1—नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता व शर्तें शासनादेश व राजस्व संहिता नियमावली 2016 में प्रतिपादित प्रक्रिया के अनुसार होगी, जो तहसील एवं राजस्व परिषद की वेवसाइट bor.up.nic.in पर उपलब्ध है।

2—नीलामी से सम्बन्धित कोई अन्य जानकारी नीलामी से पूर्व कार्यालय नायब तहसीलदार, डलमऊ से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

3—नीलामी की कार्यवाही नायब तहसीलदार, डलमऊ द्वारा करायी जायेगी।

4—यदि किसी एक ही तालाब के लिये एक ही वरीयता क्रम के एक से अधिक व्यक्ति इच्छुक हैं तो ऐसे तालाबों का आवंटन नीलामी के माध्यम से किया जायेगा।

5—तालाबों की नीलामी बोली सर्वोच्च बोली दाता के पक्ष में की जायेगी। सर्वोच्च बोलीदाता को नीलामी धनराशि का 1/4 भाग तत्काल जमा करना होगा। यदि सर्वोच्च बोली दाता नीलामी धनराशि की 1/4 भाग तत्काल जमा नहीं करता है तो उसके द्वारा अग्रिम जमा धनराशि राज्य सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जायेगी।

6—नीलामी धनराशि की 3/4 भाग 15 दिन के अन्दर जमा करना होगा। यदि नीलाम क्रेता पटटा स्वीकृति के पश्चात 15 दिन के अन्दर अवशेष 3/4 भाग नही जमा करता है तो उसके द्वारा जमा 1/4 भाग धनराशि राज्य सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जायेगी।

7—नीलामी/आवंटन 10वर्षों के लिये किया जायेगा और आवंटी/नीलामी क्रेता को प्रत्येक नीलामी धनराशि के बराबर धनराशि लगान के रूप में प्रतिवर्ष जमा करना होगा।

8— आवंटन /नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा जो नीलाम/आवंटन की तिथि से 06माह से अधिक पुराना न हो।

9—नीलामी/आवंटन की कार्यवाही दिनांक 22.07.2025 व 23.07.2025 को प्रातः 10:00 बजे से तहसील सभागार डलमऊ में की जायेगी।

10—नीलामी/आवंटन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उपजिलाधिकारी डलमऊ का होगा।

11— नीलामी में भाग लेने हेतु ग्राम पंचायत के मछुवा समुदाय का व्यक्ति तत्पश्चात ग्राम पंचायत में निवास करने वाला गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाला अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति/ अन्य पिछड़ा व्यक्ति अथवा सामान्य श्रेणी का व्यक्ति भाग ले सकता है।

12—उक्त मत्स्य पालन नीलामी/आवंटन में 2 हे0 से अधिक तालाब/पोखरों/मीनाशयों की नीलामी/आवंटन पंजीकृत व मत्स्य पालन विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त समितियों द्वारा अदेयता प्रमाण पत्र देने के पश्चात ही नीलामी में प्रतिभाग कर सकेगें।

13—मत्स्य पालन पटटा के लगान का बकायेदार व्यक्ति किसी भी दशा में मत्स्य पालन पटटा की नीलामी में भाग लेने का अधिकारी नहीं होगा।

14— जिन तालाबों के गाटा संख्या का आवंटन हो चुका है या अवधि शेष है त्रुटि वश विज्ञापन हो गया है तो ऐसे तालाबों की नीलामी नहीं की जायेगी।

UP-235683 दिनांक 07.07.2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उपजिलाधिकारी, डलमऊ
रायबरेली।

एक नजर

मजदूरों से हड़ताल को सफल बनाने की अपील

अमृत विचार, लखनऊ: चारों श्रम संहिता रद्द करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रति माह करने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मचारी घोषित करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, सभी फसलों का स्वामीनाथन आयोग के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने, समान काम के लिये समान वेतन देने, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर नियुक्ति करने, बिजली, रेलवे, कोयला स्टील आदि सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने, ठेका प्रथा समाप्त करने आदि मांगों को लेकर होने वाली हड़ताल को सफल बनाने की अपील श्रमिक नेताओं ने की है। एचएमएस के महामंत्री उमाषंकर मिश्रा, एटक के महामंत्री चन्द्रशेखर, इण्टक के मंत्री दिलीप श्रीवास्तव, सीटू के महामंत्री प्रेम नाथ राय, एआईटीयूटीसी के महामंत्री बालेन्द्र कटियार, एक्टू के प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही तथा सेवा की महामंत्री फरीदा जलीस ने बताया कि हड़ताल का आह्वान 10 केन्द्रीय श्रम संगठनों और सैकड़ों स्वतन्त्र फेडरेशन के संयुक्त मंच ने किया है।

हड़ताल को वामपंथी दलों का समर्थन

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त ट्रेड यूनियनों की ओर से आहूत अखिल भारतीय हड़ताल का वामपंथी दलों सीपीएम, सीपीआई, सीपीआई माले, फारवर्ड ब्लाक, आरएसपी तथा लोकतांत्रिक जनतादल ने समर्थन किया है। वामपंथी दलों के पदाधिकारियों ने अपनी सभी इकाईयों द्वारा सक्रिय सहयोग द्वारा हड़ताल को सफल बनाने का आवाहन किया है। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल न केवल मजदूरों बल्कि किसानों, खेत मजदूरों, छात्रों, युवाओं और समाज के अन्य तबकों के हित के लिए एक निर्णायक लड़ाई है।

50 हजार का इनामी जालसाज काके सरदार गिरफ्तार

एसटीएफ की प्रयागराज टीम ने पंजाब के अमृतसर से दबोचा, लखनऊ, गोंडा, बाराबंकी में दर्ज हैं पांच मामले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार।

अमृत विचार: लखनऊ, गोंडा और बाराबंकी में गिरोह बनाकर ठगी करने वाले 50 हजार के इनामी आरोपी हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ गोंडा, लखनऊ और बाराबंकी में पांच मामले दर्ज है। उसने कौशांबी के मंझनपुर में काफी दिनों तक अपना ठिकाना बना रखा था।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़ा गया इनामी जालसाज हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार मूलतः पंजाब के तरन तारन का स्थित बसारके का रहने वाला है। वह कौशांबी के मंझनपुर में रहता था। लखनऊ, गोंडा और बाराबंकी में कई लोगों को बालू की खदान, रेलवे स्क्रैप का ठेका व अन्य कारोबार का लालच देकर करोड़ों रुपये ठगे। इसके गिरोह में कई लोग शामिल हैं।

डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक कुछ दिन पहले इसके अमृतसर में होने की सूचना मिली। टीम गठित कर भेजी गई। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने, पैसे को दोगुना करने का लालच देकर पैसा हड़पने और धोखाधड़ी करने का गिरोह है। गिरोह गोंडा, लखनऊ, बाराबंकी में कई लोगों से ठगी कर चुका है।

पांच कारोबारियों से ठगे ढाई करोड़

हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार ने लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार निवासी शशांक पांडेय से बालू के खनन का पट्टा दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपये वसूल लिये थे। इस मामले में गोमतीनगर विस्तार थाने में चंदन दीक्षित उर्फ गुरुजी, मदन गुप्ता और उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। वहीं, इंदिरानगर जरहरा निवासी मनीष सोनी को दो बालू खदान दिलाने के नाम पर 30 लाख, बाराबंकी के आवास विकास कालोनी निवासी रणविजय सिंह से 71.50 लाख रुपये, गोंडा के परसपुर के सुनील द्विवेदी से 50 लाख और इटियाथोक के पंकज मिश्रा से 50 लाख रुपये ठग लिये। हरवीर सिंह व उसके गिरोह ने इन पांच कारोबारियों से करीब ढाई करोड़ रुपये की ठगी की। एसटीएफ के मुताबिक हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार सपा सरकार में 2014 में कौशांबी जिले के यमुना नदी घाट पर निर्धारित खनन पट्टे से अधिक व अवैध मशीनों से नदी की जलधारा में खनन कराने के लिए चर्चा में आया। सरकार बदली तो कारोबार में घाटा हुआ। इसके बाद उसने लोगों को खनन में साझीदार बनाकर ठगना शुरू कर दिया।

रोहतास बिल्डर्स ने प्लॉट के नाम पर सात लोगों से ठगे 72.62 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोरखपुर के एक परिवार के छह लोग व लखनऊ की एक महिला हुई शिकार
- सुल्तानपुर रोड स्थित हाइटेड टाउनशिप में प्लॉट का दिया गया था झांसा
- हजरतगंज कोतवाली में निदेशक गैंगस्टर भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: रोहतास प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के गैंगस्टर निदेशक भाइयों के खिलाफ 72.62 लाख रुपये हड़पने का आरोप है। एक ही परिवार के छह लोगों समेत सात पीड़ितों ने सुल्तानपुर रोड स्थित हाइटेक टाउनशिप में प्लॉट बुक कर रुपये दिए थे। इसके बाद भी किसी को न तो प्लॉट मिला और न ही रुपये वापस हुए। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल के निर्देश पर हजरतगंज पुलिस ने चारों निदेशकों के खिलाफ दो रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गोरखपुर के गोरखनाथ स्थित आजाद नगर निवासी प्रभाकर सिंह ने बताया कि वर्ष 2012 में वे, रिश्तेदार प्रीति सिंह विसेन, दिवाकर सिंह, विभव सिंह और माधुरी सिंह को जमीन खरीदने के इच्छुक थे। इस दौरान उनकी मुलाकात रोहतास बिल्डर्स के निदेशक परेश रस्तोगी, पीयूष रस्तोगी, पंकज रस्तोगी और दीपक रस्तोगी से उनके हजरतगंज स्थित कार्यालय में हुई। रोहतास निदेशकों ने उन्हें सुल्तानपुर रोड स्थित अपनी इंटीग्रेटेड टाउनशिप में प्लॉट दिखाए। बातचीत में आरोपियों ने कहा कि जमीन खरीदने पर 30 माह के अंदर उसका एग्रीमेंट कर देंगे। तय समय पर प्लॉट न मिलने पर बढ़ी हुई दर से जमीन का पैसा लौटा देंगे।

झांसे में आए प्रभाकर, प्रीति सिंह, दिवाकर सिंह, विभव सिंह, माधुरी सिंह तथा दिवाकर सिंह ने दिसंबर 2012 से 31 अक्टूबर 2015 तक तक रोहतास बिल्डर्स के कार्यालय में 58,34,415 रुपये जमा कर दिए। तय समय बाद भी न तो कंपनी के मालिकों ने प्रभाकर व उनके रिश्तेदारों के नाम न जमीन का एग्रीमेंट किया और न रकम वापस की। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी निदेशकों ने कई फर्जी कंपनियां बनाकर लोगों की गाढ़ी कमाई हड़प ली।

वहीं, चिनहट के कमता स्थित स्वप्न लोक कॉलोनी निवासी सरिता यादव ने बताया कि 2015 में उन्होंने रोहतास में संपर्क किया था। इसके बाद कंपनी के रोहतास क्रिसेंट फार्म्स अपार्टमेंट सुल्तानपुर रोड में 200 वर्ग गज का प्लॉट बुक कराया था। जिसके बाद पीड़िता ने 14.28 लाख रुपये भुगतान भी कर दिया। फिर भी प्लॉट की रजिस्ट्री उनके नाम नहीं की गई। पीड़ितों ने मामलों की शिकायत एसीपी हजरतगंज से की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर हजरतगंज पुलिस ने दो रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

छेड़छाड़ करने वाले को पांच वर्ष की सजा

अमृत विचार, उन्नाव : हसनंगज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 मई-2017 को उसकी नाबालिग बेटी कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर बकिया गांव निवासी रामशंकर गुप्ता की दुकान पर गई थी। तभी रामशंकर ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसे बुरी नीयत से दुकान के अंदर खींचने की कोशिश की थी। शोर सुनकर वह गांव के युवक पिंटू व रामनरेश के पहुंचे और उन्होंने इसका विरोध किया तो रामशंकर अपने बेटे अतुल व चंदन के साथ मिलकर गालीगलौज कर खुरपी से हमला कर दिया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रामशंकर पर पॉक्सो एक्ट व अतुल और चंदन पर धमकी गालीगलौज करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी।

प्रेम जाल में फंसा धर्मांतरण का बनाया दबाव, दी तेजाब फेंकने की धमकी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंकार पर एडिट कर बनायी अश्लील फोटो, चिनहट में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: चिनहट में रहने वाली युवती को युवक ने दोस्ती कर प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा। विरोध पर आरोपी ने तेजाब फेंक कर जीवन बर्बाद करने व परिवार को जान से मारने की धमकी देनी शुरु कर दी। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

20 साल की युवती ने पुलिस को बताया कि करीब दो वर्ष पहले सुल्तानपुर निवासी राशिद से बातचीत शुरू हुई थी। आरोपी राशिद ने प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। दबाव बनाकर राशिद ने सोने की चेन और 10 हजार रुपये खाते में ट्रांसफर कराए। आरोप है कि उसपर धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर राशिद ने उससे कहा कि हम लोग हिन्दू धर्म मानते हैं। विश्वास में लेने के उसने हिन्दू धर्म की कई चालीसा सुनायी।

यही नहीं राशिद ने उससे कहा कि उसके कई रिश्तेदार बांग्लादेश और सऊदी अरब में रहते हैं। धर्म परिवर्तन के बाद वह उसे विदेश लेकर चला चलेगा। धर्मांतरण पर रुपये और कई सुविधाएं मिलेंगी। आरोप है कि आरोपी ने एडिट कर उसकी कई फोटो अश्लील बनाकर वायरल करने की धमकी दी। 1 जुलाई को आरोपी राशिद उनके घर आया। धर्मांतरण से इंकार पर फूल फेंक कर धमकाते हुए चला गया। इसके बाद उनके ताऊ को फोन कर हुसड़िया चौराहे पर बुलाया। वहां राशिद स्कार्पियो में बैठा था। गाड़ी चार लोग और थे। धमकाते हुए राशिद ने कहा कि वह परिवार को जान से मार डालेगा। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करायी है।

सड़क हादसों में दो घायल

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बंथरा के धावापुर निवासी अभिषेक सिंह (30) मंगलवार रात करीब 9 बजे बाइक से सरोजनीनगर में शांति नगर कॉलोनी से निकलकर अपने घर जा रहा था। सेंट थॉमस स्कूल के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक में मार दी। हादसे में अभिषेक घायल हो गया। सीएचसी से लोक बंधु अस्पताल रेफर कर दिया गसरा। बंथरा के नारायणपुर निवासी ई-रिक्शा चालक श्याम किशोर सिंह (40) मंगलवार शाम करीब 4 बजे हरौनी जा रहा था। बनी-मोहान रोड स्थित चौराहे से पहले कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में श्याम किशोर घायल हो गए। पुलिस ने गुडंबा निवासी कार चालक विवेक को हिरासत में ले लिया है।

सार-संक्षेप

राम मंदिर में इसरो चीफ वी. नारायणन के साथ ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा।

इसरो के चीफ ने देखा निर्माणाधीन राम मंदिर परिसर

अयोध्या, अमृत विचार : इसरो के चीफ वी. नारायणन ने एक दिवसीय दौरे के दौरान मंगलवार को रामलला का दर्शन पूजन किया। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर चल रहे कार्यों को भी देखा और कुछ स्थानों की तस्वीर भी ली है। इसके पूर्व राम मंदिर परिसर में पहुंचते ही इसरो के चीफ का श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा स्वागत किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने कहा कि इसरो ने मंदिर के निर्माण में विभिन्न चरणों में अपनी तकनीकों का उपयोग किया है, जिसमें सटीक स्थान की पहचान करना भी शामिल है। इसरो ने अपने उपग्रहों का उपयोग करके मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों की तस्वीरें ली हैं, जिससे मंदिर के निर्माण और आसपास के क्षेत्र को दिखाया गया है।

राम जन्मभूमि के अर्चक प्रदीप दास का कोर्ट में सरेंडर

अमृत विचार, अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि के अर्चक प्रदीप दास ने लूट के मामले में मंगलवार को कोर्ट में सरेंडर किया। इसके बाद जमानत नामा और बंधपत्र दाखिल करने पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया गया। यह आदेश जिला जज रणंजय कुमार वर्मा की अदालत से हुआ। घटना 3 मई 2014 की है। कृष्ण कुमार उर्फ हनुमान दास ने परिवाद दायर करते हुए आरोप लगाया था कि सत्येंद्र दास उर्फ सत्येंद्र कुमार राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी (अब मृतक) अपने सहयोगियों के साथ मिलकर दीवानी वाद लंबित रहते हुए अवैध खनन करके मिट्टी और बालू उनके खेत मीरापुर में इकट्ठा करना शुरू किया। 22 मई 2014 को शाम कृष्ण कुमार पर उसके खेत में जाकर प्राण घातक हमला किया। जान से मारने की धमकी दी। विपक्षी लालचंद शुक्ला, दुर्गेश धर द्विवेदी तथा प्रदीप दास के साथ भाग गए। रात 10 बजे फिर असलहे से लैस होकर आए। लालचंद ने ललकारा। प्रदीप व सत्येंद्र दास ने परिवादी की कनपटी पर असलहा लगाकर 20 हजार छीन लिया। इसके बाद दोनों ने तमंचे से फायर किया। संयोग से गोली उनके बगल से निकल गई। इस मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने सबको लूट, जान से मार डालने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में तलब किया। लाल चंद्र को इसी कोर्ट से अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश हुआ था। मंगलवार को प्रदीप दास ने भी कोर्ट में सरेंडर किया। उनकी जमानत पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास की मृत्यु हो जाने के कारण उनके खिलाफ मुकदमा अबेट कर दिया गया।

24.5 लाख की ठगी के मामले में तीन गिरफ्तार

अमृत विचार, उन्नाव: साइबर सेल टीम ने एनजीओ में 20 करोड़ रुपये डोनेशन दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 24.5 लाख की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को शहर के दोस्तीनगर तिराहे से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। साइबर सेल प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के हजीरा मोहल्ला निवासी अयान खान ने 19 मई 2025 को साइबर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि नीरज कुमार उपाध्याय (रोहतक, हरियाणा), सत्यदेव त्रिपाठी उर्फ सत्या (मुंबई) और दीपक कुमार राय (लखनऊ) ने एनजीओ में 20 करोड़ का डोनेशन दिलाने के नाम पर 24.5 लाख रुपये की ठगी की। साइबर टीम ने जांच के दौरान 3.52 लाख रुपये पीड़ित के खाते में वापस भी कराए थे।

महिला को सम्मोहित कर जेवर ले उड़े

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नाका में सोमवार को उचक्कों ने भूख लगने का झांसा देकर एक महिला को अपने जाल में फंसाया। बातों से सम्मोहित कर उचक्के चेन और अंगूठी उतवाकर भाग निकले। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

रकाबगंज के काशीखेड़ा निवासी युसूफ खान ने बताया कि पत्नी जीनत सोमवार को किसी काम से नक्खास गई थी। उन्होंने घर आने के लिए एक ई-रिक्शा रुकवाया। रिक्शे पर दो युवक पहले से बैठे थे। कुछ दूर जाने के बाद दोनों युवकों ने भूखा होने की बात कहकर खाना खिलाने को कहा। उन्होंने बताया कि उनके पास सिर्फ 50 रुपए हैं।

इसपर दोनों ने कहा कि चारबाग में सस्ता खाना मिलता है वहीं चलकर खिला दीजिए। बातों में फंसाकर उचक्के उन्हें चारबाग दूधमंडी मोड़ पर स्थित बिरयानी की दुकान ले गए। बिरयानी खाते टप्पेबाजों ने जीनत को बातों में सम्मोहित कर लिया। फिर उनकी सोने की चेन और तीन अंगूठी उतरवा फरार हो गए।

प्रॉपर्टी डीलर पर महिला ने लगाया अभद्रता का आरोप

अमृत विचार, गोसाईगंज : प्रॉपर्टी डीलर पर एक महिला ने अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़िता ने बताया कि सारी घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी में रिकार्ड है। आलमबाग निवासी पीड़िता ने बताया कि महेन्द्र शुक्ला निवासी लल्लन सिंह नगर अर्जुनगंज के घर में बने कार्याल में अपने पति के कुछ हिसाब को लेकर सोमवार को बात करने गई थी। आरोप है कि महेंद्र ने स्टॉफ के सामने गाली-गलौज करते हुए जूता मारने के लिए उतारा। उसके बाद हाथ पकड़कर धक्का देकर भगा दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

दुकानदार ने मुनीम को चोरी करते पकड़ा

अमृत विचार, हरदोई : चौधरियापुर तिराहा पर लमकन गांव निवासी परमेश कुमार आरके ज्वैलर्स के नाम से सर्राफा दुकान खोले हैं। उनके यहां सुधीर कुमार निवासी ग्राम नीभापुर पिछले दो वर्षों से मुनीम के रूप में कार्य कर रहा है। शुक्रवार की शाम सोने का हार चुराकर जब वह बाइक की डिग्गी में रख रहा था तो दुकानदार की नजर पड़ गई, उसने उसके सामने ही जब स्टॉक का मिलान कराया तो लगभग 25 लाख के गहने बायब मिले। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी, पुलिस की पूछताछ में मुनीम के पास से लगभग 39 ग्राम सोने की ज्वेलरी एवं 760 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है।

दायित्व का निर्वहन न करने पर मुख्य अभियंता होंगे निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अधीक्षण अभियंता व अधिशासी अभियंता को चार्जशीट

अमृत विचार : वाराणसी के मुख्य अभियंता (द्वितीय क्षेत्र) को कर्तव्यों व दायित्वों का ठीक से निर्वहन न करने के कारण निलम्बित करने का निर्णय लिया गया। जबकि अधीक्षण अभियंता व अधिशासी अभियंता को चार्जशीट दी जाएगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने इस सिलसिले में निर्देश जारी किए। अध्यक्ष मंगलवार को वितरण क्षेत्रों की वीडियों कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर रहे थे।

समीक्षा बैठक में बदलापुर की बिजली व्यवस्था अच्छी न होने पर मुख्य अभियंता (द्वितीय क्षेत्र) वाराणसी से इसका कारण पूछा गया। इस पर उन्होंने वर्ष 2024 के बिजनेस प्लान के कार्य पूरा न हो पाने के कारण समस्या बताई। साथ ही, कार्य पूरा न होने का कारण सामग्री की अनुपलब्धता बताई। अध्यक्ष के यह पूछे जाने पर कि सामग्री की उपलब्धता इआरपी पर चेक की गई है?

इसका उत्तर मुख्य अभियंता नहीं दे पाए। दोबारा पूछे जाने पर कि क्या इआरपी चलाने का ज्ञान उन्हें है? इसका उत्तर उन्होंने दिया कि उनको इसे चलाने का ज्ञान नहीं है। इस पर उन्हें निलम्बित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही यहां के अधीक्षण अभियन्ता व अधिशासी अभियंता को भी चार्जशीट देने का निर्णय लिया गया।

बियर विक्रेता समझ दबंगों ने पीटा, पथराव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नाका में पेन ड्राइव खरीदने आए दो दोस्तों को बियर विक्रेता समझकर स्कूटी सवार दबंगों पीट दिया। विरोध पर आरोपी पथराव करते हुए भाग निकले। पीड़ित की तहरीर पर नाका पुलिस तीन नामजद व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आलमबाग समर विहार निवासी जय मखीजा ने बताया कि सोमवार रात वह नाका इलाके में दोस्त के साथ पेन ड्राइव खरीदने आए थे। देर रात वह मोहन होटल के पास किसी का आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान दो स्कूटी पर सवार छह युवक आए। पूछा कि यहां बियर मिलती है।

उनके मना करने पर स्कूटी सवार चले गए। कुछ ही देर बाद आरोपी वापस लौटकर आए। उन्हें धक्का देकर गिरा दिया और पिटाई कर दी। विरोध पर आरोपी पथराव करते हुए भाग निकले।

इंस्पेक्टर नाका वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि नाका निवासी मोहित, रंजीत, प्रियांशु व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

14 लोगों का शांतिभंग में किया गया चालान

अमृत विचार, रुदौली : कोतवाली रुदौली के ग्राम कुल्फी के पूरवा बारी में रास्ते में निर्माण को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पुलिस ने 14 लोगों का शांति भंग की आशंका में चालान किया। कोतवाल संजय मौर्य ने कहा कि रास्ते में निर्माण किए जाने की शिकायत मिली थी। दोनों पक्षों में एक पक्ष से लक्ष्मण प्रसाद, सुनील कुमार, बुधीराम,गया देवी, दयावती, पुष्पा देवी, सरिता और प्रभावती दूसरे पक्ष के राकेश कुमार, मुकेश कुमार, शिवबरन सुधरा, किरन, सीमा का चालान शांति भंग में किया गया है।

वर्ग पहेली-26

बाएं से दाएं

1. जिसका संस्कार हुआ हो।
5. 1. जगमगाने की अवस्था या भाव, दमक 2. प्रकाश में होने वाली चमक, चमचमाहट।
7. 1. वनरक्षक, वनमाली, बागवान, (गार्डनर) 2. माला बनाने वाला व्यक्ति 3. बादल, मेघ 4. बहुत घने जंगलों वाला प्रदेश।

ऊपर से नीचे

1. 1. नाज़ुक 2. जोखिम भरा 3. संकट में फंसा हुआ।
2. विभाजन करने वाला, अलग-अलग हिस्सों में बांटने वाला।
3. 1. धुआं 2. बादल 3. धूमकेतु 4. उल्कापात 5. कोहरा 6. अपच के कारण आने वाली डकार 7. एक ऋषि 8. मकान बनाने के लिए तैयार किया गया स्थान।
4. वह कागज़ जिसपर संपत्ति गिरवी रखने की शर्तें लिखी गई हों।
6. गीदड़ नामक जानवर।

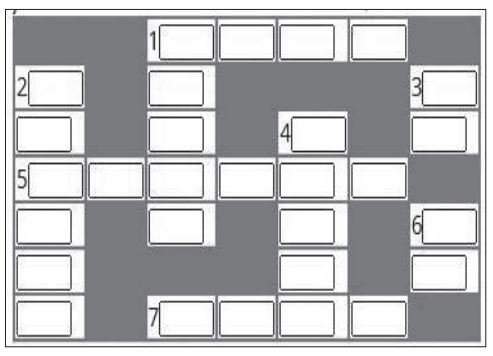

वर्ग पहेली -25 का हल

		1 पु				2 चु
3 अ	व	स	रा	नु	कू	ल
व			भि			बु
पी			ले			ल
ड़			खा		4 वा	
न		5 ठ	गा	ठ	गी	
	6 दी	ग	र		श	

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 9 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी-10 जुलाई 01.36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

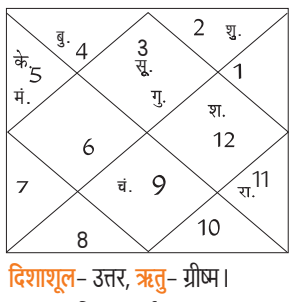

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 10 जुलाई 04.50 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष

आज विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन अटक सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। महिलाओं से अधिक बहसबाजी न करें। जीवनसाथी की सलाह लेना हितकारी होगा।

वृष

आज का दिन कुछ कमजोर हो सकता है। शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। छोटे बच्चों की परेशानियों को हल्के में न लें। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। भाई-बन्धुओं के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

कर्क

आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। अनावश्यक बातों पर ध्यान न दें। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

सिंह

आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आपका मन लगेगा। तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें। विद्यार्थी आज कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या

आज व्यापार में नया प्रयोग कर सकते हैं। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। संपत्ति के क्रय-विक्रय से आपको लाभ होगा।

तुला

आज जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनन्द उठायेंगे। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। पिकनिक का विचार बना सकते हैं। सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद मिल सकता है।

वृश्चिक

आज परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। इससे आपके मन का तनाव दूर होगा। जीवन में उन्नति के नये अवसर बनेंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु

आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मकर

आज आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य कम हो सकता है।

कुंभ

आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिस्थितियों में धीरे-धीरे सुधार आयेगा। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

मीन

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप काफी समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

एक नजर

संविदा चालकों की भर्ती के लिए लगेगा रोजगार मेला

बरेली : रोडवेज में संविदा चालकों और महिला परिचालकों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए रोजगार मेले का आयोजन होगा। अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। महिला परिचालकों के लिए 18 जुलाई को रोजगार मेला क्षेत्रीय कार्यशाला में लगेगा। महिला अभ्यर्थी का इंटरमीडिएट पास होना और उसके पास एनसीसी प्रमाण पत्र होना जरूरी है। इसके अलावा 4 और 5 अगस्त को संविदा चालकों की भर्ती के लिए रोजगार मेला आयोजित होगा। चालक पद के के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। उम्र 23 साल छह माह और न्यूनतम लंबाई पांच फुट तीन इंच होनी चाहिए।

विधवा ने देवर पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

पीलीभीत : जिले में एक विधवा महिला ने अपने देवर पर दुष्कर्म और ससुराल के लोगों पर जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पुलिस सूत्रों में मंगलवार को बताया कि इस सिलसिले में बीसलपुर थाने में दर्ज कराई गई एक शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि डेढ़ साल पहले उसके पति की मौत के बाद उसके देवर ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। गर्भवती होने पर ससुराल के लोगों ने उसका जबरन गर्भपात करा दिया। बीसलपुर थाने के प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि शिकायत मिल गई है और मामले की जांच की जा रही है।

गुस्साए कांवड़ियों ने ढाबे में की तोड़फोड़

मुजफ्फरनगर : जिले में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात खाने में प्याज परोसने से गुस्साए कांवड़ियों ने एक ढाबे में तोड़फोड़ की। पुलिस अधीक्षक (शहर) सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कांवड़ियों को शांत कराया।

अस्पताल के बेड पर नीले रंग की चादर देख भड़के उप मुख्यमंत्री

शासनादेश की जानकारी न होने पर सवालों का जवाब नहीं दे पाईं सीएमओ

संवाददाता, मनकापुर

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मनकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से वहां मिल रही दवाओं व अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बेड पर बिछे चादर के रंग को लेकर उप मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। स्वास्थ्य केंद्र में कई खामियां मिली।

मरीजों ने बाहर से दवा लिखने और निजी पैथोलॉजी से जांच कराए जाने की शिकायत की। इस पर उन्होंने सीएमओ को फटकार लगाते हुए कहा कि कहा कि अस्पताल में उपलब्ध दवाओं का ही उपयोग करें, ताकि मरीजों पर आर्थिक बोझ न पड़े। दवाओं की आपूर्ति में देरी पर नाराजगी जताते हुए डिप्टी सीएम ने कहा, दवा खत्म होने के 15 दिन पहले उसकी डिमांड भेज दें। आप लोग तब डिमांड करते हैं जब एक टेबलेट बचती है। यह लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के बाद डिप्टी सीएम ने मंडलीय स्वास्थ्य समिति की बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सीएमओ से मरीजों के बेड पर बिछाई गई चादर के रंग को लेकर सवाल किया तो वह इसकी जानकारी नहीं दे सकीं। डिप्टी सीएम ने पूछा कि शासनादेश पढ़ा है तो सीएमओ चुप रहीं। शासनादेश के मुताबिक मंगलवार को ऑरेंज कलर की चादर बिछाने का निर्देश है। शासनादेश की जानकारी न होने से नाराज डिप्टी सीएम ने सीएमओ को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। मरीजों को तकिया देने का शासनादेश है जो मौके पर नहीं मिला। इसे कार्यशैली में ढिलाई मानते हुए उन्होंने जवाबदेही तय करने को कहा।

उन्होने सीएमओ व सभी एसीएमओ को निर्देश दिया कि वह लगातार भ्रमणशील रहें और सप्ताह में 4-5 अस्पतालों का निरीक्षण करें। उन्होंने अस्पताल के नोडल अधिकारियों को एम्बुलेंस के ड्राइवर व एमटी के द्वारा लाकर भर्ती कराए गए मरीजों को क्रॉस चेक करने का निर्देश भी दिया।

समीक्षा के बाद डिप्टी सीएम ने कहा कि अस्पताल में सभी तरह की दवाएं उपलब्ध हैं। कुत्ता, बंदर व सांप काटने का इंजेक्शन भी पर्याप्त मात्रा में है। निरीक्षण में जो कमियां मिली हैं उन्हे दूर करने का निर्देश दिया गया है। समीक्षा के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री, आईजी अमित पाठक, डीएम नेहा शर्मा आदि मौजूद रहे।

मनकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

एम्बुलेंस व्यवस्था की गड़बड़ी पर दिखाई सख्ती

डिप्टी सीएम ने एम्बुलेंस संचालन में अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां एमटी और ड्राइवर खुद फोन कर एम्बुलेंस बुलवाते हैं और फिर अस्पताल रजिस्टर में उसका फर्जी रिकॉर्ड दर्ज कर दिया जाता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नोडल अधिकारी सब क्रॉस चेक करें।

जन आरोग्य मंदिर की स्थिति में सुधार के निर्देश

डिप्टी सीएम ने आरोग्य मंदिरों की स्थिति पर भी चिंता दिखाई। कहा कि आरोग्य मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग लगाया जाना चाहिए, आसपास पानी नहीं भरा होना चाहिए और न ही गंदगी होना चाहिए। उन्होंने इसके लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा से कहा कि सभी बीडीओ ग्राम पंचायत से प्रस्ताव लेकर इसको ठीक कराए।

तालाब में नहाने गईं चार बालिकाएं डूबीं, तीन की मौत

संवाददाता, भगतपुर /मुरादाबाद

अमृत विचार : तालाब में नहाने गईं चार बालिकाएं गहरे पानी में डूब गईं। किसी तरह बचकर निकली एक बच्ची ने गांव जाकर सूचना दी जिसके बाद ग्रामीणों ने गोताखोरों को बुलाकर बालिकाओं को तालाब से निकलवाया। तीनों बच्चियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

ठिरियादान गांव निवासी शाकिर की 10 वर्षीय पुत्री उजमा, 8 वर्षीय पुत्री निकहत, सोनू की 8 वर्षीय पुत्री आराध्या एवं सतपाल की 8 वर्षीय पुत्री प्रियांशी मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे पशुओं के लिए चारा लेने के लिए गई थीं। वहां चारों तालाब में नहाने लगीं। नहाते समय उजमा, निकहत और आराध्या गहरे पानी में चली गईं। प्रियांशी ने जैसे-तैसे तालाब से बाहर आकर शोर मचाया लेकिन आसपास खेतों में कोई नहीं था। उसने गांव जाकर बताया तो परिजन और ग्रामीण तालाब के पास पहुंच गए। नजदीक के गांव मिलक धर्मपुर से गोताखोर आसिफ और जाबिर को बुलाया। दोनों गोताखोरों ने तालाब में करीब 10 मिनट तलाशने के बाद तीनों बच्चियों को निकाल लिया। उजमा और निकहत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर एवं आराध्या को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा ले जाया गया। डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी भगतपुर रविंद्र प्रताप सिंह, हल्का लेखपाल ने गांव एवं अस्पताल जाकर जानकारी ली। परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

आराध्या

निकहत

उजमा

लापता बच्ची का तालाब में मिला शव

भदोही : जिले में सोमवार से लापता छह साल की बच्ची का शव मंगलवार को संदिग्ध परिस्थिति में एक तालाब में मिला। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि गोपीगंज थाने के अंतर्गत बिरनई गांव के रामू यादव ने सोमवार रात पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी बेटी आकांक्षा यादव (6) शाम 6 बजे से लापता है। इस सूचना पर रात से ही बच्ची की तलाश की जा रही थी और मंगलवार को रामू यादव के घर से 100 मीटर की दूरी पर प्राथमिक विद्यालय के पीछे एक तालाब से बच्ची का शव मिला। गांव के प्रधान राजबलि उपाध्याय ने बताया कि गांव में पाइप डालने का काम हो रहा था भीड़ में लोगों के साथ आकांक्षा भी देखी गई थी और उसके बाद वह लापता हो गई।

तबादला आदेश की अवहेलना पड़ी भारी एडीएम सस्पेंड

बिजनौर : सरकार के तबादला आदेश की अवहेलना करना बिजनौर के एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अरविंद कुमार सिंह को महंगा पड़ गया। नियुक्ति विभाग ने उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया। 2012 बैच के पीसीएस अधिकारी अरविंद कुमार सिंह तीन साल से बिजनौर में एडीएम एफआर थे। सरकार ने 30 मई 2025 को पीसीएस अफसरों के व्यापक तबादले किए थे। इस सूची में अरविंद कुमार सिंह का नाम भी शामिल था और उन्हें देवरिया में नई तैनाती दी गई थी। एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उन्होंने न तो बिजनौर का पदभार छोड़ा न ही देवरिया में कार्यभार ग्रहण किया।

मेरठ के पास एक गांव के खेत में धान के पौधे लगाते मजदूर। ● एजेंसी

जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड ने तीमारदार को पीटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सुरक्षा गार्ड से वाहन परिसर में खड़ा करने की बात पर हुआ विवाद

अमृत विचार : जिला अस्पताल में ओपीडी के बाहर मंगलवार को मोटरसाइकिल खड़ी करने पर सुरक्षा गार्ड ने तीमारदार के पैर में डंडा मार दिया। इसका तीमारदार ने विरोध किया और जमकर हंगामा हुआ। मरीज देख रहे डॉक्टर और स्टाफ ओपीडी के बाहर एकत्र हो गए और अन्य सुरक्षा गार्ड भी मौके पर आ गए। स्वास्थ्य अफसरों ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया।

सुभाषनगर निवासी पप्पू अपने एक रिश्तेदार को दिखाने के लिए जिला अस्पताल में दोपहर करीब 12 बजे पहुंचे। उन्होंने जानकारी के अभाव के चलते अपनी बाइक ओपीडी के बाहर खड़ी कर दी। इतने में सुरक्षा गार्ड ने तुरंत गाड़ी हटाने को कहा। पप्पू बाइक हटाते कि इतने में ही गार्ड ने उनके पैर में डंडा मार दिया। इसका विरोध उनके साथ आई पप्पू की पत्नी ने किया। दोनों ही पक्षों में जमकर नोकझोंक हुई। जानकारी मिलने पर एडीएसआईसी कार्यालय से मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. एलके सक्सेना पहुंच गए और मामला शांत कराते हुए सुरक्षा गार्ड को मरीजों से सुगम व्यवहार करने को कहा और भविष्य में इस प्रकार की चूक पर विभागीय कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है।

अवध असम एक्सप्रेस के यात्री की सतर्कता से टला रेल हादसा

बरेली : अवध असम एक्सप्रेस के यात्री की सूझबूझ से मंगलवार को संभावित रेल दुर्घटना टल गई। हरदोई से लगभग 17 किलोमीटर दूर बेहटा गोकुल और टोडरपुर स्टेशन के बीच अवध असम एक्सप्रेस कुछ देर के लिए रुकी थी। तभी यात्री की नजर सामने दूसरे रेलवे ट्रैक पर पड़ी, जहां कई पेंड्रोल क्लिप्स टूटी हुई थीं। यात्री ने तुरंत इसकी सूचना रेल अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम अलर्ट हो गई और संबंधित ट्रैक की जांच कर क्षतिग्रस्त क्लिप्स को बदला गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्री की सजगता की सराहना करते हुए कहा कि उसकी समय पर दी गई जानकारी से बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक समेत 4 पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

पीएम किसान निधि घोटाला

21 फर्जी खातों के जरिये 1.31 करोड़ का घोटाला करने का आरोप

अमृत विचार : फरीदपुर स्थित जिला सहकारी बैंक शाखा में किसानों को दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के खातों के जरिये 1.31 करोड़ रुपये का घोटाला करने के आरोपी चार बैंक अफसरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बैंक में तैनात वरिष्ठ सहायक अंकित कुमार ने बताया कि शाहजहांपुर निवासी किसान अशोक यादव ने सहकारी बैंक महाप्रबंधक से शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्तें उसके खाते में नहीं आ रही हैं, जबकि पोर्टल पर भुगतान दिख रहा है। इसके बाद सहकारी बैंक के डिप्टी जीएम ने 16 मई को फरीदपुर शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सामने आया कि किसानों की पीएम किसान निधि की रकम को 21 फर्जी खातों में ट्रांसफर करने के बाद नकदी की निकासी की गई है। इन खातों का असली किसानों से कोई संबंध नहीं था। प्राथमिक जांच में 1.31 करोड़ रुपये के गबन होने की पुष्टि हुई। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए बैंक प्रशासन ने 23 मई को तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की।

जांच में गौरव वर्मा, मुकेश कुमार गंगवार, चंद्र प्रकाश और दीपक पांडे दोषी पाए गए। इसके बाद चारों के खिलाफ मंगलवार को फरीदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, कूट रचना और पद के दुरुपयोग जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

सिस्टम से छेड़छाड़, अकाउंट नंबर भी बदले

गठित कमेटी ने जांच आगे बढ़ाई तो खुलासा हुआ कि गबन करने वालों ने बैंक के कंप्यूटर सिस्टम से जान बूझकर छेड़छाड़ की। असली खातों की जगह नकली खातों में धन राशि ट्रांसफर की गई। कई बार किसानों के खातों का आईएफएससी कोड और बैंक खाते नंबर बदल दिए गए, जिससे राशि गलत खाते में जाए और किसानों को शक भी न हो।

जिले भर की शाखाओं में शुरू हुई जांच

फरीदपुर घोटाले के बाद बरेली जिले की सभी सहकारी बैंक शाखाओं में खातों की स्क्रूटनी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों को आशंका है कि इसी तरह के फर्जीवाड़े अन्य शाखाओं में भी हो सकते हैं। अब यह घोटाला सिर्फ एक शाखा तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह जिलाव्यापी जांच का आधार बन चुका है। ऐसे में चारों की निलंबन के बाद बर्खास्तगी जल्द हो सकती है।

बागपत में दूध व्यापारी की गोली मारकर हत्या

बागपत : जिले में एक दूध व्यापारी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह घटना का पता चलने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्या के विरोध में राजमार्ग जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस के अनुसार, घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत संतोषपुर गांव के पास बाघू रोड पर सोमवार रात हुई, जहां 28 वर्षीय विपिन उर्फ गोंदू को उस समय निशाना बनाया गया जब वह अपने घर लौट रहा था। हमले में व्यापारी की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बागपत के अपर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है और जांच जारी है।

छांगुर जैसे लोग समाज के लिए चुनौती : भूपेंद्र

संवाददाता, गोंडा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज ठाकरे के हिंदी विरोध को बताया दुखद

अमृत विचार : बलरामपुर में धर्मांतरण का धंधा चलाने वाले छांगुर उर्फ जलालुद्दीन के खिलाफ हो रही कार्रवाई पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि ऐसे लोग तथा इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए चुनौती है। इस प्रकार के जो लोग समाज विरोधी गतिविधि में शामिल है वह देश में आबादी का संतुलन बिगड़ने का काम कर रहे हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संकल्पित है।

उन्होंने राज ठाकरे के हिंदी विरोध को दुखद बताया और कहा कि इस तरीके से विवादित बयान देकर समाज में विवाद पैदा करने का काम राज ठाकरे और शिवसेना के लोग कर रहे हैं। इसका जवाब निश्चित रूप से जो तथाकथित इंडी गठबंधन के लोग हैं उनको देना चाहिए। यह लोग समाज में अनिश्चितता और भेदभाव पैदा करके देश को और समाज को क्या दिशा देना चाहते हैं।

यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मंगलवार को केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता कुंवर आनंद सिंह के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देने गोंडा पहुंचे थे। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को लेकर के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर बुधवार से शुरू हो रहे पौधरोपण महाअभियान को सकुशल संपन्न कराने के लिए दिशा निर्देश दिया। गोरखपुर में बिटिया के एडमिशन को लेकर चल रहे राजनीति पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाज के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो संवेदनशीलता दिखाई है वह हमारा भावनात्मक जुड़ाव है। यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है। समाजवादी पार्टी के लोग किसी न किसी विषय में राजनीतिक एंगल ढूंढने का प्रयास करते हैं लेकिन प्रदेश की जनता उनके बारे में सब जानती है।

कार व ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार के तीन की मौत

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और ट्रक के बीच हुई टक्कर में कार सवार दंपति और उनके तीन वर्षीय बेटे की मौत हो गयी, वहीं तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम निवासी सुमित (28), पत्नी पूजा (26) और उनका बेटा निशांत (3) तथा तीन अन्य लोग स्नान के लिये रविवार देर रात हरिद्वार जा रहे थे। रास्ते में मुजफ्फरनगर जिले के छपार इलाके में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनकी कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई। दुर्घटना के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार लोगों में से सुमित, पूजा और उनके बेटे की मौत हो गयी। हादसे में घायल तीन अन्य लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिये हैं। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

दंपति व उनके बेटे की फाइल फोटो।

गबन मामले में दो डाक कर्मी गिरफ्तार

संवाददाता, बलरामपुर

आरोपियों में पोस्टमास्टर नरेन्द्र प्रताप व सहकर्मी सुनील शामिल

अमृत विचार : उतरौला के उपडाकघर में 1 करोड़ 60 हजार 249 रुपये के गबन के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पोस्टमास्टर नरेन्द्र प्रताप और सहकर्मी सुनील कुमार शामिल हैं। घटना के समय दोनों आरोपी उप डाकघर उतरौला में ही तैनात थे।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र प्रताप सिंह और क्षेत्राधिकारी ललिया डॉ0 जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उतरौला अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी पोस्टमास्टर नरेन्द्र प्रताप ने पूछताछ में बताया कि उसने उपडाकघर उतरौला में सरकारी धन का गबन करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए और सरकारी धन को अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग किया। उसने बताया कि जब उसने उपडाकघर उतरौला का कार्यभार ग्रहण किया, तब उसे पता चला कि खजांची नियुक्त नहीं है और खजांची का कार्य पोस्टमास्टर द्वारा ही किया जा रहा था। इस बात का फायदा उठाकर साथी सुनील सुनील कुमार से मिलीभगत करके उसने सरकारी धन का गबन किया।

गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उतरौला अवधेश राज सिंह, उपनिरीक्षक अनिल कुमार, आरक्षी राहुल त्रिवेदी, सुरेंद्र कुमार, विमलेश सिंह और अतीश कुशवाहा शामिल थे। एसओजी/सर्विलांस टीम और सोशल मीडिया सेल की भी इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर गोण्डा रोड नहर पुलिया भडवाजोत के पास से गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली उतरौला में मामला दर्ज है।

उत्तराखंड

शुक्र को यौवन पर रहेगा चांद, रात चांदनी रंग में नहाएगी

भारतीय पंचांग में गुरु पूर्णिमा को समर्पित, यूरोपीय देशों में इसे बक मून का नाम दिया गया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : चांद के लिहाज से शुक्रवार (11 जुलाई) की रात खास होने जा रही है। चंद्रमा पूरे यौवन पर होगा और रात चांदनी रंग में नहाई होगी। यूरोपीय देशों में इसे बक मून यानी नर हिरन का नाम दिया गया है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, आगामी 11 जुलाई को पूर्ण चंद्रमा की रात होगी। इस रात चंद्रमा आकाश में सूर्य के विपरीत अवस्था मे होता है, जिस कारण चंद्रमा पर सूर्य की रोशनी अधिक पढ़ रही होगी। इस रात चंद्रमा सूर्य से सबसे दूर मौजूद होता है। इसके बावजूद वह अनोखी चमक के साथ नजर आएगा। मानसून का मौसम होने के कारण चंद्रमा की आभा भी कुछ बदली हुई नजर आएगी। इसकी वजह वातावरण मे छाई आद्रता होगी। मानसून के चलते जुलाई का मौसम स्वच्छ होता है, मगर बादल चंद्रमा के नजारे में विघ्न डालते हैं।

बहरहाल, बादलों के झुरमुट के बीच चंद्रमा का नजारा अधिक सुंदर हो जाता है। यूरोपीय देशों में पूर्ण चंद्रमा की रात में कई तरह के आयोजन किए जाते हैं जिसके चलते पूर्ण चंद्रमा को हर महीने अलग-अलग नाम द्यदिए जाते हैं।

कब किसको समर्पित पूर्णिमा की रात

नैनीताल। भारतीय पंचांग के अनुसार पूर्णिमा को भी विशेष महत्व दिया जाता है, जिनमें गुरु पूर्णिमा आषाढ़ माह में गुरु को समर्पित मानी जाती है। शरद पूर्णिमा आश्विन माह चंद्रमा की सोलह कलाएं पूर्ण होती हैं। होलिका पूर्णिमा फाल्गुन माह में होली पर्व पर आधारित है, जबकि बुद्ध पूर्णिमा वैशाख माह भगवान बुद्ध का जन्मदिन मनाया जाता है। इसके अलावा, पूर्ण चंद्रमा का वर्ष के शुरुआती माह जनवरी वोल्फ मून, फरवरी में स्नो मून, मार्च में वॉर्म मून, अप्रैल पिंक मून, मई फ्लॉवर मून, जून स्ट्रॉबेरी मून, जुलाई बक मून, अगस्त स्टर्जन मून, सितंबर कॉर्न मून, अक्टूबर हंटर मून, नवंबर बीवर मून व दिसंबर में कोल्ड मून के नाम से पहचाना जाता है। चन्द्रमा के वैज्ञानिक नामों की बात करें तो जब एक ही महीने में दो फुल मून होते हैं तो दूसरे फुल मून को ब्लू मून कहते हैं। जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे पास होता है तो उसे सुपर मून कहते हैं और सामान्य से बड़ा और चमकीला दिखता है। चंद्र ग्रहण के दौरान लाल नजर आने वाले चंद्रमा को ब्लड मून कहा जाता है और जब चंद्रमा पृथ्वी से सर्वाधिक दूरी पर होता है तो उसे माइक्रो मून कहा जाता है।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार : धामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड निवास परिसर में मंगलवार को 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के आउटलेट का उद्घाटन करते कहा कि, यह आउटलेट देवभूमि की पारंपरिक धरोहर और जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी में संगठित रूप में प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। इसके माध्यम से राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति को देश के सामने लाने के साथ स्थानीय उत्पादों को नए बाजार भी मिलेंगे।

प्रमुख सचिव की फोटो लगा साइबर अपराधी मांग रहे पैसा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

कार्रवाई करने के लिए एसएसपी को भेजी शिकायत

अमृत विचार : साइबर अपराधी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्य के प्रमुख सचिव ऊर्जा, आवास एवं नियोजन आर. मीनाक्षी सुन्दरम की प्रोफाइल फोटो व्हाट्सअप डीपी पर लगाकर एक बार फिर साइबर अपराधी, अधिकारियों और अन्य लोगों से पैसों की मांग कर रहे हैं।

प्रमुख सचिव ने मंगलवार को एसएसपी देहरादून अजय सिंह को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपने व्हाट्सअप नंबर की प्रोफाइल पर उनकी फोटो लगाकर कई लोगों और अधिकारियों से अनावश्यक रूप से पैसों की डिमांड की जा रही है, जिसमें गूगल पे नंबर पर रकम भेजने की बात की जा रही है। प्रमुख सचिव ने इसकी स्क्रीन शॉट की फोटो कॉपी संलग्न कर, इस प्रकार के कृत्य को उनकी छवि खराब करने की चेष्टा बताई। प्रमुख सचिव ने यह भी बताया कि पूर्व में भी उनके नाम से इसी प्रकार से विभागीय अधिकारियों से अनावश्यक मांग की गई थी, जिसकी शिकायत भी उनके द्वारा 28 मार्च, 2024 को पत्र भेजकर की गई थी। उन्होंने एसएसपी से एफआईआर दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

व्यापार समझौते पर सावधानी बरते भारत

जीटीआरआई ने कहा- जवाबी शुल्क के सामने झुकाने का है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल

- समयसीमा बढ़ाए जाने से भारत को मिला तीन सप्ताह का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल मुक्त व्यापार समझौते का नहीं बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है।

शोध संस्थान ने कहा कि अमेरिका ने बढ़ाए शुल्क लागू करने की समय-सीमा को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है, जिससे देश-विशिष्ट शुल्क लागू होने से पहले अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल जाएगा। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कई देशों पर बढ़ाए शुल्क को टालने की अवधि 1 अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को कई देशों को पत्र भेजे, जिसमें उनके उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अब ट्रंप दबाव बढ़ा रहे हैं। 7 जुलाई को उन्होंने 14 देशों को भेजे पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें बताया गया कि यदि वे समझौता करने में विफल रहे तो 1 अगस्त से उन्हें कितने शुल्क का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर सोमवार को 25% शुल्क लगाने की घोषणा की। श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका के अंतिम नोटिस में दी चेतावनियों में देशों के पास दो विकल्प हैं कि वे अमेरिकी शर्तों पर हस्ताक्षर करें या जवाबी शुल्क का सामना करें। चीन से अमेरिका का आयात मई 2025 में सालाना आधार पर 35% कम था। समयसीमा के खत्म होने की ओर बढ़ते हुए.. आगामी दिनों में समझौते की घोषणा करने वालों की सूची में भारत सबसे आगे नजर आ रहा है लेकिन उसे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। श्रीवास्तव ने आगाह किया कि समझौतों को दरकिनार करने तथा ब्रिक्स सदस्यों पर एकतरफा शर्तें थोपने की अमेरिका की इच्छा जाहिर करने के मद्देनजर भारत को असंतुलित समझौते के जोखिमों और संबंधों के महत्व पर गौर करना चाहिए।

भारत को कपड़ा, फुटिवयर क्षेत्रों में होगा लाभः निर्यातक

नई दिल्ली। बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और फुटवियर जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही। बांग्लादेश 2024 में 13.15% बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है। बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी 6% है और वह भारत (5.09%) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। मुंबई के एक निर्यातक ने कहा कि थाइलैंड पर बढ़े हुए शुल्क से रबड़ और उसके उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है।

टमाटर महंगे, शाकाहारी-मांसाहारी थाली के बढ़े दाम

बारिश के मौसम में आवक कम होने से टमाटर के दाम बढ़ने के साथ ही रसोई पर भी भार बढ़ गया है, जिसने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। क्रिसिल के अनुसार शाकाहारी थाली की कीमत में तीन तो मांसाहारी थाली की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। वहीं आवक में 8% की गिरावट से टमाटर के दाम बढ़ गए है और आलू के दाम में भी 4% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेबों पर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की हुई वृद्धि

शाकाहारी थाली की कीमत मई में 26.2 रुपये की तुलना में जून में 3% बढ़कर 27.1 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत मई में 52.6 रुपये थी जो जून में 4% बढ़कर 54.8 रुपये हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक 'रोटी, चावल, दर' रिपोर्ट के अनुसार आवक में 8% की गिरावट से जून में टमाटर की कीमत में 36% की वृद्धि हुई, जिससे थाली की कीमत बढ़ गई। वहीं आलू की कीमत में 4% की वृद्धि हुई है। वहीं मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की वृद्धि हुई है। क्रिसिल के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि मौसमी बदलावों से सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी से थाली की लागत बढ़ेगी। प्याज के आवक में अभाव और रबी स्टॉक को नियंत्रित ढंग से जारी किये जाने से और टमाटर की गर्मियों में कमजोर बुवाई से कीमते बढ़ेगी। सालाना आधार पर शाकाहारी भोजन में 8% और मांसाहारी भोजन में 6% की गिरावट आई है।

शाकाहारी थाली की लागत

- **शाकाहारी थाली** = (चावल/रोटी) + (दाल की लागत) + (सब्जियों की लागत) + (तेल की लागत) + (मसालों की लागत) + (अन्य जैसे अचार/सलाद)

मांसाहारी थाली की लागत

- **मांसाहारी थाली** = शाकाहारी थाली + (मांस/ब्रॉयलर की लागत) + (अतिरिक्त तेल व मसालों की लागत)

मई-जून में थालियों के मूल्य

थाली	मई	जून	बदलाव (%)
शाकाहारी थाली	26.2	27.1	3% वृद्धि
मांसाहारी थाली	52.6	54.8	4% वृद्धि

जेन स्ट्रीट की जांच 2024 में शुरू हुई : बुच

मुंबई, एजेंसी

- सेबी की पूर्व चेयरपर्सन ने नियामकीय विफलता का आरोप लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक अप्रैल, 2024 से जेन स्ट्रीट मामले पर नजर रखे हुए है। उन्होंने नियामकीय विफलता का आरोप लगाने के प्रयासों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

लिखित बयान में बुच ने जेन स्ट्रीट के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश के घटनाक्रम का उल्लेख किया। सेबी ने विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का पिछले सप्ताह आदेश जारी किया था। बुच ने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वर्ग स्पष्ट तथ्यों को नजरअंदाज कर यह कहकर गलत कहानी गढ़ने का प्रयास कर रहा है कि सेबी की ओर से नियामकीय विफलता हुई है। घटनाक्रम से पता चलता है कि सेबी ने मामले की जांच अप्रैल, 2024 में ही शुरू कर दी थी। नियामक ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सूचकांक में हेरफेर की पहचान, परिपत्र जारी करना और जेन स्ट्रीट को अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच कुछ खास ट्रेडिंग पैटर्न को बंद करने और रोकने के लिए चेतावनी पत्र जारी करना शामिल है। अक्टूबर, 2024 में सेबी द्वारा भी नीतिगत हस्तक्षेप शुरू किए और अंततः फरवरी, 2025 में सेबी ने एनएसई को जेन स्ट्रीट को बंद करें एवं रोकें पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

फास्टैग से टोल संग्रह 19.6% बढ़कर 20,682 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईसीटी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में फास्टैग के जरिये राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,681.87 करोड़ रुपये हो गया।

एनईटीसी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में टोल उपयोगकर्ताओं की संख्या भी 16.2 प्रतिशत बढ़कर 117.3 करोड़ हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 100.98 करोड़ थी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक अप्रैल, 2025 से देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4-5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश करेगी।

बैंक और आईटी ने शेयर बाजार को दिया बल

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा तो निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर हुआ बंद

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 270 अंक के लाभ में रहा। वहीं एनएसई का निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के साथ बैंक तथा चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

बीएसई का सेंसेक्स 270.01 अंक की तेजी के साथ 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। एनएसई का निफ्टी 61.20 अंक की बढ़त के साथ 25,522.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने से पहले कुछ शेयरों में लिवाली हुई। निवेशकों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ठोस प्रगति का इंतजार है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि, टाइटन में 6% से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे।

एशियाई बाजारों में भी बढ़त

बीएसई स्मॉलकैप 0.17% नीचे आया, जबकि मिडकैप 0.01% की मामूली बढ़त के साथ स्थिर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए। यूरोप में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59% टूटकर 69.17 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 321.16 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 1,853.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

एक नजर

इंडिगो के विमान में बम की अफवाह पर प्राथमिकी

चंडीगढ़। हैदराबाद से गत सप्ताह शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे इंडिगो के विमान में बम की अफवाह के संबंध में पंजाब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 5 जुलाई को हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सफाई के दौरान उसके शौचालय में अंदर बम है लिखा एक टिशू पेपर मिला था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमरप्रीत सिंहने बताया कि विमान की तलाशी ली गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

एमबीबीएस छात्र की याचिका पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एमबीबीएस छात्र की उस याचिका पर सुनवाई से मंगलवार को इनकार कर दिया, जिसमें उसने ओडिशा स्थित मेडिकल कॉलेज में उसका दाखिला पूर्व सूचना दिए बिना रद्द किए जाने को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और आर महादेवन की आंशिक कार्य दिवस पीठ ने छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल से कहा कि वह हाईकोर्ट जाएं। याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है।

आरोपियों को कब तक जेल में रख सकते हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस से सवाल किया कि फरवरी 2020 के दंगों से संबंधित आतंकी मामले में आरोपियों को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है, क्योंकि मामले के पांच साल बीत गए हैं और आरोपों पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने दंगों में बड़ी साजिश से संबंधित मामले में आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस से यह सवाल किया।

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क

पर्यावरण मंत्रालय को लिखे पत्र में एमओटीए ने कहा- सार्वजनिक निर्माण के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- अधिनियम बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की देती है अनुमति

जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमओटीए) ने पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)-2006 के तहत वन भूमि पर स्कूल, आंगनवाड़ी और सड़क जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए वन्यजीव मंजूरी जरूरी नहीं है, बशर्ते कि इनकी सिफारिश ग्राम सभा द्वारा की गई हो। मंत्रालय ने दो जुलाई को जारी ज्ञापन में एफआरए की धारा 3(2) को लेकर यह स्पष्टता दी है।

यह धारा वन क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों व अन्य पारंपरिक वनवासियों (ओटीएफडी) के लिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की अनुमति देती है। इसमें स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें और सिंचाई परियोजनाएं हैं। ज्ञापन अनुसार, एफआरए की धारा 3(2) कहती है कि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में जो भी नियम हैं, उसके बावजूद केंद्र सरकार वन भूमि को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क जैसी जरूरी सुविधाएं बनाने को इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ग्राम सभा इसे मंजूरी दे। अक्टूबर 2020 में जारी पत्र में, पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि एफआरए की धारा 13 जो कहती है कि कानून फिलहाल लागू किसी अन्य कानून के अतिरिक्त है और उसका खंडन नहीं करता है, का तात्पर्य है कि धारा 3(2) को लागू करने के लिए वन्यजीव मंजूरी की जरूरत होगी। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अब यह स्पष्ट किया है कि एफआरए की धारा 3(2) संवैधानिक अधिकारों और सुरक्षा उपायों में निहित है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ई) और 21, साथ ही पांचवीं और छठी अनुसूचियां शामिल हैं, जो जनजातीय अधिकारों की रक्षा करती हैं। पत्र अनुसार, धारा 3(2) के तहत वन भूमि के उपयोग में बदलाव के अधिकार को धारा 2(ई), 4(1), 4(2) और 4(7) के साथ पढ़ाना चाहिए। ये प्रावधान पुष्टि करते हैं कि वन अधिकार आदिवासी और वनवासी समुदायों में ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने के लिए निहित हैं। शोधकर्ता सीआर बिजॉय ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के 2020 के पत्र का वन अधिकारियों द्वारा एफआरए की धारा 3(2) के तहत वन गांवों में बुनियादी सुविधाओं को अवरुद्ध करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जबकि राज्यों को कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

कक्षा छह में 53% विद्यार्थी ही जानते हैं 10 तक का पहाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में कर सकते हैं व्यवस्थित

शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण अनुसार कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा 6 के 53% छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था।

इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा 3, 6 और 9 के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था। तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन हुआ और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के 55% विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58% विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46%) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57% और हमारे आस-पास की दुनिया में 49% अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50% से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे। कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की।

खरगे ने किया मुर्मू-कोविंद के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा ने आरोप लगाते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा

भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे तथा उनकी पार्टी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा।

एक दिन पहले खरगे ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नामों का गलत उच्चारण किया था, लेकिन तुरंत ही गलती सुधार ली। खरगे ने सोमवार को रायपुर की जनसभा में कहा था, भाजपा हमेशा द्रौपदी मुर्मू और (रामनाथ) कोविंद को राष्ट्रपति बनाने की बात करती है, लेकिन क्या पार्टी ने ये सब हमारी संपत्ति, जंगल, जल और जमीन छीनने के लिए किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाटिया ने कहा खरगे ने रामनाथ कोविंद को कोविड और राष्ट्रपति को मुरमा कहा और राष्ट्रपति मुर्मू को भू-माफिया कहते हैं और आरोप लगाते हैं कि वह संपत्ति, जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

नेशनल हेराल्डः ईडी ने आरोपियों की दलीलों का किया विरोध

नई दिल्ली। ईडी ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों की दलीलों का विरोध किया। आरोपियों ने अपनी दलीलें पूरी कर लीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष पेश होते हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन के बीच हुआ लेन-देन एक दिखावा था। संघीय एजेंसी ने सोनिया और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों के धोखाधड़ी से अधिग्रहण पर साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है।

- एजेएल और यंग इंडियन के बीच किया गया लेन-देन एक दिखावा था

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर लगने वाला प्रतिबंध 31 अक्टूबर तक स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का लिया निर्णय

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता पर केंद्र के आयोग ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को 31 अक्टूबर तक स्थगित करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देशों के अनुसार, ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से ऐसे वाहनों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसको समय से पूर्व उठाया व संभावित रूप से प्रतिकूल कदम बताते हुए परिचालन और ढांचागत चुनौतियों का हवाला दिया था।

सूत्रों ने बताया कि सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में दिल्ली में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का निर्णय लिया। दिल्ली में यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इस साल एक नवंबर से शुरू होगा। दिल्ली के ईंधन स्टेशनों ने समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों का पता लगाने के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाए हैं।

तमिलनाडु में स्कूल वैन ट्रेन की चपेट में आई, तीन छात्रों की मौत

कडलूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार सुबह स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से तीन छात्रों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने इस घटना के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूली वैन टक्कर लगने से रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। रेलवे ने कहा कि वैन चालक ने देर से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि वैन चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था।

बिहार में महिलाओं के लिए 35% आरक्षण

पटना, एजेंसी

सरकार ने की घोषणा

- सरकारी नौकरियों में स्थायी निवासी महिलाओं को दिया जाएगा महत्व

बिहार मंत्रिमंडल ने मंगलवार को निर्णय लिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण केवल राज्य की स्थायी निवासियों तक ही सीमित रहेगा। यह निर्णय राज्य में चुनाव से कुछ महीने पहले लिया गया है, जब सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने कहा कि मंत्रिमंडल ने सामान्य प्रशासन विभाग के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नई नीति से राज्य की स्थायी निवासी महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और नौकरी की सुरक्षा बढ़ेगी। सरकार ने 2016 में सभी स्तरों पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। पहले किसी भी राज्य की महिलाएं इसका लाभ ले सकती थीं। लेकिन, विधानसभा चुनाव से पहले अधिवास नीति लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद राजद की सरकार बनती है, तो वह अधिवास नीति लागू करेगी।

रोजगार देने को नीतीश बनाएंगे बिहार युवा आयोग

नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर देने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है।

चार नदियों में भीषण बाढ़ 11 नदियां खतरे से ऊपर

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को बताया कि असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चार नदियों में भीषण बाढ़ आ गई है, जबकि 11 अन्य नदियां खतरे से ऊपर बह रही हैं। किसी भी नदी ने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार नहीं किया है, जबकि असम के गोलाघाट जिले में धनसिरी (दक्षिण) और नुमालीगढ़ में नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी मंडला में खतरे के निशान से थी, हालांकि जल स्तर में कमी देखी गयी है। वहीं, महाराष्ट्र के भंडारा में वैनगंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। इनके अलावा, असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में 11 नदियां सामान्य से ऊपर हैं। उत्तर प्रदेश में एल्गिनब्रिज पर घाघरा नदी, बिहार के दुमरिया घाट पर गंडक नदी, और ओडिशा में बैतरणी तथा जलका नदियां भी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं, हालांकि इनके जल बहाव में भिन्नता देखी गई है।

गोपाल खेमका की हत्या का मुख्य संदिग्ध मुठभेड़ में ढेर

पटना, एजेंसी

- पुलिस ने मामले में पहले ही दो लोगों को किया है गिरफ्तार

उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले का प्रमुख संदिग्ध पटना के दमरिया घाट इलाके में सोमवार देर रात को पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया। संदिग्ध विकास उर्फ राजा (29) कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था।

अधिकारी ने बताया कि हत्या मामले की जांच कर रहे अधिकारियों की टीम विकास की तलाश में देर रात 2.25 बजे दमरिया घाट पहुंची। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और गोलियां चलाईं। ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह मारा गया। इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है। मौके से एक पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किए गए हैं। आशंका है कि पटना में मालसलामी निवासी विकास ने ही खेमका की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार मुहैया कराया था। पुलिस ने पहले ही उमेश राय को गिरफ्तार किया है और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिस पर सुपारी देने का संदेह है।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी व उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

तीसरे टेस्ट के लिए अंग्रेज टीम अपनी रणनीति में कर रही कई बदलाव

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो।

उन्होंने कहा यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा। 2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी। आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे। यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। पर हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इंग्लैंड के पास गुरुवार से पहले सिर्फ एक पूर्ण अभ्यास सत्र होगा क्योंकि पहले दो टेस्ट में उन्हें कुल 443 ओवर फील्डिंग करनी पड़ी है। उन्होंने मंगलवार का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रद्द कर दिया है और ब्राइडन कार्स, जॉश टंग और क्रिस वोक्स के लिए पहली प्राथमिकता उनकी रिकवरी होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम व कप्तान बेन स्टोक्स। ● एजेंसी

स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में गिरावट आई : आर्थटन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन ने एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम की भारत के हाथों शर्मनाक हार के बाद कहा कि बेन स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आई है, विशेषकर ऐसे समय में जब उन्हें आलोचनाओं का सामना कर रही इंग्लैंड टीम की आगे बढ़कर अगुवाई करनी चाहिए।

19 टेस्ट मैच भारत ने लॉर्ड्स में खेले हैं, जिसमें 3 जीत और 12 हार का सामना किया है

2021 में इस मैदान पर भारत ने आखिरी बार मुकाबला खेला था और इंग्लैंड को 151 रनों से हराया था

1986 में भारत को पहली जीत लॉर्ड्स में चेतन शर्मा और कपिल देव की गेंदबाजी से मिली थी

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी। ● एजेंसी

बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन, एजेंसी

जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच में सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है।

45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया जसप्रीत बुमराह ने।

एक नजर

अर्जुन एरिगैसी और गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस में शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और विश्व चैंपियन डी गुकेश को उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले चौथे फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में क्रमशः पहली और दूसरी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में बढ़ी हुई पुरस्कार राशि और प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के टिकट दांव पर होंगे। नियमों के अनुसार, ओपन और महिला प्रतियोगिता दोनों में शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाएंगे। इस प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 30 से अधिक क्लासिकल मैच खेल हो। पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे।

हॉकी कोच फुल्टन ने प्रो लीग में हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली : भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की मंगलवार को पूरी जिम्मेदारी ली। इस हार के साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। फुल्टन ने चीजों को 'सुधारने' के साथ एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर विश्व कप में जगह बनाने का वादा किया। भारतीय टीम भुवनेश्वर में प्रो लीग के आठ घरेलू मैचों के बाद 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थी, लेकिन यूरोपीय दौरे पर वह सिर्फ तीन अंक ही जोड़ पाई।

चोटिल रऊफ और शादाब पाकिस्तान की टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें अभी तक कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

पहलवान रीतिका हुड्डा डोप परीक्षण में विफल होने पर निलंबित

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका लगा जब 2023 में देश की पहली अंडर-23 विश्व चैंपियन बनीं प्रतिभाशाली पहलवान रीतिका हुड्डा को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया और उन पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हैवीवेट 76 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 22 वर्षीय रीतिका का 15 मार्च को एशियाई चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रायल के दौरान परीक्षण किया गया था।

हरमनप्रीत और शेफाली को सीरीज जीतने के लिए दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर, एजेंसी

● पांच मैचों की श्रंखला में भारत 2-1 से आगे चल रहा, चौथा मैच रात 11 बजे से

भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे। हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर। ● एजेंसी

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड : टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

दीप्ति टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

दुबई : भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है।

दीप्ति शर्मा ने 'द हंड्रेड' से नाम वापस लिया

दीप्ति शर्मा ने मंगलवार को अपने कार्यभार (अधिक मैच खेलने से होने वाली थकान या चोट) प्रबंधन के लिए 'द हंड्रेड' प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया। रिपोर्ट के अनुसार दीप्ति ने आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। दीप्ति अभी भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में ही है। पिछले साल छक्का लगा कर चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना

मोदीनगर, एजेंसी

● अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के मौके पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू में बताया लक्ष्य

मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है। चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है।

अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं। चानू ने

मीराबाई चानू। ● एजेंसी

कहा 2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है। उन्होंने कहा यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं। क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की।

चानू ने कहा मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओ लंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।'' चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

बुलावायो : दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी।

सिनर कोहनी की चोट के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

लंदन, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया।

यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

यानिक सिनर। ● एजेंसी

महिला एकल में मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराया

लंदन : महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा।

विश्व कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी : कोहली

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टेनिस खिलाड़ी हर सप्ताह जिस तरह की दबाव का का सामना करते हैं, उसकी तुलना क्रिकेट में केवल विश्व कप के नॉकआउट और भारत बनाम पाकिस्तान के मैच से की जा सकती है। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली ने सोमवार को अपनी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन का मैच देखने के बाद यह तुलना की। वह दिन के कार्यक्रम के दौरान टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज के साथ बातचीत कर रहे थे। कोहली पिछले कुछ समय से क्रिकेट से दूर रहने के दौरान लंदन में ही रहते हैं। उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित साक्षात्कार में कहा मुझे लगता दोनों खेलों में यह अनुभवी (दबाव की स्थितियों में) एक जैसा हो सकता है। हम इस तरह के दबाव (टेनिस खिलाड़ियों के जैसा) का सामना भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच में या विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल में महसूस करते है।

बिना वीजा चीन की यात्रा कर सकेंगे 74 देशों के नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी

- अर्थव्यवस्था के लिए चीन ने वीजा नियमों में दी ऐतिहासिक छूट

चीन ने अपने वीजा नियमों में ऐतिहासिक रूप से ढील दी है, जिससे 74 देशों के नागरिक अब बिना वीजा के 30 दिनों तक इस एशियाई देश की यात्रा कर सकते हैं। इस नीति का उद्देश्य पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

पिछले वर्ष दो करोड़ से अधिक लोग बिना वीजा के चीन गए थे, जो 2023 के मुकाबले दोगुनी संख्या है। वीजा नियमों में ढील दिए जाने के बाद अब विदेशी पर्यटक चीन जा रहे हैं। ऑस्ट्रिया में रह रहे जॉर्जिया के एक नागरिक जॉर्जी शावाद्जे ने बीजिंग में 'टेम्पल ऑफ हेवन' की अपनी हालिया यात्रा के बारे में कहा, यह वास्तव में यात्रा को आसान बनाता है क्योंकि वीजा के लिए आवेदन करना और उसकी पूरी प्रक्रिया से गुजरना एक झंझट होता था।

कोविड-19 के कारण लगे कड़े प्रतिबंधों को हटाने के बाद चीन ने 2023 की शुरुआत में पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं फिर खोल दी थीं, लेकिन उस वर्ष 1.38 करोड़ लोग ही चीन गए थे, जो पहले 2019 के 3.19 करोड़ के आधे से भी कम है। दिसंबर 2023 में चीन ने फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन और मलेशिया के लिए बिना वीजा के यात्रा की घोषणा की थी। तब से अधिकतर यूरोपीय देशों को यह सुविधा मिल चुकी है तथा 16 जुलाई को अजरबैजान के जुड़ने से इन देशों की संख्या 75 हो जाएगी।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 18 लापता

काठमांडू। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मुख्य पुल सोमवार देर रात ध्वस्त हो गया और 18 लोग लापता हो गए हैं।

चीन में लगातार मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई, जिसके बाद से 18 लोग लापता हैं। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। छह चीनी नागरिकों सहित 18 लोग लापता हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम ने दो पुलिसकर्मियों सहित 11 लोगों को बचाया।

धार्मिक आस्था से राजनीति तक

कांवड़ यात्रा में 'पहचान के विवाद'

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन और सरकारों के सामने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था जैसी कई चुनौतियां पहले से रही हैं लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कांवड़ मार्गों पर मुस्लिमों की हिंदू नामों से खाने-पीने की चीजों की दुकानों को लेकर होने वाले विवाद सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इस तरह के विवाद सामाजिक और धार्मिक ही नहीं, राजनीतिक स्तर पर काफी चर्चा में रहे हैं। दरअसल, इस विवाद के कई अलग-अलग पहलू हैं जिनमें धार्मिक आस्था, सुरक्षा, प्रशासनिक निर्णय और राजनीतिक ध्रुवीकरण प्रमुख हैं। कुछ साल पहले ही शुरुआत के बाद इन विवादों ने इस कदर तूल पकड़ा है कि राज्य सरकारों को इस पर कड़े नियम-कायदे बनाने के लिए विवश होना पड़ा है। हालांकि, इसके बाद भी ये विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं।

विवादों का मूल कारण- नाम छिपाना

नाम छिपाना इन विवादों का मूल कारण हैं। कुछ हिंदू संगठनों और यात्रियों का आरोप है कि कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र हिंदू धार्मिक आयोजन में मुस्लिम दुकानदारों की उपस्थिति धार्मिक भावना को ठेस पहुंचा सकती है। उनका दावा है कि ये लोग जानबूझकर दूषित वस्तुएं या अशुद्ध जल का इस्तेमाल कर कांवड़ियों की धार्मिक आस्था को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ संगठन ये आशंका भी जताते रहे हैं कि इस माध्यम से धर्म का प्रचार या धर्मांतरण का प्रयास हो सकता है, हालांकि इसका कभी कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है।

नेमप्लेट विवाद...

पिछले साल यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों को अपनी दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी, साथ ही राज्य सरकार को नोटिस भी जारी किया था।

पिछले वर्षों में प्रमुख विवाद

- हरिद्वार में वर्ष 2022 में हरकी पौड़ी के पास मुस्लिम दुकानों को बंद कराने की मांग की गई थी। कुछ दुकानों में तोड़फोड़ भी की गई।
- मेरठ में वर्ष 2023 में कांवड़ मार्ग पर एक फूड स्टॉल को नाम छुपाकर व्यापार करने के आरोप में हटाया गया। प्रशासन ने उसका लाइसेंस निरस्त किया।
- मुजफ्फरनगर में वर्ष 2024 में बजरंग दल ने मुस्लिम दुकानदारों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी जिसके बाद कई दुकानों को जबरन हटाया गया।
- सहारनपुर में पिछले साल कांवड़ यात्रा से पहले प्रशासन ने सर्कुलर जारी किया कि सभी दुकान लगाने वालों को धार्मिक पहचान के साथ थाने में पंजीकरण कराना होगा। कुछ मुस्लिमों को जांच के बाद अनुमति भी नहीं दी गई। इस पर एआईएमआईएम ने मुस्लिम दुकानदारों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

सरकारों को बनाने पड़े नियम

क्यूआर कोड करना होगा प्रदर्शित

- **उत्तर प्रदेश में** इन विवादों की वजह से वर्ष 2022 से इस तरह के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी बढ़ाई गई। अब नए दुकानदार को अनुमति देने से पहले जांच की जाती है। एफएसडीए ने नया नियम लागू किया है, इसके तहत हर दुकानदार को अपनी दुकान पर क्यूआर कोड युक्त प्रपत्र प्रदर्शित करना होगा।

पूर्वानुमति के बगैर दुकानें नहीं

- **उत्तराखंड में** हरिद्वार और ऋषिकेश में यात्रा मार्गों पर प्रशासन की पूर्व अनुमति से ही दुकान लगाई जा सकती है। धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की चेतावनी दी गई है। धार्मिक पहचान छुपाकर व्यापार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान जोड़ा गया है।

- कुछ सामाजिक संगठनों का सवाल है कि क्या धर्म के आधार पर व्यापार का अधिकार छीना जा सकता है।

एक नजर

केन्या : विरोध प्रदर्शनों में 10 की मौत, 28 घायल

नैरोबी। केन्या में प्रदर्शन के दौरान सोमवार को सुरक्षा अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 लोगों की गोली लगने से मौत हो गयी, जबकि अन्य 29 घायल हो गए। इस घटना में देशभर में अशांति फैल गई है। केन्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के 17 काउंटियों में 37 लोगों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दी है। केएनसीएचआर ने कहा कि लूटपाट और नुकसान के मद्देजर प्रमुख शहरों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। छह काउंटियों में लूटपाट की घटनाएं हुईं, मध्य केन्या में आपराधिक तत्वों द्वारा कुछ सरकारी कार्यालयों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

इजराइल ने भी नोबेल के लिए ट्रंप को किया नामित

वाशिंगटन। इजराइल सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। अमेरिका दौरे पर पहुंचे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए योग्य बताते हुए कहा कि उनको पुरस्कार मिलना चाहिए। नेतन्याहू ने ट्रंप को वह पत्र भी सौंप दिया है, जिसे उनकी सरकार की ओर से नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा गया है। इस पत्र में श्री ट्रंप की ओर से शांति प्रयासों को बताते हुए उनको नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की गई है।

स्विट्जरलैंड: बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा मंजूर

बर्न। स्विट्जरलैंड ने दावा निर्माता कंपनी नोवार्टिस की बच्चों के लिए मलेरिया की नयी दवा 'कॉर्टेम बेबी' को मंजूरी प्रदान कर दी है। कॉर्टेम नवजात बच्चों और शिशुओं पर इस्तेमाल के लिए उपयुक्त दुनिया की पहली मलेरिया दवा है। मलेरिया से संबंधित मौतों में से अधिकांश पांच साल से कम आयु वर्ग होती हैं। उम्मीद की जा रही है कि अफ्रीका में अगले कुछ हफ्तों में इस दवा का उत्पादन और वितरण शुरू हो जायेगा। मलेरिया से संबंधित अधिकांश मौतें अफ्रीकी महाद्वीप में दर्ज की जाती हैं। वर्ष 2023 में दुनिया भर में मलेरिया से पांच लाख से अधिक मौतें हुईं।

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स ने बताया कि यूनान के स्वामित्व वाली इटरनिटी सी पर हुए हमले में एक घायल व्यक्ति को अपना पैर भी गंवाना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि हमला सोमवार रात से शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक जारी रहा।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की जगह नहीं: मोदी

ब्राजील में बोले प्रधानमंत्री, कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में छह समझौतों पर किए हस्ताक्षर

ब्रासीलिया, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच मंगलवार को वार्ता के बाद भारत और ब्राजील ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को लगभग दोगुना करके 20 अरब अमेरिकी डॉलर वार्षिक करने का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही दोनों देशों ने ऊर्जा और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने आतंकवाद से निपटने पर भी विचार-विमर्श किया।

मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर स्पष्ट हैं कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारी सोच एक जैसी है, यथा- आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और यह कि इसे लेकर दोहरा मानदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। दोनों देशों ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और सीमापार संगठित अपराध से मुकाबला करने संबंधी समझौता और गोपनीय सूचनाओं के आदान-प्रदान व पारस्परिक संरक्षण से जुड़ा करार शामिल है। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग, डिजिटल परिवर्तन के लिए बड़े पैमाने पर समाधान साझा करने, बौद्धिक संपदा, और कृषि अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए।

मोदी ब्राजील के समुद्र तटीय शहर रियो डी जेनेरियो में दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद सोमवार शाम ब्रासीलिया पहुंचे। मोदी ने कहा, हम चाहते हैं कि भारत-ब्राजील संबंध कार्निवल (रंगारंग जुलूस) की तरह रंगीन हों, फुटबॉल की तरह जोशीले हों, और सांबा (नृत्य) की तरह दिलों को जोड़ने वाले हों और वीजा काउंटर पर लंबी कतारें न हों। इस भावना के साथ। उन्होंने कहा, हम दोनों देशों के लोगों, खासकर पर्यटकों, छात्रों, खिलाड़ियों और व्यापारियों के बीच आपसी संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत-ब्राजील के बीच बढ़ता सहयोग दोनों पक्षों के बीच गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। हम अपने रक्षा उद्योगों को जोड़ने के लिए अपने प्रयास जारी रखेंगे।

ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मोदी ने लूला के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, राष्ट्रपति से ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावना का क्षण है।

गाजा में मारे गए 5 इजराइली सैनिक और 51 फलस्तीनी

तेल अवीव। उत्तरी गाजा में गश्त कर रहे पांच इजराइली सैनिकों की विस्फोटकों की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइली हमलों में 51 फलस्तीनी नागरिक मारे गए।

ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में लगभग 21 महीने से जारी लड़ाई को रोकने के लिए युद्ध-विराम प्रस्ताव पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से चर्चा के वास्ते व्हाइट हाउस का दौरा कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में किसी सफलता की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन समझौते की दिशा में प्रगति के संकेत मिले हैं।

- **विस्फोटकों की जद में आए उत्तरी गाजा में गश्त करते इजराइली सैनिक**

गाजा में इजराइली सैनिकों पर हमले से नेतन्याहू पर हमास के साथ युद्धविराम करने का दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि इजराइल में हुए सर्वेक्षणों में बड़े पैमाने पर लोगों ने गाजा पट्टी में लड़ाई खत्म करने का समर्थन किया है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि 80 से 90 फीसदी शर्तें तय की जा चुकी हैं।

विमान पर लेजर हमले के बाद जर्मनी ने चीनी राजदूत को किया तलब

बर्लिन, एजेंसी

- यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स के तहत लाल सागर के ऊपर उड़ान भर रहा था विमान

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीनी युद्धपोत द्वारा लाल सागर में एक जर्मन विमान पर लेजर का इस्तेमाल करने के विरोध में चीन के राजदूत को तलब किया है। जर्मन रक्षा मंत्रालय ने कहा कि निगरानी विमान यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य यमन स्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से नागरिक जहाजों की बेहतर सुरक्षा करना है।

जर्मन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक चीनी युद्धपोत द्वारा बिना किसी कारण या पूर्व संपर्क के इस पर लेजर से हमला किया गया। ऐसा इस क्षेत्र में कई बार हुआ था। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, लेजर का उपयोग करके युद्धपोत ने लोगों और सामग्री को खतरे में डालने का जोखिम स्वीकार किया है। एहतियात के तौर पर विमान का मिशन रद्द कर दिया गया। विमान जिबूती में बेस पर सुरक्षित उतरा और चालक दल के सदस्य स्वस्थ हैं।

मंत्रालय ने कहा कि विमान का संचालन एक असैन्य वाणिज्यिक सेवा प्रदाता द्वारा किया जा रहा था, लेकिन इसमें जर्मन सेना के जवान भी शामिल थे, तथा इसने लाल सागर में यूरोपीय संघ मिशन के साथ अपना परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। जर्मन विदेश कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जर्मन कर्मियों को खतरे में डालना और ऑपरेशन को बाधित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

फिलीपीन ने भी चीन के राजदूत को तलब किया

मनीला। चीन ने फिलीपीन के एक पूर्व सांसद पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके बाद मनीला में चीन के राजदूत को तलब किया गया है। सांसद विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों की आलोचना करते रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह फिलीपीन के पूर्व सांसद फ्रांसिस टॉलेंटिनो के चीन तथा उसके क्षेत्रों हांगकांग और मकाऊ में प्रवेश पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा रहा है।

एक्स खातों पर रोक लगाने का आग्रह करने से भारत का इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक्स ने किया था दावा, भारत सरकार ने की है 2300 से ज्यादा खाते अवरुद्ध करने की मांग

सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने देश में कुछ 'एक्स' खातों तक पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए कोई नया अनुरोध नहीं किया है और उसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय 'वायर' एजेंसी पर लगी रोक को सफलतापूर्वक हटवा दिया है। यह बयान तब आया जब एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच ने दावा किया कि भारत सरकार ने तीन जुलाई को देश में 2,300 से ज़्यादा 'एक्स' हैंडल को अवरुद्ध करने की मांग की थी। दावा किया गया कि इस सूची में भारत में रॉयटर्स एजेंसी का हैंडल भी शामिल था।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, सरकार ने तीन जुलाई 2025 को कोई नया आदेश जारी नहीं किया है और रॉयटर्स तथा रॉयटर्सवर्ल्ड सहित किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल को अवरुद्ध करने का कोई इरादा नहीं है।

एक्स ने कही थी कानूनी विकल्पों पर गौर करने की बात

'एक्स' ने कहा, हम इन अवरुद्ध आदेशों के कारण भारत में जारी 'प्रेस सेंसरशिप' को लेकर बहुत चिंतित हैं। एक्स सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन कार्यकारी आदेशों के खिलाफ कानूनी चुनौती पेश करने की 'एक्स' की क्षमता भारतीय कानून द्वारा प्रतिबंधित है... हम प्रभावित उपयोगकर्ताओं से न्यायालयों के माध्यम से कानूनी उपाय करने का आग्रह करते हैं। सरकारी प्रवक्ता ने 'एक्स' के दावों का खंडन किया। रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को भारत में कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था।

मालवाहक जहाज को जब्त करने का आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को विड़िण्गम बंदरगाह पर खड़े एक मालवाहक जहाज को सशर्त जब्त करने का आदेश दिया।

यह आदेश गंभीर जहाज दुर्घटना और पर्यावरणीय क्षति को लेकर केरल राज्य द्वारा दायर 9,531 करोड़ रुपये के मुआवजे के मामले में दिया गया है। एमएससी अकीटेटा 2 नामक जहाज को जब्त करने का आदेश तब दिया गया जब राज्य ने एक अन्य जहाज के मालिकों और प्रबंधकों पर आरोप लगाया कि वे केरल तट पर गंभीर प्रदूषण फैला रहे हैं। यह जहाज भी उसी कंपनी एमएससी ईएलएसए 3 का प्रतीत होता है। केरल तट के पास 25 मई को एमएससी ईएलएसए 3 जहाज पलटकर डूब गया था, जिससे कथित तौर पर तेल और जहाज का माल बह गया था। इससे समुद्री पर्यावरण, तटीय क्षेत्र को नुकसान पहुंचा और हजारों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हुई।

स्पेन में बैलों की दौड़

स्पेन के पैम्प्लोना में सैन फर्मवान उत्सव में बैल दौड़ के दूसरे दिन सेबाडा गागो खेत से बैलों के साथ दौड़ते लोग। स्पेन में यह एक लोकप्रिय उत्सव है जो पैम्प्लोना शहर में होता है। इस उत्सव में लोग बैलों के एक समूह के सामने दौड़ते हैं जो उन्हें बुलरिंग तक ले जाने के लिए शहर की संकरी गलियों से होकर गुजरते हैं। इस खतरनाक खेल में हर साल कई लोग घायल हो जाते हैं, कुछ की जान भी चली जाती है। एजेंसी

आपमें से कई अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर जा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेडियो बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों से बोले शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रेडियो के माध्यम से बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों के एक समूह से कहा, आप में से कई भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर भी जा सकते हैं।

कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके शुक्ला मेघालय और असम के सात स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत कर रहे थे, जो अंतरिक्ष यात्री से बात करने के दुर्लभ अवसर के लिए शिलांग में उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक) में एकत्र हुए थे। विद्यार्थियों ने शुक्ला को 20 प्रश्न भेजे थे, और उन्होंने 10 मिनट के समय में हैम रेडियो के माध्यम से विद्यार्थियों से संपर्क किया तथा आईएसएस पर अपने अनुभव, अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष में स्वस्थ रहने के बारे में अपने विचार साझा किए।

शुक्ला ने कहा, उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर जीवन सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर सेट घड़ी से संचालित होता है। शुक्ला ने कहा, हम सूर्य का अनुसरण नहीं करते। आईएसएस पर हम हर दिन 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, क्योंकि हम हर 90 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं। हमारी गतिविधियां सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि जीएमटी से संचालित होती हैं।

प्रसव कराने वाले सैन्य अधिकारी को सेना प्रमुख ने सराहा

नई दिल्ली। झांसी रेलवे स्टेशन पर अत्यंत पीड़ा से जूझ रही महिला का प्रसव कराने वाले मेजर बचवाला रोहित की सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कर्तव्य से परे जाकर दिखाई गई निःस्वार्थ प्रतिबद्धता के लिए सराहना कर उन्हें सम्मानित किया।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पांच जुलाई को झांसी के सैन्य अस्पताल से गृहनगर हैदराबाद छुट्टी पर जाते समय मेजर बचवाला की नजर स्टेशन पर एक महिला पर पड़ी जो तेज प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी। सेना ने कहा, असाधारण चिकित्सकीय कौशल से मेजर रोहित ने प्लेटफार्म पर ही एक तौलिया, चाकू और हेयर क्लिप सहित उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कर आपातकालीन प्रसव कराया। सेना ने उस महिला की तस्वीर भी साझा की, जिसकी मेजर ने सहायता की।

कूटनीति — नहीं किया मतदान, कहा- सामान्य तौरतरीकों से नहीं मिल सकता परिणाम

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव से भारत अलग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा कि सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें समाहित होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों।

संरा में भारत के प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश।

हरीश ने कहा, हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति, अलकायदा और उसके सहयोगी संगठन, इस्लामिक स्टेट और उसके सहयोगी संगठन, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं, तथा उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं, वे अब आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के संदर्भ में कही।

मसौदा प्रस्ताव में क्षेत्रीय सहयोग का उल्लेख करते हुए अफगान लोगों की भलाई के लिए पड़ोसी और क्षेत्रीय साझेदारों तथा क्षेत्रीय संगठनों के योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसमें भारत, ईरान और तुर्किये जैसे देशों द्वारा प्रदान किए जाने वाले शैक्षिक अवसरों के साथ-साथ कजाखस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में अफगान छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच में मदद करने के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रम भी शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत की तात्कालिक प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता का प्रावधान और अफगान लोगों के लिए क्षमता निर्माण पहलों का कार्यान्वयन शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस से मिले पीएम मोदी

रियो डी जेनेरियो। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील यात्रा के दौरान रियो डी जेनेरियो में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर सोमवार रात मोदी ने गुटेरेस के अलावा चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और न्यू डेवलेपमेंट बैंक की अध्यक्ष तथा ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ के साथ मुलाकात की तथा विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। मोदी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कल रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से बातचीत की।